MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 30 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-357

अब थानों की पौ-बारह

12 ज़ोन में बंटेंगा पुलिस महकमा

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) के पुनर्गठन के बाद अब तेलंगाना पुलिस विभाग एक बड़े प्रशासनिक बदलाव के लिए तैयार है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट को कुल 12 पुलिस ज़ोन में पुनर्गठित किया जाएगा।

कमिश्नरेट का नया स्वरूप और ज़ोन का विभाजन

प्रस्तावित बदलावों के तहत, अकेले हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट को 6 ज़ोन में विभाजित किया जाएगा। वहीं, साइबराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट को 3-3 ज़ोन में बांटा जाएगा। इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में पुलिसिंग दक्षता, बेहतर पर्यवेक्षण और आपसी समन्वय को बढ़ाना है।महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, शमशाबाद और राजेंद्रनगर ज़ोन का विलय होने की संभावना है। साथ ही, शमशाबाद एयरपोर्ट क्षेत्र को पूरी तरह से हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में लाने की तैयारी है, ताकि हवाई अड्डे की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित किया जा सके। नगर निगम और पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल के लिए यह पुनर्गठन हाल ही में GHMC सीमाओं के विस्तार के बाद किया जा रहा है। आसपास की 27 नगर पालिकाओं के विलय के साथ, ग्रेटर हैदराबाद अब 300 वार्डों, 60 सर्किलों और 12 प्रशासनिक क्षेत्रों (ज़ोन) में फैला हुआ है।

हाल ही में GHMC कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने सभी 12 नागरिक क्षेत्रों में ज़ोनल कमिश्नरों की नियुक्ति की है। पुलिस विभाग अब अपनी सीमाओं को नगर निगम के इन्हीं 12 ज़ोन के साथ संरेखित कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि पुलिस ज़ोन और नगर निगम ज़ोन एक समान होने से कानून प्रवर्तन और नागरिक सुविधाओं के बीच समन्वय काफी बेहतर होगा।इस बदलाव से अपराध रोकथाम, रिस्पांस टाइम (घटना स्थल पर पहुँचने का समय) और सार्वजनिक शिकायतों के निवारण में सुधार होने की उम्मीद है। प्रत्येक ज़ोन में समर्पित वरिष्ठ अधिकारी तैनात होंगे, जो कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए सीधे जवाबदेह होंगे। अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद के बढ़ते महानगरीय स्वरूप को देखते हुए यह पुनर्गठन अनिवार्य हो गया था। पुलिस मुख्यालय जल्द ही अंतिम मंजूरी के बाद नियुक्तियों और परिचालन अधिकार क्षेत्र के संबंध में विस्तृत आदेश जारी करेगा।

'फ्यूचर सिटी' को मिला पहला पुलिस कमिश्नर

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने पुलिस प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई वरिष्ठ आईपीएस (IPS) अधिकारियों के स्थानांतरण और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल की सबसे बड़ी विशेषता नवनिर्मित 'फ्यूचर सिटी' कमिश्नरेट के लिए पहले पुलिस आयुक्त की नियुक्ति और मौजूदा कमिश्नरेटों का पुनर्गठन है।

सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, राचकोंडा के पुलिस कमिश्नर श्री जी. सुधीर बाबू (IPS 2001) का स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्हें नव-सृजित 'फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट' के पुलिस कमिश्नर के रूप में तैनात किया गया है। यह नई जिम्मेदारी सरकार के दूरदर्शी विजन और शहर के विस्तार की सुरक्षा प्राथमिकताओं को दर्शाती है।

प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करते हुए राचकोंडा और साइबराबाद कमिश्नरेटों का पुनर्गठन किया गया है।

मलकाजगिरी कमिश्नरेट : साइबराबाद के पुलिस कमिश्नर श्री अविनाश मोहंती (IPS 2005) को अब मलकाजगिरी के पुलिस कमिश्नर के रूप में नियुक्त किया गया है। यह पद राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के पुनर्गठन के बाद सृजित किया गया है।

साइबराबाद कमिश्नरेट : डॉ. एम. रमेश (IPS 2005), जो वर्तमान में आईजीपी (IGP, Provisioning Logistics) और प्रबंध निदेशक (TGPICS) के पद पर कार्यरत थे, उन्हें श्री अविनाश मोहंती के स्थान पर साइबराबाद का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

कमिश्नरेट प्रणाली के साथ-साथ जिला स्तर पर भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। श्री अक्षंश यादव (IPS 2019), जो वर्तमान में राचकोंडा के अंतर्गत यदाद्री भोनगीर में डीसीपी (DCP) के पद पर तैनात थे, अब यदाद्री भोनगीर जिले के पुलिस अधीक्षक (SP) होंगे। इस जिले को कमिश्नरेट से अलग कर एक स्वतंत्र जिला पुलिस इकाई के रूप में पुनर्गठित किया गया है।

सरकार के इन आदेशों का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को अधिक विकेंद्रीकृत और सुदृढ़ बनाना है।

पुतिन के घर पर ताबड़तोड़ हमला

मास्को, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब चार साल जारी युद्ध को खत्म कराने के लिए एक तरफ जहां शांति समझौते पर बातचीत चल रही है, वहीं सोमवार को एक बड़ा घटनाक्रम हुआ। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर 91 ड्रोन से हमले का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि ये हमला नोवगोरोड इलाके में स्थित राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास को निशाना बनाकर किया गया।लावरोव ने बताया कि लंबी दूरी के ड्रोन से ये हमला 28-29 दिसंबर की दरमियानी रात को किया गया था। हालांकि रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन्स को हवा में ही मार गिराया। उन्होंने इसे यूक्रेन सरकार द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमला करार दिया और कहा कि ऐसी हरकतों को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ा जाएगा. इस हमले के वक्त राष्ट्रपति पुतिन वहां मौजूद थे या नहीं, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रूस ने कहा- ये आतंकी हमला, बदला लेंगे

रूस ने इन हमलों का बदला लेने की तैयारी कर ली है। ये भी तय कर लिया है कि जवाबी हमला कब और कहां किया जाएगा। इसके साथ ही रूस ने शांति समझौते पर अपने रुख से पलटने के भी संकेत दिए हैं। उसे यूक्रेन पर आतंकी हमला करने का ▶10पर

कब्रिस्तान का रास्ता साफ

अज़हर ने दशकों पुराना मुद्दा सुलटाया

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने सामाजिक न्याय और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सोमवार को सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लंबे समय से लंबित कब्रिस्तान भूमि आवंटन के मुद्दे पर निर्णायक सफलता प्राप्त हुई।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में हुई इस बैठक में उनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कब्रिस्तान की समस्या का समाधान निकाला गया। बैठक में राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, जुबली हिल्स के विधायक नवीन यादव, और टिमरिस (TIMRIS) के अध्यक्ष फहीम कुरैशी सहित वरिष्ठ अधिकारी और एर्रागड्डा, बोराबंडा व शेखपेट डिवीजनों की कब्रिस्तान समितियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्री अजहरुद्दीन ने स्पष्ट किया कि इन क्षेत्रों के निवासी दशकों से दफनाने के लिए जगह की कमी के कारण भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कब्रिस्तान के मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने के लिए राजस्व विभाग, रक्षा विभाग और वक्फ बोर्ड के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करें। योजना के अनुसार, आवश्यकतानुसार राजस्व भूमि रक्षा विभाग को हस्तांतरित की जाएगी और बदले में प्राप्त भूमि या उपयुक्त राजस्व भूमि को कब्रिस्तान के लिए वक्फ बोर्ड को सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 31 दिसंबर तक इस प्रक्रिया को पूरा करने का आश्वासन दिया था, जिसे अब अमली जामा पहनाया जा रहा है।

बैठक के दौरान राजस्व मंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकारी जमीन सार्वजनिक संपत्ति है और इस पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों और गरीबों के लिए आरक्षित जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें और नोटिस जारी कर जमीन वापस लें।

बैठक के अंत में एर्रागड्डा, बोराबंडा और शेखपेट के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया। मंत्री अजहरुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूरे तेलंगाना में अल्पसंख्यकों के वास्तविक मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर निकाय चुनावों की सुगबुगाहट

117 नगर पालिकाओं और 6 नगर निगमों के लिए मतदाता सूची का काम शुरू

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में एक बार फिर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। हाल ही में पंचायत चुनावों के सफल समापन के बाद, राज्य चुनाव आयोग (SEC) ने अब नगर पालिकाओं और नगर निगमों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। राज्य के 117 नगर पालिकाओं और 6 नगर निगमों में चुनाव कराने की तैयारी के हिस्से के रूप में मतदाता सूची के संशोधन के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

राज्य चुनाव आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने के लिए व्यापक कसरत शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया 30 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 10 जनवरी 2026 तक चलेगी। विशेष रूप से निज़ामाबाद, महबूबनगर, मंचिरियाल, करीमनगर, कोत्तागुडेम और रामागुंडम जैसे प्रमुख नगर निगमों में मतदाता पंजीकरण और संशोधन प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। नए और युवा मतदाताओं के पास इस दौरान सूची में अपना नाम जुड़वाने या सुधारने का सुनहरा मौका होगा। राज्य में नगर निकाय चुनाव कराना अब सरकार के लिए अनिवार्य हो गया है। इसका सबसे बड़ा कारण केंद्रीय वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि है। शहरी स्थानीय निकायों को केंद्र से लगभग 700 करोड़ रुपये की निधि मिलनी है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि मार्च तक चुनाव प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। निर्वाचित निकायों की अनुपस्थिति में इन फंडों को जारी करने में तकनीकी बाधाएं आती हैं। ▶10पर

राजनीतिक दलों को सख्त हिदायत

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) सी. सुदर्शन रेड्डी ने सोमवार को राज्य के सभी पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) को एक कड़ा निर्देश जारी किया है। उन्होंने सभी दलों को अपनी फंडिंग, चुनावी खर्च और ऑडिट रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करने का आदेश दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद प्राप्त होने वाली किसी भी रिपोर्ट को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने इसे 'उच्च प्राथमिकता' वाला संचार बताते हुए ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

बांग्लादेश में फासीवादी तत्व नहीं लड़ पाएंगे चुनाव, नामांकन पत्र खरीदने की कोशिश की तो गिरफ्तार किए जाएंगे

ढाका,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में अगले साल होने वाले आम चुनाव में फासीवादी तत्व हिस्सा नहीं ले पाएंगे। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि ऐसे लोग अगर नामांकन पत्र खरीदने की कोशिश करते हैं, उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर कानूनी शिकंजा कसा जाए।

गृह मंत्रालय ने कहा कि अशांति फैलाने वाले कई उम्मीदवारों को नामांकन पत्र जमा करने से वंचित कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के संबंध में रविवार को हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में कई कठोर फैसले लिए गए। बैठक से परिचित एक सूत्र ने कहा, आरोपित कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया गया। बैठक में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की सुरक्षा पर भी चर्चा हुई और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि ढाका और राजधानी के बाहर उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए। गृह मंत्रालय के सूत्र ने कहा, इंकलाब मंच नई मांगें कर रहा है। मंच पर कड़ी निगरानी करने की जरूरत है। बैठक के बाद गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) जहांगीर आलम चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को किसी भी स्थिति पर बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए कठोर फैसला लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा, सभी राजनीतिक दल फासीवादी तत्वों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि 13 से 26 दिसंबर तक कुल 9,993 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में हथियार, ग्रेनेड, मोर्टार शेल, बारूद, पटाखे और बम बनाने का सामान बरामद किया गया। लक्ष्मीपुर पुलिस ने 26 दिसंबर को जिला चुनाव कार्यालय पर हुए हमले के मुख्य संदिग्ध रुबेल को गिरफ्तार किया है। खुलना शहर में जातीय श्रमशक्ति के केंद्रीय आयोजक 42 वर्षीय मोतालिब सिकदर की हत्या के सिलसिले में डीके शमीम उर्फ ढाकैया शमीम सहित तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गृह सलाहकार चौधरी ने कहा कि मयमनसिंह में दीपू चंद्र हत्याकांड के सिलसिले में 18 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

मेक्सिको में ट्रेन हादसा, 13 की यात्रियों की मौत, 98 घायल

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में निजांडा शहर के पास रविवार को इंटरओशनिक रेलगाड़ी (ट्रेन) पटरी से उतर गई। इस हादसे कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 98 लोग घायल हो गए। ट्रेन में 250 यात्री सवार थे। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि नौसेना ने 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। राहत और बचाव कार्य एजेंसियों को मौके पर भेजा गया है रिपोर्ट के अनुसार,यह रेल हादसा ओक्साका के असुनसियन इक्स्टाल्टेपेक में वेराक्रूज और सलीना क्रूज को जोड़ने वाले रेलवे के मुख्य मार्ग पर हुई। यह निजांडा शहर से कुछ दूर है। राष्ट्रपति के अनुसार, 98 घायलों में पांच की हालत गंभीर हैं। घायलों का इलाज माटियास रोमेरो और सलीना क्रूज के अस्पतालों के साथ जुचिटान और इक्स्टेपेक के अस्पतालों में चल रहा है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने नौसेना सचिव और आंतरिक सचिवालय के मानवाधिकार उप सचिव को घटनास्थल पर जाकर प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राहत और बचाव कार्य में योगदान के लिए ओक्साका के गवर्नर और उनकी टीम का आभार जताया है। उल्लेखनीय इस रेल सेवा की शुरुआत साल 2023 में हुई थी। इसका संचालन प्रशांत महासागर और मेक्सिको की खाड़ी के बीच संकरे भू-भाग पर विकसित किए ट्रैक पर किया जाता है। इस ट्रैक की कुल लंबाई 290 किलोमीटर है। यह रेल मार्ग मेक्सिको की सरकार के लिए बेहद अहम है। अमेरिका से तनातनी के बीच इस उत्तरी अमेरिकी देश की सरकार पानी से घिरे भू-भाग को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक रणनीतिक गलियारे में बदलने का प्रयास कर रही है।

नेपालः प्रतिनिधि सभा के 110 समानुपातिक सांसदों के चयन की अंतिम सूची जमा करने का आखिरी दिन

काठमांडू। आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) निर्वाचन प्रणाली के तहत राजनीतिक दलों ने अपनी अंतिम सूची चुनाव आयोग में जमा करवानी शुरू कर दी है। सूची जमा कराने का अंतिम दिन है। यह सूची शाम अपराह्न चार बजे तक जमा कराई जा सकती है। आयोग के संयुक्त सचिव एवं प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई की विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार दोपहर तक तीन राजनीतिक दलों ने अपनी सूची जमा करा दी हैं। यह दल नेपाल श्रम संस्कृति पार्टी, जनप्रिय लोकतांत्रिक पार्टी और श्रम संस्कृति पार्टी हैं। आयोग जांच करने के बाद अंतिम सूची का प्रकाशन करेगा। इससे पहले 100 राजनीतिक दलों ने 93 चुनाव चिह्नों के साथ पीआर प्रणाली के तहत चुनाव में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था। उल्लेखनीय है कि सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार को प्रतिनिधि सभा (एचओआर) का चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में अंतरिम सरकार ने पांच मार्च 2026 को चुनाव कराने की घोषणा की है। देश में एक करोड़ 88 लाख 90 हजार से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। ये सभी मतदाता पीआर और प्रत्यक्ष—दोनों प्रणालियों के लिए अलग-अलग दो मतपत्रों पर मतदान कर सकेंगे।

बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री को बुगती कबीलों का आठवां सरदार चुना गया

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती को पारंपरिक

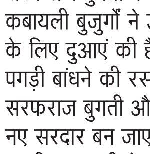

कबायली परंपरा के तहत बुगती कबीलों का नया सरदार (तुमंदर) चुना गया है। पगड़ी बांधने (दस्तार बंदी) की रस्म डेरा बुगती के बकर इलाके में होगी। सरफराज बुगती कबीलों के आठवें सरदार होंगे है। कबायली बुजुर्गों ने उनकी सफलता, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए दुआएं की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पारंपरिक पगड़ी बांधने की रस्म पूरी होने के साथ मीर सरफराज बुगती औपचारिक रूप से बुगती कबीले के नए सरदार बन जाएंगे। रस्म पगड़ी समारोह में सभी बुगती उप-कबीलों (शंबानी, कलपर, मोंद्रानी, पिरोजानी, नोथानी और डोम्ब) शामिल होंगे। नवाब बुगती परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कबायली रीति-रिवाजों के अनुसार पारंपरिक पगड़ी बांधने की रस्म अदा की जाएगी। सरफराज बुगती के पिता मीर गुलाम कादिर बुगती की गिनती क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों में होती है। मीर सरफराज बुगती ने 2024 में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा। वह निर्विरोध मुख्यमंत्री चुने गए।

ट्रंप और जेलेंस्की यूक्रेन शांति योजना पर लगभग सहमत

फ्लोरिडा (अमेरिका),29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने रविवार को संयुक्त बयान में कहा कि हम दोनों यूक्रेन शांति योजना पर लगभग सहमत हैं। दोनों नेताओं ने यहां के मार-ए-लागो में यूक्रेन-रूस के बीच शांति समझौते को लेकर अहम बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह बयान जारी किया। उन्होंने यूक्रेन-रूस युद्ध और संभावित शांति समझौते पर चर्चा की। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, यह बैठक शानदार रही। मैंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर लगभग दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। अब लग रहा है कि हम शांति योजना पर बहुत करीब आ गए हैं। पुतिन और मैंने अभी यूरोपीय नेताओं से भी बात की।

हमने यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने पर बहुत प्रगति की है। यह लड़ाई दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे घातक है। जेलेंस्की ने कुछ दिन पहले इस मसले पर अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से बातचीत कर चुके हैं। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप की 20 सूत्री योजना के मसौदे की अभी क्रेमलिन समीक्षा नहीं कर सका है। मास्को ने अब तक अपनी क्षेत्रीय मांगों पर कोई नरमी दिखाने के संकेत भी नहीं दिए हैं। जेलेंस्की ने जरूर रविवार को कहा कि वह और ट्रंप योजना पर 90 फीसद सहमत हैं।

ट्रंप और जेलेंस्की ने डोनबास जैसे क्षेत्रीय मुद्दों को बहुत कठिन सवाल बताया। जेलेंस्की ने यूक्रेन के शुभचिंतक देशों से रूस के शनिवार को कीव पर हमला करने के बावजूद शांति योजना पर समर्थन जारी रखने का आग्रह किया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के जनवरी में वाशिंगटन में यूरोपीय नेताओं की मेजबानी करेंगे। इस बैठक में वह भी मौजूद रहेंगे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने और जेलेंस्की ने फ्रांस, फिनलैंड, पोलैंड, नार्वे, इटली, यूके और जर्मनी के नेताओं के साथ नाटो और यूरोपीय आयोग के नेताओं से भी बात की। जेलेंस्की ने इस दौरान यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के महत्व पर जोर दिया। युद्ध खत्म होने संभावित समय-सीमा के सवाल पर ट्रंप ने कहा कि इसमें कुछ हफ्ते लग सकते हैं।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच चली लगभग ढाई घंटे की बातचीत के दौरान मार-ए-लागो के डाइनिंग रूम में विटकाफ और कुशनर, व्हाइट हाउस के चीफ आफ स्टाफ सूसी वाइल्स, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और युद्ध सचिव पीट हेगसेथ मौजूद रहे।

मस्जिद में धमाके के बाद भड़की हिंसा, सुरक्षा बलों के जवानों सहित कई लोगों की हत्या

होम्स। सीरिया के प्रमुख शहर होम्स में रविवार को तनाव उस समय हिंसक झड़पों में बदल गया जब धार्मिक अल्पसंख्यक अलवी समुदाय के प्रदर्शनकारियों और उनके विरोधी पक्ष के बीच आमना-सामना हुआ। स्वास्थ्य अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन हिंसक घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और तनाव अन्य शहरों तक भी फैल गया है।तनाव की हालिया शुरुआत दो दिन पहले हुई थी, जब होम्स की एक अलवी मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक भीषण बम धमाका हुआ था। उस हमले में आठ लोगों की जान चली गई थी और 18 लोग घायल हुए थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मस्जिद में विस्फोटक उपकरण पहले से लगाए गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी सराया अंसार अल-सुन्ना नामक एक अल्पज्ञात समूह ने ली है, जिसने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य अलवी संप्रदाय के लोगों को निशाना बनाना था। मृतकों के अंतिम संस्कार के बाद से ही समुदाय में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। रविवार को प्रदर्शनों का सिलसिला लजीकिया, तरतूस और अन्य इलाकों तक पहुंच गया। ये प्रदर्शन सुप्रीम अलवाइट इस्लामिक काउंसिल के प्रमुख शेख गजल गजल के आह्वान पर आयोजित किए गए थे। लजीकिया में स्थिति तब बेकाबू हो गई जब सरकार समर्थक प्रतिपक्षी गुट और अलवी प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर पत्थरबाजी की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को हवा में गोलियां चलानी पड़ीं। हिंसा के दौरान लजीकिया में सुरक्षा बलों की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। वहीं, तरतूस क्षेत्र से भी हिंसा की खबरें सामने आई हैं। सरकारी सूचना के अनुसार, यहां एक थाने पर हथगोला फेंका गया, जिसमें सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। बाद में हुई गोलीबारी में सुरक्षा बल का एक जवान शहीद हो गया। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार की इन विभिन्न झड़पों में कुल तीन लोग मारे गए और लगभग 60 लोग घायल हुए हैं।

चीन का ताइवान के चारों ओर बड़ा सैन्य अभ्यास, बाहरी ताकतों को सख्त चेतावनी

बीजिंग/ताइपेई, 29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

चीन ने ताइवान के आसपास व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है, जिसे उसने बाहरी हस्तक्षेप और ताइवान की स्वतंत्रता समर्थक ताकतों के खिलाफ सख्त चेतावनी बताया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (क्क) के अनुसार, इस अभ्यास में थलसेना, नौसेना, वायुसेना और राकेट फोर्स की संयुक्त भागीदारी है। इस सैन्य अभियान को जस्टिस मिशन 2025 नाम दिया गया है। चीनी सेना के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि ताइवान के चारों ओर पांच अलग-अलग समुद्री और हवाई क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियां की जा रही हैं। मंगलवार को ताइवान जलडमरूमध्य और द्वीप के उत्तर, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी हिस्सों में लाइव फायर ड्रिल (सीधे हथियारों के साथ अभ्यास) शुरू होंगे। इसके चलते इन इलाकों में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक (भारतीय समयानुसार लगभग 10 घंटे) समुद्र और हवाई क्षेत्र में पाबंदियां लागू रहेंगी। चीन का यह कदम ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को 11.1 अरब डालर के हथियार बेचने की घोषणा की है। इसके अलावा, जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के उस बयान से भी बीजिंग नाराज है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि यदि चीन ने ताइवान पर हमला किया, तो जापान की सेना हस्तक्षेप कर सकती है। चीन का स्पष्ट रुख है कि ताइवान उसके क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है और वह जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है। बीजिंग लंबे समय से ताइवान की स्वतंत्रता के किसी भी प्रयास का विरोध करता रहा है। ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता कर्नल शी यी ने कहा कि यह अभ्यास समुद्री और हवाई युद्ध की तैयारियों की जांच, संयुक्त नियंत्रण हासिल करने, प्रमुख बंदरगाहों को सील करने और बहुआयामी सैन्य दबाव बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह ताइवान की स्वतंत्रता समर्थक ताकतों और उन्हें समर्थन देने वाली बाहरी शक्तियों के लिए गंभीर चेतावनी है। चीनी सेना द्वारा जारी नक्शे में ताइवान के चारों ओर पांच बड़े क्षेत्रों को दर्शाया गया है, जहां लाइव फायर अभ्यास होगा। सुरक्षा कारणों से आम जहाजों और विमानों को इन क्षेत्रों में प्रवेश न करने की सलाह दी गई है।

चीन में टायलेट के अंदर धूम्रपान करने वालों की खैर नहीं......लगाया गया ट्रांसपैरेंट ग्लास

बीजिंग। चीन के शेनझेन शहर के शापिंग माल ने टायलेट में ट्रांसपैरेंट ग्लास का उपयोग किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य धूम्रपान करने वालों को पकड़ना है। लोगों को इस प्रणाली के बारे में आगाह करने के लिए, शापिंग सेंटर ने दरवाजों पर नोटिस चस्पा किया गया है। दरअसल, शापिंग सेंटर ने पुरुषों के शौचालय के दरवाजों पर एक स्मार्ट तरीके का ट्रांसपैरेंट ग्लास लगाया है। जिसके अंदर अगर कोई धूम्रपान करता है, तब वह अपने आप ट्रांसपैरेंट हो जाएगा। धूम्रपान को रोकने के लिए शापिंग सेंटर द्वारा उठाए गए इस कदम की सोशल मीडिया पर खूब सराहना मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यह नई पहल शेन्जेन के शुइबेई इंटरनेशनल सेंटर और शुइबेई जिन्जुओ बिल्डिंग, ग्वांगडोंग प्रांत के दो आभूषण शापिंग माल में पुरुषों के शौचालयों में लागू किया गया है। यह बीते 16 दिसंबर को सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा और यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। एक यूजर ने कहा आखिरकार, धूम्रपान करने वालों से निपटने का एक प्रभावी उपाय मिल गया है। कैसे काम करता है सिस्टम बता दें कि शौचालय के दरवाजों में विशेष प्रकार का शीशा लगाया जाता है, जो वैसे धुंधला रहता है, लेकिन जैसी ही उसके अंदर कोई स्मोकिंग करता है, तब धुआं फैलते ही, कुछ ही सेकंड में बिजली बंद हो जाती है।

ईरान ने रूस से तीन उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए

तेहरान,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ईरान ने शनिवार को रूस के सहयोग से अपने तीन स्वदेशी निगरानी उपग्रहों को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। सरकारी टेलीविजन के अनुसार, ये उपग्रह रूस के वोस्ताचनी कास्मोड्रोम से सोयूज राकेट के जरिए कक्षा में स्थापित किए गए। यह कदम पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रक्षेपित किए गए उपग्रहों में जाफ़र-2, पआया और कोसर 1.5 शामिल हैं।

ईरानी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि इन उपग्रहों को देश के निजी क्षेत्र ने डिज़ाइन किया है और इनका उपयोग पृथ्वी अवलोकन से जुड़े कार्यों में किया जाएगा। पया को ईरान का अब तक का सबसे उन्नत इमेजिंग उपग्रह बताया गया है, जिसमें आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की मदद से तस्वीरों की गुणवत्ता बेहतर की जाती है। इसका इस्तेमाल जल संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और मैपिंग जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, संवेदनशील उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए सोयूज राकेट को उसकी विश्वसनीयता के कारण चुना गया। पिछले दो वर्षों में ईरान कुल 10 उपग्रह प्रक्षेपण कर चुका है, जिनमें से एक इसी साल जुलाई में इसी रूसी प्रक्षेपण स्थल से हुआ था। हालांकि, पश्चिमी देशों ने आशंका जताई है कि उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियों में भी किया जा सकता है। ईरान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए दोहराया है कि उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और वह परमाणु हथियार हासिल करने का प्रयास नहीं कर रहा है।

बांग्लादेश में काक्स बाजार के टेकनाफ में रोहिंग्या शिविर में आग लगी

ढाका,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के एक रोहिंग्या शिविर में रविवार रात आग लग गई। दमकल विभाग के कर्मचारियों के पहुंचने के तक 20 -25 आशियाना जलकर राख हो गए। दमकल विभाग आग बुझाने की कोशिश कर रहा है। आग लगने की वजह मोबाइल फोन का चार्जर फटना बताया जा रहा है। यह हादसा काक्स बाजार के टेकनाफ में हुआ है।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। इस घटना में कम से कम 20-25 घर जल गए । यह घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे हनिला यूनियन के लेडा और अलीखाली इलाकों में रोहिंग्या शिविर नंबर 24-25 में हुई। टेकनाफ में लेडा डेवलपमेंट मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद आलम ने घटना के करीब दो घंटे बाद बताया, कुछ लोगों ने जानकारी दी कि आग फातिमा अख्तर के घर में मोबाइल फोन चार्जर फटने से लगी। हम मौके पर पहुंच गए हैं और आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहे हैं। दमकल विभाग के जवान भी प्रयास कर रहे हैं । लेडा रोहिंग्या शिविर निवासी सैयद आलम ने कहास शिविर के कई घरों में अचानक आग लग गई। दमकल विभाग के साथ हम लोग भी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, 25-30 से अधिक घर पहले ही जल चुके हैं। आग इस वक्त बुझाई नहीं जा सकी है। नूर अकम मोहम्मद आलम ने कहा, हमारे शिविर में एक झोपड़ी में आग लगी। तुरंत, हम सबने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की। हम सब आग की ऊंची लपटों के सामने बेबस हो गए। अब दमकल विभाग के जवान आग बुझाने कोशिश कर रहे हैं। इस घटना के बारे में 16वीं आर्म्ड पुलिस बटालियन के कमांडर अतिरिक्त उप महानिरीक्षक मोहम्मद कौसर सिकदर ने कहा, अलीखाली और लेडा रोहिंग्या शिविर के बीच के इलाके में घरों में आग लग गई। सभी प्रभावित लोग मिलकर आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की सही वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है।

डोनेशिया के वृद्धाश्रम में भीषण आग, 16 बुजुर्गों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। उत्तरी सुलावेसी प्रांत की राजधानी मनाडो में स्थित एक वृद्धाश्रम (नर्सिंग होम) में भीषण आग लगने से कम से कम 16 बुजुर्गों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना रविवार रात की है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग लगने की सूचना रविवार रात करीब 8 बजकर 31 मिनट पर दमकल विभाग को मिली। मनाडो शहर के फायर एंड रेस्क्यू एजेंसी प्रमुख जिमी रोटिनसुलु ने बताया कि आग एक नर्सिंग होम में लगी, जहां बड़ी संख्या में बुजुर्ग रह रहे थे। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जिमी रोटिनसुलु ने बताया कि मृतकों में अधिकांश बुजुर्ग अपने-अपने कमरों के अंदर पाए गए। आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के समय अधिकतर बुजुर्ग रात में आराम कर रहे थे और अचानक आग फैलने के कारण बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। वृद्धाश्रम में रहने वाले कई लोग चलने-फिरने में असमर्थ थे, जिससे वे आग से बच नहीं पाए। दमकलकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से 12 बुजुर्गों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इन सभी को एहतियात के तौर पर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं, तीन अन्य लोग आग में झुलस गए, जिनका इलाज जारी है।हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शवों को भायंगकारा अस्पताल भेजा गया है, जहां उनकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। स्थानीय टीवी चैनल मेट्रो टीवी द्वारा प्रसारित फुटेज में देखा गया कि किस तरह आग ने पूरे वृद्धाश्रम को अपनी चपेट में ले लिया था।

अल्पसंख्यक उत्पीड़न का राग अलाप रहा था पाकिस्तान, भारत ने दिया करारा जवाब, अपने गिरेबां में झांकने की दी नसीहत

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान के उस झूठ का फाश किया है जो उसने भारत के खिलाफ उगला है। अल्पसंख्यक उत्पीड़न का आरोप लगाया तो भारत ने उसको आईना दिखा दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उन्हें अपने मुल्क के गिरेबां में झांकने की नसीहत दी है। जायसवाल ने कहा, हम उस देश की कही गई बातों को खारिज करते हैं जिसका इस मामले में बहुत खराब रिकॉर्ड रहा है और जो वही सब कुछ कहता है। पाकिस्तान में अलग-अलग धर्मों के अल्पसंख्यकों को भयानक और सुनियोजित तरीके से परेशान किया जाना एक ज्ञात सच है। कितनी भी उंगली उठा लें, यह बात मिट नहीं जाएगी। बता दें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में दावा किया गया कि भारत में क्रिसमस से पहले तोड़फोड़ और हिंसा की घटनाएं हुईं, जिससे धार्मिक अल्पसंख्यकों में भय

और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

विदेश मंत्रालय के कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी किया गया। उन्होंने कहा, भारत में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न गहरी चिंता का विषय है। आरोप लगाया गया कि न सिर्फ ईसाई समुदाय के त्योहारों को निशाना बनाया गया, बल्कि मुसलमानों के खिलाफ भी हिंसा को बढ़ावा दिया गया।ये वो पाकिस्तान है, जहां खुद अल्पसंख्यकों के पास कोई अधिकार नहीं है। बलूचिस्तान के युवाओं और महिलाओं के साथ जो हो रहा है उसकी गूंज वैश्विक मंच पर साफ सुनी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में हर साल करीब 1,000 हिंदू और ईसाई लड़कियों को अगवा किया जाता है और उनका धर्म परिवर्तन कर जबरन शादी करवा दी जाती है।साल 2022 में मानवाधिकार फैक्ट शीट के मुताबिक 124 हिन्दू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन किया गया और मुस्लिम लड़कों से उनकी शादी करा दी गई। 2019 से 2025 तक हिंदुओं के खिलाफ 334 गंभीर हिंसा और हत्या के मामले दर्ज किए गए हैं।

हिमाचल में न्यू ईयर का सफ़ेद तोहफा बर्फबारी शुरू

शिमला,29 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल की दस्तक के साथ ही हिमाचल प्रदेश में मौसम रोमांचक मोड़ लेने जा रहा है। पहाड़ों पर बर्फ की चादर बिछने को तैयार है। मौसम विभाग के मुताबिक, 30 दिसंबर की रात से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके चलते 31 दिसंबर को ऊंचाई वाले इलाकों में जोरदार बर्फबारी देखने को मिलेगी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ समेत देशभर से हिमाचल पहुंचे सैलानियों के लिए यह किसी सर्द तोहफे से कम नहीं। शिमला, मनाली, लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कुल्लू और कांगड़ा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बर्फ गिरने की पूरी संभावना है। कहां-कहां गिरेगी बर्फ : मौसम वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा के अनुसार, 30 दिसंबर की रात से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हो जाएगी, जो 31 दिसंबर और 1 जनवरी तक जारी रह सकती है।

तकनीकी ज्ञान को मानव कल्याण का माध्यम बनाएं युवा : मुर्मू

जमशेदपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे तकनीकी ज्ञान को मानव कल्याण और समावेशी राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं।उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में नए संकल्प लेने का अवसर होता है। सफलता का मूल्यांकन बड़े पदों या उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि आपके कार्यों से कितने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज देश वेस्ट मैनेजमेंट, सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनके समाधान के लिए तकनीकी विशेषज्ञता के साथ सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण भी जरूरी है। उन्होंने एनआईटी जमशेदपुर में सेंटर फॉर इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास स्टार्टअप संस्कृति को मजबूत करते हैं और युवाओं को नवाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों का मूल्यांकन केवल रैंकिंग और प्लेसमेंट के आधार पर नहीं, बल्कि समाज में उनके योगदान से होना चाहिए। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें राष्ट्रपति के साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, संस्थान के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार, बीओजी के चेयरपर्सन सुनील अलघ सहित कई गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

नवी मुंबई से 2.50 करोड़ से अधिक के सोना लूटकांड के दो आरोपी बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने सोमवार को नवी मुंबई में करोड़ों रुपए के सोना लूट मामले का पर्दाफाश किया। संयुक्त टीम ने बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेला थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से लूट के कई आभूषण भी बरामद किए गए हैं। बताया गया कि नवी मुंबई के नेरुल स्थित एक शोरूम में 22 दिसंबर को अपराधियों ने धावा बोलकर करीब 2 करोड़ 62 लाख 26 हजार रुपए मूल्य के सोने के आभूषण लूट लिए थे। इस सनसनीखेज वारदात के बाद नवी मुंबई के एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए बिहार भाग आए थे। तकनीकी सर्विलांस और वैज्ञानिक जांच के आधार पर मुंबई क्राइम ब्रांच ने बिहार एसटीएफ से संपर्क साधा। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मुजफ्फरपुर के बेला थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित ठिकानों पर घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले रामानंद यादव उर्फ आनंद यादव और आजमगढ़ निवासी रामजन्म गोंड के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद इनकी तलाशी के क्रम में लूट के दो सेट सोने के हार, दो लॉकेट सहित सोने की चेन, चार कान के झुमके और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।गिरफ्तारी के बाद मुजफ्फरपुर में आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं और कागजी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर मुंबई रवाना हो गई।

हर मंडल मुख्यालय पर बनाएंगे स्पोर्ट्स कॉलेज : योगी

गोरखपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिले स्तर पर बड़ा स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के साथ सरकार हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाएगी। सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा-2025 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार सुदृढ़ कर रही है। गोरखपुर में बेलीपार के पास एक इंटरनेशनल स्टेडियम बनने जा रहा है। गोरखपुर के रीजनल स्टेडियम का भी 63 करोड़ रुपए की लागत से नवोद्धार हो रहा है। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी बेहतरीन स्टेडियम बन रहा है। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का सत्र प्रारंभ हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी का विश्व स्तरीय निर्माण जारी है। अब सरकार की तैयारी हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की है।सीएम योगी ने बताया कि

वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक-एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। यहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री योगी ने विधायक खेल स्पर्धा को लेकर अपनी आगामी योजना भी साझा की।

उन्होंने कहा कि अगली बार बच्चों और छात्रों के स्तर के साथ ही वार्ड स्तर पर कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वार्ड स्तर, उसके बाद कुछ वार्डों को मिलाकर उपनगरीय और फिर नगर स्तर पर बड़ी प्रतियोगिता और बड़े समारोह का आयोजन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। बच्चों-छात्रों की प्रतियोगिताएं बालक व बालिका वर्ग में तीन स्तरों, बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर होंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे ही गोरखपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी कहा गया है। कला के अलग-अलग विधाओं गायन, वादन, नृत्य, नाट्य आदि की यह प्रतियोगिता जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी। 11 से 13 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव के मुख्य आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।सीएम योगी ने खेलकूद के महत्व को समझाते हुए कहा कि युवा खेलेगा तो देश खिलेगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का रास्ता यहीं से प्रारंभ होगा। जीवन में सफलताओं का मार्ग स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकता है। स्वस्थ शरीर खेलकूद और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से ही प्राप्त होगा। पिछले 11 वर्षों के अंदर देश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को लेकर भारी परिवर्तन हुआ है। कबड्डी, हॉकी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स के लिए पूरी दुनिया भारत की तरफ देखती है। ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ, और वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की एक नई मांग खड़ी हो चुकी है और इसी को ध्यान में रख करके सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत कर रही है।मुख्यमंत्री ने भीषण ठंड में भी खिलाड़ियों के उत्साह की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विधायक खेल स्पर्धा में प्रत्यक्ष रूप से 1000 और अप्रत्यक्ष रूप से 10000 खिलाड़ियों ने सहभागिता की है। विधायक खेल स्पर्धा 2025 में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, जूडो और कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि यह खेलकूद ही है जो सम और विषम परिस्थितियों में मनोरंजन भी करता है और हमें शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक रूप से चुस्त-दुरुस्त बनाने में भी बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है।

तमिलनाडु के रामनाथपुरम में मछुआरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, तीन मछुआरों की गिरफ्तारी से खफा

चेन्नई,29 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के रामनाथपुरम में मछुआरे सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले हैं। वे श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के तीन मछुआरों की गिरफ्तारी और भारतीय मछली पकड़ने वाली नावों को लगातार जब्त किए जाने का विरोध कर रहे हैं। मंडपम मछुआरा एसोसिएशन द्वारा बुलाए गए इस आंदोलन से पूरे इलाके में मछली पकड़ने की गतिविधियों में रुकावट आने की उम्मीद है, क्योंकि बार-बार मछुआरों की गिरफ्तारी और उससे आजीविका पर पड़ रहे असर को लेकर स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार को इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन पार करने के आरोप में तीन मछुआरों, एमोस्टिन ए (24), जोनेडास एस (37) और परालोगा जेबेस्टियन एनरोज ए (25) को गिरफ्तार कर लिया था।

तीनों 300 से ज्यादा मशीनी नावों के साथ मंडपम नॉर्थ फिशिंग हार्बर से समुद्र

में गए थे। वे नेदुन्थीवू के पास मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उनकी नाव को रोक लिया। नाव का रजिस्ट्रेशन नंबर टीएन 11 एमएम 096 था, जो मंडपम के जोसेफ की थी।

मछुआरों को पूछताछ के लिए श्रीलंकाई नौसेना के कैंप ले जाया गया और बाद में उनकी जब्त नाव के साथ उन्हें मैलाडी फिशिंग हार्बर पर जाफना मत्स्य विभाग को सौंप दिया गया।हाल की गिरफ्तारियों से मछुआरा समुदाय में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है, खासकर इसलिए क्योंकि ये 23 दिसंबर की एक ऐसी ही घटना के तुरंत बाद हुई हैं, जब श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम के 12 मछुआरों को हिरासत में लिया था।

गिरफ्तारियों की निंदा करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से हिरासत में लिए गए मछुआरों और उनकी नावों को छुड़ाने के लिए तुरंत और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया।मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की लगातार गिरफ्तारी से तटीय समुदायों में बहुत ज्यादा परेशानी और चिंता पैदा हो गई है।स्टालिन ने कहा, हमारे मछुआरों की बार-बार गिरफ्तारी और उनकी नावों को जब्त करने का सिलसिला बिना रुके जारी है। फिलहाल तमिलनाडु के 61 मछुआरे और 248 मछली पकड़ने वाली नावें श्रीलंका की हिरासत में हैं।

उन्होंने आगे की घटनाओं को रोकने और भारतीय मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत राजनयिक बातचीत करने का आग्रह किया।

तनाव बढ़ने के साथ रामनाथपुरम जिले के मछुआरा समुदायों का कहना है कि जब तक उनके साथी मछुआरों को रिहा कराने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं की जाती और समुद्र पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर लोगों के लिए लंबे समय तक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक वे काम फिर से शुरू नहीं करेंगे।

कश्मीर में ईओडब्ल्यू ने नौकरी से जुड़ी धोखाधड़ी समेत 100 बड़े मामले निपटाए

कश्मीर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) ने घाटी में आर्थिक अपराधों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की। विंग ने 2025 में 100 बड़े मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया, जिनमें गहन जांच और सबूतों का विश्लेषण शामिल था। 2025 के दौरान, सरकारी एजेंसियों से प्राप्त कुल 1,270 शिकायतों की गहन जांच की गई और उनका समाधान किया गया। प्रत्येक शिकायत का तथ्यात्मक और कानूनी आधार पर सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया गया। जहां भी आवश्यक था, उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की गई, जबकि अन्य मामलों को कानूनी मार्गदर्शन के माध्यम से हल किया गया, जिससे पारदर्शिता, प्रक्रियात्मक निष्पक्षता और समय पर राहत सुनिश्चित हुई।

प्रारंभिक चरण में तथ्यों को सत्यापित करने, संज्ञेय अपराधों की पहचान करने और विवादों को बढ़ने से रोकने के लिए 290 प्रारंभिक और विविध जांचें की गईं। कानूनी स्पष्टीकरण के माध्यम से जांच चरण में ही कई मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल किया गया, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी कम हुई और मूल्यवान सार्वजनिक संसाधनों की बचत हुई।इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने धोखाधड़ी, जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े जटिल मामलों में असाधारण कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे शासन और संस्थागत प्रणालियों में जनता का विश्वास मजबूत हुआ।ईओडब्ल्यू ने विशेष ध्यान नौकरी से संबंधित धोखाधड़ी और अवैध नौकरी सलाहकारों पर दिया, जिनके झूठे वादों ने बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाया था। इसके अलावा राजस्व और सेवा रिकॉर्ड में धोखाधड़ी से जुड़े कई मामलों की जांच की गई, जिसमें सरकारी योजनाओं के तहत गलत लाभ लेने के प्रयासों का पर्दाफाश हुआ।फाइनेंशियल गड़बड़ियों और धोखेबाजी वाले बिजनेस तरीकों से जुड़े कॉर्पोरेट और कंपनी फ्रॉड के मामलों की पूरी जांच की गई। काम का बोझ और मामलों की जटिलता बढ़ने के बावजूद कड़ी निगरानी, नियमित समीक्षा बैठक और बेहतर कोऑर्डिनेशन के जरिए मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित किया गया।

मनरेगा पर झूठ की राजनीति कर रही कांग्रेस, तथ्यों से भागकर धरने का ड्रामा : सतपाल सत्ती

शिमला,29 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने शिमला के रिज मैदान पर कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मनरेगा को लेकर किए गए धरने को पूरी तरह झूठ, भ्रम और राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। सत्ती ने कहा कि कांग्रेस को जब शासन चलाना नहीं आता, तो वह तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर जनता को गुमराह करने के लिए धरनों का सहारा लेती है। सतपाल सत्ती ने कहा कि कांग्रेस यह झूठ फैला रही है कि मनरेगा को समाप्त किया जा रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा से

भी आगे बढ़कर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून लागू किया है, जिसमें ग्रामीण परिवारों को 100 नहीं बल्कि 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। इसके लिए 1.51 लाख करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिसमें 95 हजार करोड़ से अधिक केंद्र सरकार का योगदान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह बताने से क्यों डर रही है कि यूपीए सरकार के दौरान जहां 2006-07 से 2013-14 तक मनरेगा पर लगभग 2.13 लाख करोड़ खर्च हुए, वहीं एनडीए सरकार ने 2024-25 तक 8.53 लाख करोड़ से अधिक राशि खर्च कर लगभग दोगुना रोजगार सृजन किया है। यह आंकड़े कांग्रेस के झूठ और विफलता को उजागर करने के लिए काफी हैं।

सत्ती ने कहा कि कांग्रेस को अगर वाकई ग्रामीणों की चिंता होती, तो वह रिज पर धरना देने के बजाय राज्य में मनरेगा और अन्य योजनाओं के तहत समय पर मजदूरी भुगतान, काम की उपलब्धता और पंचायतों को अधिकार देने पर ध्यान देती। सच्चाई यह है कि हिमाचल में कांग्रेस सरकार की नाकामी को छिपाने के लिए केंद्र पर आरोप मढ़े जा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो पार्टी संसद में मर्यादाएं तार-तार करती है, कागज फाड़ती है, टेबलों पर चढ़ती है और लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलने का प्रयास करती है, उसे गांधी जी के आदर्शों की दुहाई देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

सतपाल सत्ती ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है और नई योजना के तहत गांवों में जल संरक्षण, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी भवन, ड्रेनेज और आजीविका से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। पंचायतों की ग्रेडिंग के आधार पर फंड आवंटन, मजदूरी में देरी पर अतिरिक्त भुगतान और कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने के लिए गंभीर है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रिज मैदान पर धरना दरअसल राज्य सरकार की नाकामी, वित्तीय कुप्रबंधन और झूठे वादों से ध्यान भटकाने की असफल कोशिश है। हिमाचल की जनता अब कांग्रेस के झूठ को समझ चुकी है और समय आने पर इसका करारा जवाब देगी।

प्रभास की द राजा साब में मालविका मोहनन की एंट्री

भैरवी बनकर बिखेरी रहस्यमयी शान

टीम द राजा साब ने आधिकारिक तौर पर मालविका मोहनन के किरदार भैरवी का खुलासा कर दिया है, और इस अनाउंसमेंट ने फिल्म के प्रमोशन में एक बड़ा ट्विस्ट जोड़ दिया है. भैरवी को एक रहस्यमयी, स्टाइलिश और दमदार शख्सियत के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे फिल्म की कहानी के प्रति जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। इंडिया की सबसे बड़ी आने वाली हॉरर फैंटेसी कही जा रही इस फिल्म के लिए यह अनावरण उत्सुकता को एक नए लेवल पर ले गया है। नए पोस्टर में मालविका मोहनन शीर ब्लैक साड़ी, स्टेटमेंट ब्लाउज, लेयर्ड ब्रेसलेट्स, टेक्सचर्ड हैंडबैग और सनग्लासेस को स्टाइल के साथ उठाते हुए नजर आ रही हैं. उनकी शांति भरी नजरें और आत्मविश्वासी अंदाज एक साथ एलीगेंस और खतरनाक आकर्षण दोनों को बखूबी दिखाते हैं. पीछे दिखता सूना सा कॉरिडोर माहौल को और भूतिया बनाता है और साफ दिखाता है कि भैरवी फिल्म के रहस्य में एक बेहद अहम किरदार है। गानों और ट्रेलर को मिल रही जोरदार दर्शक प्रतिक्रिया के बाद द राजा साब लगातार जबरदस्त गति पकड़ रहा है. दर्शक फिल्म के संगीत, विजुअल भव्यता और नए टोन की खूब तारीफ कर रहे हैं. खास तौर पर लोग प्रभास को एक नए, हल्के लेकिन लेयर्ड अंदाज में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जहां उनका चार्म कहानी की रहस्यमय सुपरनैचुरल दुनिया के साथ मिलता है।

मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित द राजा साब, पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है. फिल्म में प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार नजर आएंगे. यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

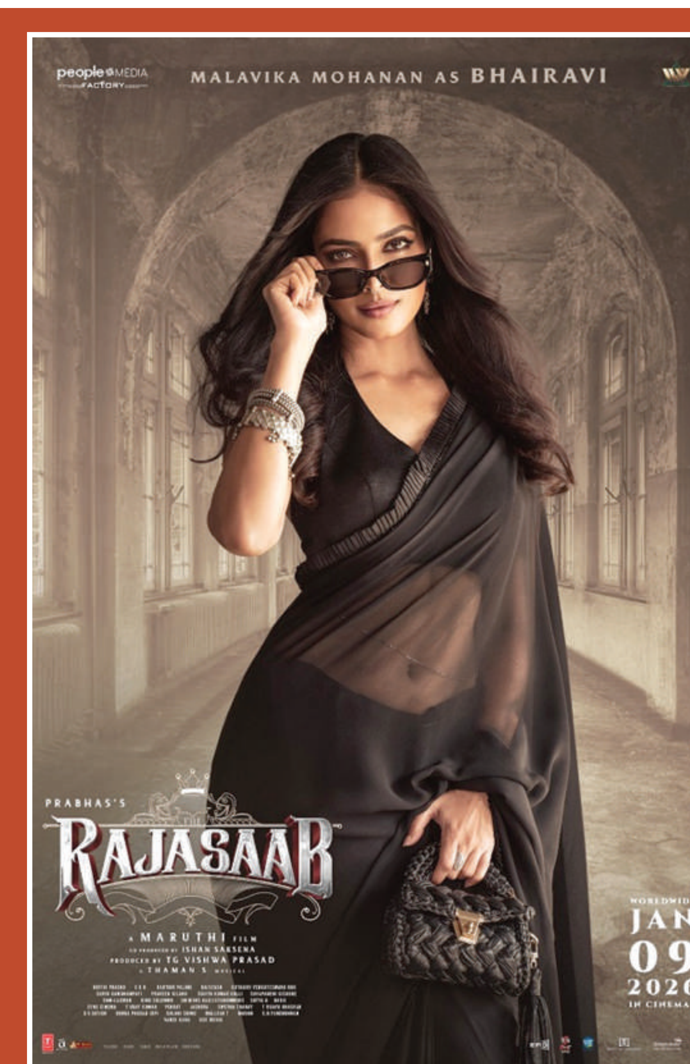

बॉलीवुड में मौके खोने का था डर, इसलिए हॉलीवुड प्रोजेक्ट से बनाई दूरी :त्रिधा चौधरी

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में समाचार एजेंसी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग-अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं।

अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्ट्स रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं, लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी।

त्रिधा हाल ही में कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए हैं।

वहीं, फिल्म को वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म 'धुरंधर' के आगे कपिल शर्मा की ये फिल्म ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी।

जख्म लगे तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना

फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर आउट

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर मेकर्स ने शनिवार को जारी कर दिया। अपने 60वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए अभिनेता ने 'बैटल ऑफ गलवान' का धमाकेदार टीजर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। टीजर की शुरुआत सलमान खान की दमदार आवाज से होती है, जिसमें वह कहते हैं , जख्म लगे तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना... और कहना- जय बजरंग बली! बिरसा मुंडा की जय! भारत माता की जय! टीजर में सलमान को आर्मी ऑफिसर के रोल में दिखाया गया है। वह कठिन पहाड़ी इलाकों में लड़ते नजर आते हैं, जहां बर्फीली हवाएं और ऊंचाई पर बहादुरी की मिसाल पेश की जाती है। सीन में एक्शन सीक्वेंस हैं, जहां सलमान का किरदार दुश्मनों से मुकाबला करता है। खून से लथपथ चेहरा, नुकीले हथियार और इंटेंस एक्सप्रेशंस सलमान के नए लुक को हाइलाइट करते हैं, जिसमें वह जोश और देश के लिए जज्बात के साथ मैदान में दुश्मनों के सामने सीना ताने खड़े नजर आते हैं।

बैटल ऑफ गलवान' साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जहां भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया था। फिल्म में सलमान कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उस संघर्ष में शहीद हुए थे और उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार इस फिल्म में सलमान के साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह दोनों की पहली ऑन स्क्रीन जोड़ी है। फिल्म में सलमान और चित्रांगदा के साथ हीरा सोहल, अभिलाश चौधरी, अंकुर भाटिया जैसे एक्टर्स भी अहम भूमिकाओं में हैं।

लद्दाख में 45 दिनों की शूटिंग पूरी करने के बाद सलमान ने इस रोल के लिए कड़ी मेहनत की है, जो उनकी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से साफ झलकती है। 'बैटल ऑफ गलवान' साल 2026 में रिलीज होगी।

बॉलीवुड 2025 : फिल्मों के वो सुपरहिट गीत जिन्होंने साल 2025 में मचाया धमाल

बॉलीवुड सिर्फ अच्छी फिल्म के लिए ही नहीं, बल्कि अपने बेहतरीन गानों के लिए भी जाना जाता है। इस साल बहुत सारी फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन कुछ फिल्मों के गाने दिलों पर छाप छोड़ गए और कल्चरल फेनोमेना भी रहे। साल के अंत में हम उन्हीं गानों की जानकारी लेकर आए हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राज किया और फैंस को मंत्रमुग्ध करने में भी कामयाब रहे। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' का रोमांटिक गाना 'परदेसिया' इस साल का रोमांटिक एंथम रहा। गाने में दो अलग-अलग कल्चर की कहानी के साथ प्यार की सादगी को पर्दे पर उतारा गया। गाने के लिरिक्स और म्यूजिक दोनों ही दिल को सुकून पहुंचाने वाले हैं। गाने को सोनू निगम ने गाया और गाने ने 100 मिलियन का आंकड़ा पार कर लिया है। 'दीवानियत - एक दीवाने की दीवानियत' फिल्म के गानों को खूब सारा प्यार मिला। फिल्म का टाइटल ट्रैक सबसे ज्यादा हिट रहा, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी और बॉलीवुड की मशहूर संगीतकार जोड़ी कौशिक-गुड्डू ने म्यूजिक किया। गाने के लिरिक्स टूटे दिल के हर आशिक के दिलों पर तीर की तरह चले, क्योंकि ये पूरी फिल्म ही एक तरफा प्यार पर बनी है। फिल्म का टाइटल ट्रैक 200 मिलियन का आंकड़ा पार कर चुका है। इसके अलावा, इस फिल्म का गाना 'दिल गलती कर बैठा है' भी 100 मिलियन का आंकड़ा पार कर चुका है।

फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। फिल्म के रिलीज के समय सिनेमाघरों में जेन-जी को चीख पुकार करते हुए देखा गया। फिल्म के साथ-साथ गाने भी सुपरहिट रहे। फिल्म का गाना 'सैयारा तू तो बदला नहीं है' ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गाने पर 550 मिलियन व्यूज हैं। गाने पर सबसे ज्यादा रील्स बनाई गई। गाने में अहान पांडे और अनीत पड्डा की स्क्रीन फैंस को सबसे ज्यादा पसंद आई। गाने को फहीम अब्दुल्ला ने अपनी आवाज दी और संगीत तनिष्क बागची, फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निज़ामी ने दिया।

साल के सभी रोमांटिक गानों को बैलेंस करने के लिए भी 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' से 'बिजुरिया' और 'पनवाड़ी' रिलीज के साथ गए। 'बिजुरिया' गाने को रीमेक किया गया, जबकि 'पनवाड़ी' फिल्म का ऑरिजनल गाना है। गाने को तड़कता-भड़कता बनाने के लिए मेकर्स ने भोजपुरी सिंगर खेसारी लाल यादव की गायकी का भी इस्तेमाल किया। 'बिजुरिया' गाना 100 मिलियन में आने से चूक गया लेकिन हिट रहा, जबकि दूसरा गाना 'पनवाड़ी' 44 मिलियन पर सिमट गया।इन दोनों ही गानों पर सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा रील्स बनाई गई। 'आजाद' फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर पिट गई, लेकिन फिल्म का गाना 'उई अम्मा' हिट रहा। गाने में राशा थडानी के किलर मूव्स और एक्सप्रेशन ने दर्शकों को हैरान कर दिया। गाने को मधुबंती बागची ने आवाज दी। संगीतकार अमित त्रिवेदी और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने को जीवंत कर दिया। गाने पर अब तक 450 मिलियन से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं।

साल के अंत में 'धुरंधर' के गाने फैंस के जुबान पर छा गए हैं। इस फिल्म के 'कारवां,' 'न दे दिल परदेसी नू,' और 'एफए9एलए' सुपरहिट साबित हो रहे हैं। तीनों गानों को दर्शकों से ढेर सारा प्यार मिल रहा है। फिल्म के गाने 'कारवां' पर बीते 13 दिन में ही 8 मिलियन से ज्यादा का व्यूज आ चुके हैं, जबकि 'न दे दिल परदेसी नू' पर 42 मिलियन और 'एफए9एलए' को अभी तक आधिकारिक रूप से रिलीज नहीं किया गया है। फिल्म से ही गाने की वीडियो बहुत पसंद की जा रही है।

आज पौष पुत्रदा एकादशी

व्रत के नियम और दान, इन बातों का ध्यान रखने से पुण्य फल होगा प्राप्त

पौष पुत्रदा एकादशी का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। हर साल पौष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को यह व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने का महत्व होता है। मान्यता है कि पुत्रदा एकादशी का व्रत करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और संतान को भी सुख की प्राप्ति होती है। लेकिन इस व्रत को करने से पहले कुछ नियमों का ख्याल रखना आवश्यक होता है। साथ ही, एकादशी पर दान भी जरूर करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो सकती है और बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

पुत्रदा एकादशी व्रत के नियम

एकादशी व्रत से एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से ही नियमों का पालन करना आवश्यक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, दशमी तिथि से व्रती को सात्विक भोजन का सेवन करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। साथ ही, व्रत करने का संकल्प लें और इस तिथि पर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप अवश्य करना चाहिए। इससे शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस साल पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत 30 दिसंबर को रखा जाएगा। इस तिथि पर चावल का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। साथ ही, व्रती के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को भी इस नियम का पालन अवश्य करना चाहिए।

दशमी तिथि से ही व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और तामसिक भोजन से दूरी बनानी चाहिए। साथ ही, इस दिन मन को शांत करके अच्छे विचार जरूर रखें।

एकादशी व्रत करने पर भूलकर भी इस दिन दोपहर के समय नहीं सोना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करना शुभ नहीं होता है। इसकी बजाए मानसिक पूजा पाठ और मंत्रों का जाप करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी के दिन गलती से भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। ऐसा करने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

इस विशेष तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान होता है। ऐसे में एकादशी के दिन रात के वक्त भजन कीर्तन करना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी व्रत का पारण अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर विधि-विधान से पूजा-पाठ करने के बाद करना चाहिए। साथ ही, द्वादशी तिथि पर ही दान करने का विधान होता है यानी व्रत के अगले दिन कुछ विशेष चीजों का दान अवश्य करना चाहिए।

पौष पुत्रदा एकादशी के दान

7 प्रकार के अनाज का दान

पौष पुत्रदा एकादशी के अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर 7 प्रकार के अनाज जैसे- गेहूं, चावल, दाल आदि का दान करना चाहिए। किसी गरीब या जरूरतमंद को अनाज दान करना बहुत पुण्य का कार्य माना जाता है। ऐसा करने से जातक के घर में कभी अन्न-धन की कमी नहीं होती है। साथ ही, जातक को घर में चल रही आर्थिक तंगी से भी राहत मिल सकती है।

गर्म कपड़ों का दान

एकादशी के अगले दिन पूजा-पाठ करने के बाद मंदिर के पास जरूरतमंदों को गर्म कपड़ों का दान करना चाहिए। सर्दियों के मौसम में जरूरतमंद व्यक्ति को ठंड से बचाना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में आ रहे दुखों से जातक को राहत मिल सकती है। साथ ही, धीरे-धीरे जीवन में खुशियां आने लगती हैं।

धार्मिक पुस्तकों का दान

पुत्रदा एकादशी तिथि पर आप धार्मिक पुस्तकों या पूजा की सामग्री का दान भी कर सकते हैं। लेकिन इस दौरान एक बात का ख्याल जरूर रखें कि यह दान किसी ऐसे व्यक्ति को करना चाहिए जो पूजा-पाठ करता हो, धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करता हो और इन वस्तुओं का पूरा सम्मान करे। ऐसा करने से व्रती को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो सकती है।

कंबल का दान

इस एकादशी तिथि पर कंबल का दान करना भी बहुत लाभदायक माना जाता है। सर्दी के मौसम में किसी जरूरतमंद को कंबल दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि आने लगती है और जीवन में चल रही समस्याओं से भी राहत मिल सकती है। इन सामग्रियों का दान करने से जीवन में शांति और खुशहाली बनी रहती है।

बुध गोचर धनु राशि में, मिथुन, सिंह व तुला सहित अन्य राशियों के लिए रहेगा शुभ फलदायी

बुध गोचर धनु राशि में 29 दिसंबर 2025, सोमवार को हो गया है। इस गोचर में बुध, सूर्य, मंगल और शुक्र के साथ मिलकर युति बनाएंगे। ऐसे में चार ग्रहों का संयोग धनु राशि में होगा। इससे बुधादित्य सहित कई उत्तम योग बनेंगे। इसमें लक्ष्मीनारायण योग भी शामिल रहेगा। साल के अंत में होने वाले बुध के इस गोचर के प्रभाव से मिथुन, सिंह, तुला सहित कई राशियों को लिए शुभ फलदायी रहेगा। इससे जातकों को चौतरफा लाभ प्राप्त होगा। जहां साल के अंत में तो लाभ मिलेगा ही वहीं, आने वाले साल के आरंभ में भी कमाई अच्छी होगी। करियर, व्यापार और आर्थिक मामलों में भी सफलता प्राप्त होगी।

मेष राशि – धनु राशि में बुध का गोचर मेष राशि के जातकों के लिए शुभ संकेत लेकर आ रहा है। यह गोचर आपके नौवें भाव में हो रहा है। इससे शिक्षा, यात्रा और आध्यात्मिक विकास के अवसर प्राप्त होंगे। हालांकि गुरुजनों या वरिष्ठ लोगों के साथ वाद-विवाद से बचना आपे लिए लाभदायक रहेगा। आपकी सोच और निर्णय लेने की क्षमता चुनौतियों से उबरने में मदद करेगी। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और नियमित व्यायाम जरूर करें। योग और ध्यान से मानसिक संतुलन बना रहेगा। बुधवार को पूर्व दिशा में घी का दीया जलाएं और हरी सब्जियों का दान करें।

वृष राशि –धनु राशि में बुध का गोचर वृषभ राशि के जातकों के आठवें भाव में हो रहा है। यह समय आपके लिए आंतरिक बदलावों का रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों को लेकर सावधानी बरतनी होगी। मानसिक बेचैनी की स्थिति भी बनती हुई भी दिख रही है। ऐसे में बेहतर होगा कि शोध आधारित कार्यों पर फोकस करें। कार्यक्षेत्र में कुछ गलतियां आपके लिए नुकसान का कारण बन सकती है। पारिवारिक स्तर पर आप स्थिरता बनी रहेगी। मित्रों के साथ समय बिताने का मौका भी मिलेगा। बुधवार को ॐ बुधाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि –धनु राशि में बुध का गोचर मिथुन राशि के जातकों के सातवें भाव को प्रभावित कर रहा है। इस दौरान साझेदारी, व्यापार और ग्राहकों से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी। बातचीत के समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। यह समय आपके लिए पुराने मतभेदों को सुलझाने के लिए अनुकूल रहेगा। इस दौरान करियर में प्रगति और प्रमोशन के योग बन रहे हैं। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से सम्मान प्राप्त हो सकता है। दांपत्य जीवन में बेकार के विवाद से बचें। बटुए में चांदी का सिक्का रखना आपके लिए शुभ रहेगा।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के छठे भाव में बुध का गोचर हो रहा है। इस दौरान आपकी एकाग्रता और तर्कशक्ति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र की चुनौतियों को आप आसानी से निपटा लेंगे। हालांकि, इस दौरान एक साथ कई काम लेना आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। सहकर्मियों व साझेदारों के साथ सहयोग मजबूत होंगे। पारिवारिक जीवन में सब कुछ सामान्य रहेगा। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि के संकेत भी नजर आ रहे हैं। सुबह तुलसी जल का सेवन करना आपके लिए शुभ रहेगा।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातकों के पंचम भाव में हो रहे यह गोचर बुद्धि और प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आ रहा है। इस दौरान आप दूसरों के सामने अपने विचार प्रभावशाली ढंग से रख पाएंगे। हालांकि, बातचीत में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। छात्रों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। प्रेम संबंधों में गलतफहमियां समय रहते दूर होंगी और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत और प्रतिबद्धता से आपकी छवि मजबूत होगी। बुधवार को हरे या हल्के रंग का के कपड़े पहने।

कन्या राशि –बुध का गोचर कन्या राशि के चौथे भाव में हो रहा है। इस दौरान संपत्ति या घरेलू मामलों में जल्दबाजी से बचकर रहना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत से करियर में प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों और फ्रीलांसरों के लिए यह समय अनुकूल रहेगा। घर से काम करने वालों को लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में खुशनुमा बना रहेगा। घर या वाहन खरीदने की योजना को आगे बढ़ाने के लिए यह समय शुभ है। उत्तर दिशा में हरा पौधा लगाएं और बुधवार को पक्षियों को अनाज खिलाएं।

तुला राशि –बुध का गोचर आपके तीसरे भाव में हो रहा है। इस दौरान संचार कौशल और रचनात्मक कार्यों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। लेखन, पब्लिक स्पीकिंग और सोशल मीडिया से जुड़े कार्यों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी से आपको बचकर रहना होगा। अपनों के साथ समय बिताने से रिश्तों में मजबूती आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीति आपको लक्ष्यों के करीब ले जाएगी। कार्यों में गोपनीयता बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। बुधवार को विद्यार्थियों को किताब या कलम दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृश्चिक राशि –साल का अंतिम गोचर वृश्चिक राशि के जातकों के दूसरे भाव में हो रहा है। यह भाव वाणी, परिवार और धन से जुड़ा होता है। इस दौरान धन प्रबंधन अच्छा रहेगा। हालांकि, आपको पारिवारिक मामलों में कठोर शब्दों से बचना होगा। व्यापार में अचानक आर्थिक लाभ और निवेश से फायदा होता दिख रहा है। नौकरीपेशा लोगों के लिए वेतन वृद्धि के योग बन रहे हैं। बुधवार को पक्षियों को भीगी मूंग खिलाएं और घर के उत्तर-पूर्व कोने में हरी मूंग रखें।

धनु राशि – धनु राशि में बुध का गोचर आपके पहले भाव में हो रहा है। इस दौरान आपकी बुद्धि तेज होगी और वाणी में प्रभाव आएगा। यह समय लेखन से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल दिखाई दे रहा है। कार्यक्षेत्र में एक साथ मिलकर काम करने से लाभ मिलेगा। करियर में उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। निजी जीवन में मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन मधुर बना रहेगा। बुधवार को हरे रंग के कपड़े पहनने से लाभ होगा।

मकर राशि – बुध का गोचर मकर राशि के बारहवें भाव को प्रभावित कर रहा है। इस समय आपको विदेशी लेन-देन और ऑनलाइन कार्यों में सावधानी बरतनी होगी। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में भावनात्मक संतुलन बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप जिम्मेदारियों को समय पर पूरा कर पाएंगे। इससे आपको मान-सम्मान और लाभ दोनों प्राप्त होगा। सामाजिक दायरा बढ़ने से लोग आपके अनुभव और सलाह को महत्व देंगे। बुधवार को हरे फल दान करना आपके लिए शुभ रहेगा

कुंभ राशि –कुंभ राशि के ग्यारहवें भाव में बुध का गोचर हो रहा है। इस दौरान आपके सामाजिक संपर्क मजबूत होंगे और मित्रों से अप्रत्याशित सहयोग मिल सकता है। निवेश आपके लिए लाभदायक रहेगा। करियर और व्यापार में निरंतर प्रगति देखने को मिलेगी। आर्थिक लाभ के योग भी बन रहे हैं। ऐसे में आपको पुराने कर्ज चुकाने का मौका भी मिलेगा। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को वेतन वृद्धि, बोनस या प्रमोशन प्राप्त हो सकता है। छात्रों को किताबें या शैक्षिक सामग्री दान करें करना आपके लिए शुभ रहेगा।

मीन राशि –धनु राशि में बुध का गोचर मीन राशि के दसवें भाव में हो रहा है। यह भाव करियर और प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। इस दौरान आपकी योजनाएं वरिष्ठ अधिकारियों को पसंद आएंगी। हालांकि, आपको अपना काम बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने से बचना होगा। यह समय मीटिंग और महत्वपूर्ण डील साइन करने के लिए अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में लंबित काम पूरे होंगे और आपकी पहचान मजबूत होगी। खर्चों पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। बुधवार के दिन कार्यस्थल पर चंदन की खुशबू वाला दीपक जलाएं।

खरमास में शुभ कार्य नहीं करने के पीछे 'गधे' हैं वजह, जानिए रहस्य

हिंदू पंचांग में खरमास को आमतौर पर ऐसा समय माना जाता है, जब कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। शादी-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे कार्य इस दौरान टाल दिए जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर खरमास का नाम खर यानी गधे से क्यों जुड़ा है? इसके पीछे एक रोचक और बेहद अर्थपूर्ण पौराणिक कथा है। खरमास से जुड़ी यह कथा मार्कण्डेय पुराण में मिलती है। संस्कृत में खर का अर्थ गधा होता है। कथा के अनुसार, एक बार सूर्यदेव अपने सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा पर निकले। यात्रा लंबी थी और समय के साथ उनके घोड़े थकने लगे। उन्हें भूख और प्यास सताने लगी। सूर्यदेव ने जब अपने घोड़ों की यह हालत देखी तो उन्हें करुणा आई और उन्होंने घोड़ों को कुछ समय आराम देने का मन बनाया। लेकिन सूर्यदेव के सामने एक बड़ी समस्या थी। अगर रथ रुक जाता तो सृष्टि का चक्र बिगड़ सकता था। दिन-रात, ऋतु और जीवन का संतुलन प्रभावित हो जाता। ऐसे में सूर्यदेव की नजर तालाब के किनारे पानी पी रहे दो खर यानी गधों पर पड़ी। सूर्यदेव ने सोचा कि क्यों न कुछ समय के लिए रथ में गधों को जोड़ दिया जाए, ताकि रथ चलता भी रहे और घोड़े आराम भी कर लें। हालांकि, घोड़े और गधे की शक्ति और गति एक जैसी नहीं होती। जब रथ में गधों को जोड़ा गया तो रथ की गति धीमी हो गई। परिणाम यह हुआ कि जो परिक्रमा सामान्य रूप से कम समय में पूरी होती थी, वही इस बार पूरे एक महीने में पूरी हुई।

कथा के अनुसार, इस देरी से सूर्यदेव के तेज और प्रभाव में कमी आ गई। यही समय आगे चलकर खरमास कहलाया। इसी मान्यता के कारण खरमास को ऐसा समय माना जाता है, जब सूर्य की ऊर्जा कमजोर रहती है और इसलिए इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते, लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि यह समय अशुभ है।

दरअसल, खरमास को भक्ति, संयम और साधना का महीना माना गया है। खरमास में खास तौर पर भगवान विष्णु या सूर्यदेव की पूजा का महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दौरान की गई पूजा, दान-पुण्य और जप-तप का फल कई गुना बढ़ जाता है।

हयग्रीव माधव मंदिर: भगवान विष्णु को अर्पित किए जाते हैं कछुए

सृष्टि को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने 10 बार अवतार लिया। भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के दौरान कछुए बनकर सृष्टि का उद्धार किया तो राक्षसों का वध करने के लिए मत्सय अवतार लिया। भगवान विष्णु के अलग-अलग रूपों को देश भर में पूजा जाता है, लेकिन असम में भगवान विष्णु एक अनोखे रूप में विराजमान हैं, जहां उनका सिर घोड़े का और नीचे का हिस्सा मानव शरीर का है। यह मंदिर हिंदुओं की आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि बौद्ध धर्म के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। असम के हाजो की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच भगवान विष्णु के हयग्रीव अवतार को समर्पित हयग्रीव माधव मंदिर है, जिसे 100 साल से भी पुराना बताया जाता है। यह प्राचीन मंदिर हिंदू और बौद्ध दोनों के लिए असीम आध्यात्मिक महत्व रखता है और तीर्थयात्रियों और यात्रियों को समान रूप से आकर्षित करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हिंदू धर्म के लोगों का मानना है कि यहां भगवान ने मधु और कैटव नाम के राक्षस को मारने के लिए हयग्रीव अवतार लिया था। मधु और कैटव नाम के राक्षसों की उत्पत्ति भगवान विष्णु के कानों की गदंगी से हुई थी, जबकि बौद्ध धर्म के लोगों का मानना है कि इसी स्थान पर महात्मा बुद्ध ने निर्वाण प्राप्त किया था।

यही कारण है कि मंदिर दोनों धर्मों के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है।

मंदिर में सदियों से एक अनोखी परंपरा का पालन होता आया है, जिसमें मंदिर में भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए काले मुलायम खोल वाले कछुए अर्पित किए जाते हैं। मंदिर में एक मीठे पानी का तालाब बना है, जहां भक्त कछुओं को छोड़ देते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद भक्त कछुए प्रसाद स्वरूप लेकर आते हैं, लेकिन विडंबना ये है कि काले मुलायम खोल वाले कछुए संरक्षित श्रेणी में आते हैं, जो तेजी से विलुप्त हो रहे हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि भक्तों का जंगलों से कछुए लाकर मंदिर में चढ़ाना प्रकृति के साथ खिलवाड़ के जैसा है। हालांकि, इस परंपरा का निर्वाहन आज भी हो रहा है।

हयग्रीव माधव मंदिर में जटिल नक्काशी और मूर्तियां हैं, जो मनमोहक पौराणिक कथाओं को बयां करती हैं और विभिन्न देवी-देवताओं को दर्शाती हैं। गर्भगृह में मुख्य रूप से भगवान विष्णु के हयग्रीव अवतार की प्रतिमा का पूजन होता है और प्रसाद स्वरूप दाल, चावल और कद्दू की सब्जी अर्पित की जाती है। मंदिर के निर्माण को लेकर कई तरह की बातें कही जाती हैं। कुछ लोगों का मानना है कि मंदिर का निर्माण राजा रघुदेव नारायण ने 1583 में करवाया था, जबकि कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मंदिर को पाल वंश के राजाओं ने अपने समय में बनवाया था।

शुक्र-बुध युति से बन रहा लक्ष्मीनारायण योग

मेष, सिंह और मकर सहित निम्न राशियों को प्राप्त होगी धन-धान्य व सुख-समृद्धि

शुक्र-बुध की युति धनु राशि में होने से लक्ष्मीनारायण योग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इसे अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। शुक्र सुख, वैभव, प्रेम और भौतिक सुविधाओं के कारक ग्रह हैं, जबकि बुध बुद्धि, वाणी, व्यापार और निर्णय क्षमता का प्रतिनिधित्व करते है। इन दोनों ग्रहों की युति से धन, समृद्धि और सौभाग्य के विशेष योग बनते हैं। यह योग करियर में सफलता, व्यापार में तेजी और धन लाभ दिलाता है। लक्ष्मीनारायण योग के प्रभाव से मेष, सिंह और मकर सहित कई राशियों के जातकों को नौकरी में प्रमोशन, वेतन वृद्धि और मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

मेष –मेष राशि के जातकों को धीरे-धीरे भाग्य का साथ मिलेगा। लगातार बढ़ते हुए आर्थिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी। काफी संघर्ष के बाद आज आपको जीवन की परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। आज महत्वपूर्ण और फलदायी यात्रा की संभावना भी नजर आ रही है। छोटे मोटे पार्ट टाईम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा। आज का दिन आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है।

वृष –आज आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा हो सकती है। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए। सायंकाल के समय किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है। घर-परिवार का माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

मिथुन –आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान रह जाएंगे। आपकी खुद की नजर भी आपकी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को बनाए रखने के लिए आपको मेहनत करनी होगी। आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लगने के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में खुद की प्रशंसा की इच्छा से दूर रहें। अपने कार्य में ध्यान केंद्रित करें।

कर्क –आज का दिन किसी बहन-भाई की चिंता में व्यतीत होता दिख रहा है। आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। ऐसे में खर्चे बढ़ने की संभावना दिख रही हैं। आज भी वह चिन्ता आपको परेशान कर सकती है। यदि सबकी सहमति हो जाए तो कहीं स्थान परिवर्तन का विचार बन सकता है।

सिंह –आज आपको कारोबार की चिन्ता विशेष रूप से परेशान कर सकती है। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव हो रहा है। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय आदि के क्षेत्र में यदि आप पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य और आराम का त्याग करना पड़ेगा।

कन्या –आपकी राशि का स्वामी तृतीय घर में आ चुका है, सूर्य के साथ तप्त विकल है। ऐसे में आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। उसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें। कुछ समय बाद इससे भी बेहतरीन समझौता आपको प्राप्त होगा।

तुला –आज आप बिना कारण के ही परेशान रहेंगे। शुक्र के कारण कुछ परेशानियां हो सकती हैं। वहीं, कुछ परेशानियां आप अपने स्वभाव के कारण भी खड़ी कर लेते हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है। आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आज अचानक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते हालात में आपकी नई योजनाएं सफल होंगी। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निर-ाशाजनक विचारों को मन में न आने दें।

धनु –आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलता दिख रहा है। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा। रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

मकर –आज सामाजिक, धार्मिक कामों में भाग लेते रहने के कारण आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहों की चाल से आपको भाग्य का साथ मिलता दिख रहा है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें। धार्मिक स्थानों की यात्रा की भूमिका आज बन सकती है। मामा पक्ष से सहयोग मिलेगा।

कुंभ –वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निकट संबंध और तालमेल से लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यस्थल पर प्रमोशन के अवसर भी दिख रहे हैं। आयात-निर्यात के व्यवसाय की शुरुआत करने का फैसला भी आज हो सकता है। आध्यात्म और धर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा। ग्रहों की अनुकूल स्थिति से लंबी यात्राओं के योग प्रबल हो रहे हैं।

मीन –आपकी राशि का स्वामी-देव गुरु बृहस्पति ज्ञान विज्ञान का भण्डार है। ऐसे में उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे। अध्ययन व आध्यात्म में रुचि बढ़ सकती है। विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से आपको आज सावधान रहना होगा। किसी को आज रुपया उधार न दें वापिस नहीं मिलेगा। माता-पिता-गुरु की सेवा में भी ध्यान लगाना ना भूलें।

संपादकीय

वोटर के अहम विरोधाभास

देश के 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान चलाया था। कुल 51 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण किया जाना था। एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 6.57 करोड़ मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए। यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण आंकड़ा है। दो विरोधाभासी तस्वीरें सामने आई हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उप्र में ही 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जबकि उप्र में भाजपा की सरकार है। इसके उलट असम में 2001 के बाद 1 करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। वहां की मतदाता सूची के ड्राफ्ट में 2 करोड़ 52 लाख 02775 मतदाता दर्ज किए गए हैं। 2021 के बाद से 18 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं, जबकि पुनरीक्षण के दौरान 10.6 लाख नाम काटे भी गए हैं। गौरतलब यह है कि 93021 मतदाताओं को 'डी' श्रेणी में रखा गया है। उन 'संदेहास्पद' नामों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वे तब तक वोट डालने के 'अपात्र' रहेंगे, जब तक उनकी भारतीय नागरिकता घोषित नहीं हो जाती। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का बयान संवेदनशील और चेतावनीपूर्ण है कि राज्य में बांग्लादेश मूल के लोगों की संख्या 40 फीसदी को पार कर चुकी है। यदि उनकी आबादी 50 फीसदी से अधिक हो गई, तो वे असम राज्य के बांग्लादेश में विलय की साजिश रच सकते हैं। ऐसी कोशिशें भी जारी हैं। सवाल है कि उप्र में जो 2.89 करोड़ नाम कटे हैं और असम में जो 18 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े हैं, क्या वे बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या घुसपैठिए हैं? चुनाव आयोग स्पष्ट क्यों नहीं करता? जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है, उनकी संख्या स्पष्ट है और वे नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग ने जिन मतदाताओं को मिसिंग, लापता, गायब, पते पर गैरहाजिर और संदेहास्पद करार दिया है, उनके आधार क्या हैं? क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया है? बेशक नागरिकता का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। वह गृह मंत्रालय का विशेषाधिकार है, लेकिन जिन मतदाताओं को मिसिंग या शिफ्ट करार दिया गया है, उनका मताधिकार तो सुरक्षित है न? वे देश में जहां भी होंगे, क्या वहां के मतदाता बना दिए जाएंगे अथवा वे अनाथ हो जाएंगे? कमोबेश भारत में मताधिकार मौलिक अधिकार है और उसे कोई भी सरकार या चुनाव आयोग छीन नहीं सकता। ऐसा लगता है कि यह मामला नए सिरे से सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगा। अभी तक विपक्ष 'वोट चोरी' के मुद्दे पर प्रलाप कर रहा था। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान खासकर कांग्रेस ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए थे, लेकिन 'वोट चोरी' साबित नहीं हो सकी। यह प्रलाप पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी सुना गया। दोनों ही राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। उप्र में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा-एनडीए सत्तारूढ़ है, लिहाजा वहां 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटना एक सनसनीखेज घटना है। क्या वे विपक्ष के समर्थक थे? किसने बनाए थे वे वोट? और अब एसआईआर में मतदाताओं के नाम काट क्यों दिए गए? क्या यह भाजपा ने 'वोट चोरी' को अंजाम दिया है? क्या ये वाकई भाजपा समर्थक मतदाता थे? यह बेहद हास्यास्पद स्थिति है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा समर्थक 4 करोड़ मतदाताओं के गायब होने की घोषणा की थी और पार्टी को भी आगाह किया था। मुख्यमंत्री को यह सूचना कैसे मिली और उन्होंने किस आधार पर घोषणा की? क्या 2.89 करोड़ मतदाता आभासी थे या घुसपैठिए थे अथवा अजैविक, डिजिटल वोटर थे? इस सवाल का जवाब चुनाव आयोग को ही देना है।

देश के सबसे बड़े राज्य उप्र में ही 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जबकि उप्र में भाजपा की सरकार है। इसके उलट असम में 2001 के बाद 1 करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। वहां की मतदाता सूची के ड्राफ्ट में 2 करोड़ 52 लाख 02775 मतदाता दर्ज किए गए हैं। 2021 के बाद से 18 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं, जबकि पुनरीक्षण के दौरान 10.6 लाख नाम काटे भी गए हैं। गौरतलब यह है कि 93021 मतदाताओं को 'डी' श्रेणी में रखा गया है। उन 'संदेहास्पद' नामों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वे तब तक वोट डालने के 'अपात्र' रहेंगे, जब तक उनकी भारतीय नागरिकता घोषित नहीं हो जाती। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का बयान संवेदनशील और चेतावनीपूर्ण है कि राज्य में बांग्लादेश मूल के लोगों की संख्या 40 फीसदी को पार कर चुकी है। यदि उनकी आबादी 50 फीसदी से अधिक हो गई, तो वे असम राज्य के बांग्लादेश में विलय की साजिश रच सकते हैं। ऐसी कोशिशें भी जारी हैं। सवाल है कि उप्र में जो 2.89 करोड़ नाम कटे हैं और असम में जो 18 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े हैं, क्या वे बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या घुसपैठिए हैं? चुनाव आयोग स्पष्ट क्यों नहीं करता? जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है।

कुछ अलग

रोक सको तो रोक लो

देश में वैज्ञानिक आविष्कार से कहीं ज्यादा जुमले की धार रही है। जुमलों ने देश का आचरण बदल दिया, बल्कि अब जो सुनाई देता है, वही दिखाई देता है। सारे रंगमंच और कलाकार विधानसभाओं या संसद में मिलने लगे हैं या मनोरंजन के लिए हम चुनाव पर एतबार करने लगे हैं। चारों तरफ देख कर लगता है कि देश में आजादी तो अभी-अभी आई है। सडक़ जैसे ही चौड़ी होती है, वाहन बिना किसी भय, आजादी से पार्क हो जाते हैं। देश की आजादी में रेहड़ी-फड़ी वालों का योगदान देखकर तो इतनी प्रेरणा मिलती है कि डिग्री की औकात भूल कर जहां जगह मिलती है, वहीं टपरी खड़ी कर दें। देश इतना आजाद हो रहा है कि इसे आगे बढऩे से रोकना मुश्किल है। सार्वजनिक जगह रोकना, काम की फाइल रोकना, किसी की प्रोमोशन रोकना, किसी का अनुदान, किसी का न्याय रोकना दरअसल देश की हिम्मत है। हिम्मत देखने के लिए किसी टीवी स्टूडियो की बहस में देश की बांछें खिल जाती हैं। देश में हिम्मत वाले अब कहां व्यवस्था में मिलते, कहां किसी एफआईआर या कानून की किताब में मिलते। वे तो अपने बाइक या चौपहिया वाहन पर देश की जमीन मापते मिलेंगे। इसलिए हर दिन देश अपनी छाती, अपने जिगर को चौड़ा करते हुए, हर तरह के अतिक्रमण को समेट लेता है। देश की राजधानी को आश्चर्य होता है कि उसके नाम पर दिल्ली में पुरानी दिल्ली ज्यादा चलती या नई। नोएडा ज्यादा चलता या गुडग़ांव। चलना भी कई बार रोक देता है। चला तो विपक्ष पूरी तरह और पूरे बिहार में, लेकिन चुनाव ने रोक दिया। वैसे देश में रोकने वाला, चलने वाले से महान है। युद्धविराम की चर्चा चलते युद्ध से ज्यादा हुई, क्योंकि रोकने वाला बताता रहता है कि उसने रोक दिया। इधर देश की राजनीति को समझ नहीं आ रहा कि उसे चलना है या एक दूसरे को रोकना। भारतीय व्यंजन समोसा यूं ही मशहूर नहीं हुआ, बल्कि इसके कारण हमारी क्षमता में इजाफा हुआ। प्लेट में कितनी भी मिठाइयां हों, एक अदद समोसा इतना पसर जाता है कि जिंदगी भर उसी के डकार आते हैं। गोलगप्पा भी इसी प्रयास में रहा है, लेकिन वह पसर नहीं पाया।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान 7.3 फीसदी है

नए साल में भारत होगा आशावादी बाजार

डा. जयंती लाल भंडारी

वर्ष 2026 में भारत बढ़ी हुई विकास दर, सस्ते कर्ज, महंगाई में कमी, कर सुधार और बढ़ी हुई क्रय शक्ति से दुनिया के सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में उभरकर दिखाई दे सकता है। हाल ही में वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी की 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता मौजूदा आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक संघर्षों से अप्रभावित हैं और भारत दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार है। जहां वर्ष 2025 में सकल घेरलू उत्पाद (जीडीपी) की मजबूत वृद्धि से भारत में उपभोक्ताओं की धारणा में पूरे वर्ष स्थिर गति देखी गई, वहीं अब 2026 में देश लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखने वाले 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं के साथ सबसे आशावादी बाजारों में से एक बना हुआ है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक भारत से आने वाले सैलानी सिंगापुर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाले लग्जरी ग्राहकों में शामिल हैं।

इन दिनों प्रकाशित हो रही दुनिया के उपभोक्ता बाजारों से संबंधित रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वर्ष 2026 में भारत बढ़ी हुई विकास दर, सस्ते कर्ज, महंगाई में कमी, कर सुधार और बढ़ी हुई क्रय शक्ति से दुनिया के सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में उभरकर दिखाई दे सकता है। हाल ही में वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी की 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता मौजूदा आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक संघर्षों से अप्रभावित हैं और भारत दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार है। जहां वर्ष 2025 में सकल घेरलू उत्पाद (जीडीपी) की मजबूत वृद्धि से भारत में उपभोक्ताओं की धारणा में पूरे वर्ष स्थिर गति देखी गई, वहीं अब 2026 में देश लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखने वाले 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं के साथ सबसे आशावादी बाजारों में से एक बना हुआ है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक भारत से आने वाले सैलानी सिंगापुर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाले लग्जरी ग्राहकों में शामिल हैं। गौरतलब है कि नए वर्ष 2026 में भारतीयों को महंगाई घटने और ब्याज दरों में कमी से खरीददारी में नई शक्ति मिलती हुई दिखाई देगी पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में की गई कटौती के बाद रेपो रेट अब 5.25 प्रतिशत हो गई है। इस समीक्षा बैठक में कहा गया है कि देश में इस समय महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर 2.2 फीसदी पर है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान 7.3 फीसदी है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार पकड़ रही है और आगे भी यही रुझान बना रहने की पूरी उम्मीद है। साथ ही रिजर्व बैंक ने जनवरी 2026 में बैंकिंग सिस्टम में पैसों की कमी को दूर करने, नकदी लंबे समय तक बनाए रखने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए डालना सुनिश्चित किया है। रिजर्व बैंक के द्वारा 5 दिसंबर को ब्याज दरों में कटौती के मद्देनजर रेपो रेट में 25 आधार अंक की जो कटौती की गई है, उसका लाभ बैंकों के द्वारा विभिन्न वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचाया जाना शुरू हो गया है। ऐसे में तेजी से आगे बढ़ रहे सुकूनदेह आर्थिक परिदृश्य के मद्देनजर आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मार्च 2026 में रेपो रेट में कमी की संभावना भी उभरकर दिखाई दे रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वर्ष 2026 में महंगाई में कमी रहने की संभावना से देश का उपभोक्ता बाजार मजबूत होगा। निःसंदेह रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दर और घटाए जाने की संभावना का एक खास कारण महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण भी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से 12 दिसंबर को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा महंगाई नवंबर, 2025 में 0.71 फीसदी के

स्तर पर पहुंच गई। अक्टूबर में यह 0.25 फीसदी रही थी। इस वृद्धि के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के नीचे रही। साथ ही, यह लगातार दूसरा महीना है, जब यह एक फीसदी से भी कम रही। इससे पहले खुदरा महंगाई सितंबर में एक फीसदी से अधिक यानी 1.44 फीसदी रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। वर्ष 2024-25 में देश में 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। भारत के आर्थिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रामीण भारत से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। इन रिपोर्टों में यह बताया जा रहा है कि गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय जब अमेरिका और यूरोप सहित पूरी दुनिया के कई देशों में महंगाई आर्थिक-सामाजिक चिंता का कारण बन गई है, तब भारत पूरी दुनिया के लिए एक ऐसी नजीर बन गया है, जहां खुदरा महंगाई लगातार एक फीसदी से नीचे स्तर पर है और विकास लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इस समय भारत में महंगाई में तेज गिरावट से सस्ते कर्ज की राह आसान हुई है और इससे उपभोक्ता बाजार तेजी से आगे बढ़ेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इन दिनों भारत के विकास पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि चूंकि टैक्स व महंगाई घटने से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और भारत की क्रेडिट रेटिंग सुधर रही है, ऐसे में क्रेडिट रेटिंग व विकास दर बढऩे से उपभोक्ता बाजार आशावादी बना रहेगा। हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढऩे का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह इकोनमी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा, 'जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक नया परिदृश्य दिखाई देगा। निश्चित रूप से ब्याज दर घटाए जाने के कारण सस्ते कर्ज से वर्ष 2026 में आर्थिक गतिविधियों में तेजी की संभावना विकास दर को बढ़ाने के लिए सकारात्मक संदेश होगी और उपभोक्ता बाजार में चमक बढ़ेगी। इस समय जब भारत ट्रंप टैरिफ और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के दौर में चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है, तब सस्ता कर्ज उद्योग-कारोबार और सर्विस सेक्टर को नई शक्ति देगा। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति को मजबूत बनाने, निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, अर्थव्यवस्था को व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित करने, उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराने के मद्देनजर सस्ता कर्ज लाभप्रद होगा। सस्ते कर्ज के कारण विदेशी निवेश भी बढ़ेंगे। ग्रामीण मांग के साथ-साथ शहरी मांग में सुधार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और सर्विस सेक्टर के विकास को बल मिलेगा। सस्ते कर्ज के आधार पर स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। बैंक व वित्तीय संस्थाओं की स्थिरता भी बनी रहेगी। आम आदमी को भी सस्ते कर्ज से कई लाभ मिलेंगे। ईएमआई के घटने से ऋण लेने वाले सभी लोगों को लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। घरों और वाहनों की मांग बढ़ेगी। मकानों की बिक्री में तेज गिरावट के कारण रियल इस्टेट उद्योग की बढ़ी हुई मुश्किलें ब्याज दरों में कटौती से कम होते हुए दिखाई देंगी। इन सबसे उपभोक्ता बाजार पर अनुकूल असर होगा। उम्मीद करें कि भारत में वर्ष 2026 में महंगाई में कमी और ब्याज दरों में कटौती भारतीय उपभोक्ताओं को नई आशावादी शक्ति देगी और भारत में उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई क्रय शक्ति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू खपत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगी। उम्मीद करें कि वर्ष 2026 में ईएमआई घटने से आम आदमी की खर्च योग्य आय बढ़ेगी, बाजार मांग में मजबूती और निवेश के नए माहौल को बल मिलेगा और इससे भारत दुनिया में सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा और देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ेगी। इस तरह आने वाला समय आशाओं से भरा दिखाई दे रहा है। नया साल नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। भारत की आर्थिकी को उड़ान मिलने जा रही है।

देश दुनिया से

प्रधानमंत्री के चर्च जाने का निहितार्थ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिसमस के अवसर पर चर्च गए, 1931 ईस्वी का यह शानदार 'कैथेड्रल चर्च ऑफ़ द रिडेम्पशन' संसद भवन और राष्ट्रपति भवन के ऐन पास है– इसकी नलीदार मेहराबें और नज़ाकत भरा गुंबद 'जिन्होंने लॉर्ड इरविन का भी दिल जीत लिया था', और इसका पुराना ऑर्गन अभी भी सही सलामत है। यह सिर्फ़ दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री अपने कार्यकाल में चर्च गए हों, पहली बार, दो साल पहले, दिल्ली के बीचोंबीच गोल मार्केट स्थित सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल में गए थे। परम आदरणीय मुख्य पादरी पॉल स्वरूप द्वारा प्रभु यीशु मसीह से की गई प्रार्थना, जिसे सुनकर कोई भाव-विभोर हो जाए: 'हे पिता, हम जानते हैं कि जिन्हें आप बुलाते हैं, आप उन्हें सामर्थ्य प्रदान करते हैं। और हम जानते हैं प्रभु कि आपने उन्हें हमारे महान राष्ट्र का नेतृत्व करने के इस महत्वपूर्ण काम के लिए चुना है। अतः, हे पिता, मैं आपके विवेक, आपकी सूझबूझ की दोगुनी रहमत के लिए प्रार्थना करता हूं, कि वे इस राष्ट्र को सच्चाई, न्याय व धर्म के रास्ते पर ले जा सकें...।' आइए एक पल के लिए समझते हैं कि बिशप किस संदर्भ में यह कह रहे होंगे। साल की शुरुआत यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम द्वारा जारी एक बयान से हुई थी, जिसमें कहा गया था कि उसने 2024 में भारत में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा और धमकाने की 834 घटनाओं को दर्ज किया है, जोकि 2014 में हुई 127 घटनाओं से कहीं ज़्यादा है। जब प्रेस ने बिशप से पूछा कि क्या वह इस मुद्दे को प्रधानमंत्री के समक्ष उठाएंगे, तो बिशप ने कहा कि यह सही समय नहीं है। निश्चित रूप से, भारत के ईसाई उम्मीद कर रहे होंगे कि चर्च में प्रधानमंत्री की मौजूदगी से यह संदेश जाएगा कि निर्दोष लोगों के खिलाफ हिंसा रोकने का समय आ गया है। दिल्ली से, प्रधानमंत्री लखनऊ पहुंचे, 'प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करने के लिए, जो कई मूर्तियों वाला बगीचा है, जिनमें से एक मूर्ति अटल बिहारी वाजपेयी की भी है। साल 2014 में उनके जन्मदिन पर, मोदी सरकार ने घोषणा की थी कि 25 दिसंबर को अब से 'सुशासन दिवस' पुकारा जाएगा, और क्रिसमस अब राष्ट्रीय छुट्टी नहीं होगी। मोदी के चर्च में जाने से, उम्मीद है कि इसका मतलब है कि दोनों संभव हैं। यानी अब आप क्रिसमस और सुशासन, दोनों मना सकते हैं। गत सप्ताह, हरियाणा के हिसार में 160 साल पुराने चर्च के सामने विश्व हिंदू परिषद ने 25 दिसम्बर को 'तुलसी पूजन दिवस' के रूप में मनाया, और प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने को कि कहीं कोई गड़बड़ न हो, लगभग 300 पुलिसकर्मी तैनात किए। रोचक यह कि विश्व हिंदू परिषद के 'हवन' में एक व्यक्ति ने जो जैकेट पहनी थी, उस पर इटैलियन डिज़ाइनर बालेनशियागा का ब्रांड नाम लिखा था, लेकिन शायद इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि दक्षिणपंथी निशाना उन अंग्रेज़ों पर साधते हैं जिन्होंने भारत को गुलाम बनाया था, न कि इटैलियनों पर। हिसार में यह विडंबना नज़रअंदाज़ हो गई तो कोई बात नहीं। यहां रोचक यह है कि हिसार का यह सेंट थॉमस चर्च दिल्ली के उस कैथेड्रल से कहीं ज़्यादा पुराना है, जहां क्रिसमस के दिन प्रधानमंत्री गए थे— 1864 में बना यह गिरजाघर यीशु मसीह के 12 शिष्यों में से एक के नाम पर स्थापित किया गया था, जो 52वीं ईस्वी में किश्ती में सवार होकर केरल में धर्म प्रचार करने आए थे। तब फिर, 1800 साल बाद सेंट थॉमस की याद में इतनी दूर हिसार को क्यों चुना गया? यह साफ़ नहीं है, सिवाय इसके कि 1864 तक, जैसा कि हम जानते हैं कि ब्रिटिश राज ने सैन्य विद्रोह पर पार पा लिया था, उत्तरी भारत पर उनकी पकड़ कहीं ज्यादा मज़बूत हो गई थी, और छोटे से ईसाई समुदाय को एक चर्च की ज़रूरत थी। तथ्य है कि हिसार सदियों से भारत में अपनी किस्मत आजमाने वालों के लिए एक पड़ाव के रूप में महत्वपूर्ण स्थान बन चुका था। बाबर ने 1526 में पानीपत की निर्णायक लड़ाई लड़ने जाते वक्त, रास्ते में पड़ने वाले हिसार के शासक हामिद खान को हराने के बाद इसको अपने बेटे हुमायूं को इनाम में दिया था। इब्राहिम लोदी के रास्ते से हटने के बाद, बाबर अब हिंदुस्तान का नया सम्राट बन गया था। साल का यह आखिरी हफ़्ता इतिहास से सीखने का अच्छा समय है। मुसलमानों ने मुसलमानों से लड़ाई लड़ी, जबकि पराए धार्मिक विश्वास वाले इन लोगों की सेनाओं में हिंदू बतौर मुख्य सेनापति दोनों ओर से लड़े। सत्ता जितनी बंदूक के बूते और शासक के करीबी होने पर मिलती है, उतनी आपकी धार्मिक रीतियों के पालन से नहीं। इतिहास से सीधे गत सप्ताह के 'नाम में क्या रखा है' वाली बहस पर आते हैं, जो सिख धर्म के सर्वोच्च धार्मिक स्थल, अकाल तख़्त और केंद्र सरकार के बीच 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' का नाम देने को लेकर चल रहे तनाव में सामने आई है - गुरु गोबिंद सिंह के दो सबसे छोटे बेटों को सन् 1704 में इसी दिन सरहिंद में क्रूर औरंगज़ेब के क्रूरतम सूबेदार वज़ीर खान ने ज़िंदा दीवारों में चिनवा दिया था। अकाल तख्त का मानना है कि इस दिन का नामकरण 'साहिबज़ादे शहादत दिवस' किया जाना चाहिए, क्योंकि दोनों बच्चों की शहादत उन्हें कालजयी नायक बनाती है–वे कोई साधारण 'बाल', बच्चे या छोटे लड़के नहीं। सिख सांसदों से कहा गया है कि यह मामला केंद्र के साथ उठाएं, और इस बारे में सिख धर्मगुरुओं की एक बैठक बुलाई गई है। अब चूंकि पहली बार प्रधानमंत्री ने ही 9 जनवरी, 2022 को उनके शहीदी दिवस को 'वीर बाल दिवस' मनाने का आह्वान किया था, वह दिन गुरु गोबिंद सिंह का 'प्रकाश पर्व' या जयंती दिवस था –केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर, 2021 को तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के सिर्फ़ छह हफ़्ते बाद। 'कभी हार न मानने वाला' यह दस्तूर आज भी जारी है। पंजाब यूनिवर्सिटी मामले में विफलता और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश पर ज़्यादा नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश के हफ़्तों बाद - ये दोनों बीजेपी द्वारा थोपे गए निर्णय थे, और इनको कुछ ही दिनों में वापस लेना पड़ा - इन सबसे बेपरवाह दल पंजाबी वोटरों को लुभाने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री के 'बाल दिवस' का संस्थागतकरण इसका एक उदाहरण है; हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का बार-बार पंजाब जाना और पगड़ी पहनकर पंजाबी मुद्दों पर बोलना दूसरा उदाहरण है। साफ़ है संकेत देने की कोशिशें हो रही हैं, जिसका मकसद 14 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। निश्चित रूप से, आने वाला साल लंबा, कठिन और ख़बरों से भरा होगा, क्योंकि 'भारत के विचार' के लिए लड़ाई तेज़ी से जारी है। यह भी निश्चित है कि यह लड़ाई सिर्फ़ राजनीति और राजनीतिक पार्टियों तक सीमित नहीं है, जो अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करने में लगी हैं। एआई के युग में, आपके घरों में पश्चिमीकरण विरोधी बहस क्या रूप धर रही है - क्या यह अभी भी प्रासंगिक है? इससे भी ज़रूरी बिंदु है- क्या कोई सुन रहा है? शायद इसीलिए मातृ-पितृ पूजन दिवस, जो वैलेंटाइन-डे का देसी विकल्प बनने की कोशिश था, बुरी तरह फेल हो गया। सभी को नए साल की शुभकामनाएं!

आप का नज़रिया

ये किनकी सांसों के सौदे

लड़ाई के योद्धा न डाक्टरों की हड़ताल और न ही किसी डाक्टर की बर्खास्तगी से तय हुए, मगर पूरे प्रदेश की पूरी-पूरी जनता आहत हुई हर बार। इस बीमारी के लक्षण केवल आईजीएमसी में ही मिले हों, सही नहीं होगा। बीमारी के लक्षण सरकारी इलाज के तरीकों या सरकार के फायदों को भुनाती जनता में ही हैं। हम काबिल डाक्टर की खोज में बीमार होते हैं या मरीजों की शुमारी में खुद डाक्टर परेशान होते हैं। परेशानियों का सबब यह कि अस्पतालों की गुंडई में जोर जबरदस्ती का नारा है। करीब तीन हजार सरकारी डाक्टर इसलिए अस्पतालों से गैर हाजिर हैं, क्योंकि उनके सहयोगी डाक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है। यह किस्सा इतना भी नर्म नहीं है कि सरकार सख्त न होती और इतना भी स्वाभाविक नहीं कि किसी एक पक्ष को कमजोर आंक लें। ताकत डाक्टरी पेशे ने उस वक्त दिखाई होगी, जब एक मरीज को दुश्मन माना गया होगा। जब अस्पताल की चटाई या बिस्तर की लंबाई में मरीज छोटा हो जाए, तो डाक्टरी का प्रोफेशन खुदा से भी ऊपर अपनी ताकत बताता है। इसी ताकत के आगे आए दिन मेडिकल कालेजों तक में व्यवस्था हारती है, लेकिन डाक्टर एक कैबिन है-पिंजरा नहीं। उसकी क्षमता और दक्षता में अंतर है। यही अंतर चिकित्सा सेवाओं का अंतर्विरोध बन जाता है। फर्ज के लिखित संदेश व्यावहारिक नहीं होते, क्योंकि दुनिया बीमार है। हमने डिस्पेंसरी छोड़ी, ताकि सिविल अस्पताल बेहतर साबित हो। नागरिक अस्पताल छोड़ा ताकि जोनल या क्षेत्रीय अस्पताल में दक्षता मिल जाए और अब सारा हिमाचल गिन रहा है मेडिकल कालेज। शायद इसीलिए आईजीएमसी के बिस्तर पर लेटा मरीज अपने जीने के अरमानों को मेडिकल कालेज के दर पर ले आया था। इसमें दो राय नहीं कि मरीज का आचरण आक्रोश नहीं, लेकिन हर मरीज बेहोश नहीं होता। मामला डाक्टर और मरीज बन जाए, तो इस जीत-हार में सिर्फ विश्वास हारता है। डाक्टर मरीजों पर नजर रखेंगे कि कहीं कोई बिगड़ा मरीज या उसका तीमारदार न निकल आए और मरीज डरेगा कि कहीं डाक्टर का हाथ न उठ जाए। यह भी एक विडंबना है कि पहले डाक्टर अपने तौर पर मरीज का मनोविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान हाथ से टटोलते थे, लेकिन अब बीमारी की सारी अर्जियां इतनी मेहनत कराती हैं कि चिकित्सा पद्धति, यातना की मजदूर बना देती है। आईजीएमसी के घटनाक्रम में न तो मरीज याचक था और न ही डाक्टर शरीफ था। जो अस्पताल परिसर में घूंसे चला सकता है, उसे रिंग में होना चाहिए और जिस मरीज की जुबान कर्कश हो, उसे सुधारने की जरूरत है। क्या वक्त आ गया है जब डाक्टरों को मार्शल मिलने चाहिए या मरीजों के साथ पुलिस के सिपाही चलने चाहिएं। ऐसे में सरकार की नर्म कर्मचारी नीतियां दोषी हैं या प्रदेश में प्रोफेशनलिज्म अभी आया ही नहीं। कल अगर ट्रैफिक नियंत्रित करने वाले सिपाहियों को वाहन चालक सरेआम पीटना शुरू कर दें या प्रशासन के आदेशों के खिलाफ मुहिम खूंखार होने लगे, तो सरकार कैसे फैसले लेगी। इसके विपरीत अगर हर विभाग और विभागीय ओहदे आम जनता के प्रति आक्रामक हो जाएं, तो तब सरकार क्या करेगी। यह एक अवांछित छूट का अधिकार है, जो सरकारें कर्मचारियों और अधिकारियों को सिर पर बैठा कर व्यवस्था को पुचकारती रही हैं। इस प्रदेश में पनपते हर जोखिम के छोर पर जनता की मजबूरियां बैठी हैं। प्रदेश कितना शक्तिशाली या व्यवस्था पसंद है, उसकी हवा डाक्टर निकाल चुके हैं। अगर तीन हजार डाक्टर तमाम सरकारी अस्पतालों का भट्ठा बिठा सकते हैं, तो ऐसी परिस्थितियों में स्कूल-कालेजों और कानून व्यवस्था का क्या होगा। कितने दर्द में तेरे एहसास घायल कर गए, ये सिर्फ तेरी बगावत नहीं शेखियां ही थीं। एक दिन के लिए किसी मेडिकल कालेज के आपरेशन थियेटर का बंद होना, कितनी सांसों का सौदा है। मरीजों की कतारों में बच्चे, महिलाएं, बूढ़े, अपाहिज और असहाय भी होंगे, मगर डाक्टरों की बादशाहत में अस्पताल लुट गया। सजा किसे मिली। डाक्टर या मरीज को या उस व्यवस्था को जिसके भरोसे जनता सांस लेना चाहती है। ऐसे में जनता के अविश्वास से सरकार के प्रयास हर सरकारी अस्पताल में फेल होंगे, क्योंकि तालेबंदी जैसी स्थिति में डाक्टर ही पेशे के हुक्मरान हैं। फिर न कहना कि हिमाचल में निजी अस्पताल लूट रहे हैं।

हम काबिल डाक्टर की खोज में बीमार होते हैं या मरीजों की शुमारी में खुद डाक्टर परेशान होते हैं। परेशानियों का सबब यह कि अस्पतालों की गुंडई में जोर जबरदस्ती का नारा है। करीब तीन हजार सरकारी डाक्टर इसलिए अस्पतालों से गैर हाजिर हैं, क्योंकि उनके सहयोगी डाक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है। यह किस्सा इतना भी नर्म नहीं है कि सरकार सख्त न होती और इतना भी स्वाभाविक नहीं कि किसी एक पक्ष को कमजोर आंक लें। ताकत डाक्टरी पेशे ने उस वक्त दिखाई होगी, जब एक मरीज को दुश्मन माना गया होगा। जब अस्पताल की चटाई या बिस्तर की लंबाई में मरीज छोटा हो जाए, तो डाक्टरी का प्रोफेशन खुदा से भी ऊपर अपनी ताकत बताता है। इसी ताकत के आगे आए दिन मेडिकल कालेजों तक में व्यवस्था हारती है, लेकिन डाक्टर एक कैबिन है-पिंजरा नहीं। उसकी क्षमता और दक्षता में अंतर है। यही अंतर चिकित्सा सेवाओं का अंतर्विरोध बन जाता है। फर्ज के लिखित संदेश व्यावहारिक नहीं होते, क्योंकि दुनिया बीमार है। हमने डिस्पेंसरी छोड़ी, ताकि सिविल अस्पताल बेहतर साबित हो। नागरिक अस्पताल छोड़ा ताकि जोनल या क्षेत्रीय अस्पताल में दक्षता मिल जाए और अब सारा हिमाचल गिन रहा है मेडिकल कालेज।

दृष्टि कोण

वैश्विक पर्यावरण संकट और उसका समाधान

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुव्र्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किए गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं, किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किए जा रहे दुव्र्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित

करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किए जा रहे दुव्र्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म इंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता ही जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैवविविधता पर भी बुरा असर पडऩे वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40 प्रतिशत भूभाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जन धन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाझुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी . जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आपको व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यो से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने बरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढेगी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा.अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.– गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पडेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 07:53 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 03:59 तक
योग : सिद्ध रात्रि 01:01 तक
करण : गर प्रातः 07:53 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41, सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मन्वादि तिथि , पुत्रदा–वैकुंठ एकादशी व्रत स्मार्तानाम् ,भद्रा रात्रि 06:30 से रात्रि 05:01 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट–2026 की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के किसान आधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्मार्ट फार्मिंग कर कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनें। इसी सोच के साथ आगामी वर्ष प्रदेश में किसानों के लिए ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट–2026 (ग्राम) का आयोजन किया जा रहा है। शर्मा ने अधिकारियों को ग्राम के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आगामी वर्ष में आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट–2026 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक के माध्यम से नए आयाम स्थापित करने के साथ ही निवेश को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा आयोजन से देश–विदेश से आने वाले किसानों तथा विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ भी प्रदेश के किसानों को मिलेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन के सफल क्रियान्वयन के लिए कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, सिंचाई सहित सभी संबंधित

विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर काम करें। इसके लिए एक विभागीय क्लस्टर बनाया जाए। साथ ही, सचिव स्तर पर इसकी समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का भी सम्मान किया जाए। साथ ही, आयोजन की प्रत्येक गतिविधि में किसान की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में देश–विदेश में उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को उपयोग में लाने वाले कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिकों तथा तकनीकी जानकारों को आमंत्रित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मीट का राज्य स्तरीय आयोजन तीन दिवसीय प्रस्तावित है। जिसमें 50 हजार से अधिक किसान भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से राजस्थान की कृषि क्षमताओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच मिलेगा। साथ ही, कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के साथ ही कृषि प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन को लेकर व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। जिससे ग्रामीण स्तर पर किसानों को कार्यक्रम एवं योजनाओं की जानकारी मिल सके।

युवा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ करें देशहित में कार्य : भजनलाल

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में जो राष्ट्रनिर्माण की भावना जन्म लेती है वही आगे चलकर धरातल पर साकार होती है। विद्यार्थी परिषद से निकले अनेक कार्यकर्ता आज उच्च पदों पर स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का जो संस्कार परिषद में मिलता है वही एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की नींव साबित हो रहा है। शर्मा सोमवार को जयपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 61वें प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा इस अधिवेशन में 23 जिलों से 700 से अधिक कर्मयोगी विद्यार्थी एकत्रित हुए हैं और 1 हजार से अधिक शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। देश को नई दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों का सूत्रधार एबीवीपी

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी परिषद पिछले 7 दशकों से भी अधिक समय से भारत की अखंडता एवं गरिमा के संरक्षण में अतुलनीय योगदान दे रही है। जब भी भारतीयता और राष्ट्रभक्ति के बारे में किसी युवा संगठन की बात आती है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का नाम सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी देश को एक नई दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों की सूत्रधार रही है। 1970 में बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में उत्पात के खिलाफ मुहिम, विश्वविद्यालयों में स्वस्थ वातावरण का निर्माण ऐसे आंदोलनों में शामिल हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। राज्य सरकार भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के विचार को आगे बढ़ाते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी नीतियों से किसानों को आगे बढ़ाया, महिलाओं को सम्मान दिलाया, गांवों को सड़क से जोड़ा, युवाओं की शक्ति को पहचाना, गरीब–मजदूर का सशक्तीकरण किया तथा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देशवासियों को उपलब्ध करायी।

अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

20 जिलों में संयुक्त अभियान शुरू, पहले दिन दो एक्सक्वेटर सहित 30 से अधिक वाहन जब्त

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ शुरु हुए अभियान के दौरान पहले दिन जयपुर के कालवाड़ तकसील के बावडी गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में लिप्त दो एक्सक्वेटर जब्त किए गए। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि अभियान के पहले दिन आरंभिक सूचनाओं के अनुसार दो एक्सक्वेटर के साथ ही 6 डंपर, 16 ट्रेक्टर जब्त कर संबंधित पुलिस थाने को सुपुर्द किए गए हैं। पाली में भी 7 वाहन की जब्ती की गई है। सिरोही के दोदुआ में एक जेसीबी जब्त करने की गई है। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में सोमवार से अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान शुरु किया गया है। सभी 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरु कर दी गई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों के सभी जिला कलक्टरों ने टीमों का गठन कर दिया गया है। जिला कलक्टरों और खान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को क्लोज मोनेटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के पहले दिन जयपुर एमई श्याम कापड़ी की टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए कालवाड़ के बावडी में अवैध खनन करते दो एक्सक्वेटर जब्त किये गये हैं। जयपुर के ही शिवदासपुरा में बजरी का अवैध परिवहन करते एक डंपर और चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते दो ट्रेक्टर ट्राली जब्त कर शिवदासपुरा के सुपुर्द की गई है। इसी तरह से जयपुर के कोटखावदा में चेजा पत्थर की दो ट्रेक्टर ट्राली, फागी में भी चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर ट्राली व मोखमपुरा में बजरी का परिवहन करते दो ट्रेक्टर ट्राली और एक ट्रेक्टर ट्राली चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त की गई है।

अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत ने बताया कि जयपुर के साथ ही सीकर में एक डंपर चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया है। इसी तरह से झुन्झुनू में ग्रीट का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर व दौसा में एक ट्रेक्टर ट्राली को चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया है। प्रतापगढ़ में भी अवैध परिवहन करते एक वाहन जब्त करने के आरंभिक समाचार है।

प्राप्त सूचना के अनुसार पाली के पाली, साण्डेराव, चण्डावल में अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक डंपर व 6 ट्रेक्टर ट्राली जब्त की गई है। इसके साथ ही एक एफआईआर व 1.27लाख जुर्माने की वूसली की गई है। मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस डॉ. धमेन्द्र लोहार द्वारा समन्वय किया जा रहा है। सिरोही के दोदुआ में अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त एक जेसीबी जब्ती व 1 लाख 71300 का जुर्माना वसूला गया है। अभियान 20 जिलों में शुरु हो गया है और कार्रवाई की आरंभिक सूचनाएं आना शुरु हो गई है।

जन शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान करने को लेकर प्रतिबद्ध है। प्रत्येक माह ग्रीवेंस कमेटी की बैठक आयोजित की जाती है जिसमें जन समस्याओं पर सुनवाई की जाती है। प्रत्येक सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी आमजन के प्रति उत्तरदायी है और उनको सरकार की मंशा के अनुसार लोगों की भलाई के लिए कार्य करने हैं। कृषि मंत्री चरखी दादरी में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस बैठक में चरखी दादरी जिला के विभिन्न गांवों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की कुल 14 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 6 मामलों का समाधान बैठक के दौरान ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को आगामी सुनवाई के लिए रखा गया है।

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का नया आदेश स्वागत योग्य : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हमारे देश की सबसे प्राचीन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण पर्वतमाला अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट के नए फैसले का हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने स्वागत किया हैं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अरावली की परिभाषा को लेकर 20 नवंबर के विशेषज्ञ समिति के फैसले पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने जनभावनाओं के अनुरूप कदम उठाया है, जो कि स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, एफएसआई, राज्यों के वन विभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और सुप्रीम के प्रतिनिधियों की बनाई गई समिति की सिफारिशें अरावली पर्वतमाला के हित में बिल्कुल नहीं थी और उसका हम सबने मिलकर विरोध किया था। दुष्यंत चौटाला ने उन सभी पर्यावरण प्रेमियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने समय रहते हुए इस मामले को प्रमुखता से उठाया था। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि अरावली पर्यावरण बचाने के अलावा जीव रक्षा, पानी, हवा, खेती, स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीरता को समझा है और भाजपा सरकार को भी अरावली पर्वतमाला की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अरावली में हो रही अवैध माइनिंग के कारण न केवल पहाड़ियों को भारी नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि हमारा आने वाला कल भी खतरे में है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अरावली की यह प्राकृतिक ढाल कमजोर न हो, इसके लिए सरकार को तुरंत अवैध खनन को रोकना चाहिए और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि करीब 870 मिलियन वर्ष पुरानी अरावली पर्वतमाला की सुंदरता अवैध खनन के कारण दिनों–दिन घटी है। इन पहाड़ियों में हरियाली, झरने, प्राकृतिक तालाब, वन्य जीव विलुप्त होते जा रहे है। यहां तक कि खनन ने अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों को सुखा दिया है।

नशे में बेकाबू टैक्सी ने पांच राहगीरों किया घायल

गुरुग्राम, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम में रविवार देर शाम मानो सड़क पर अचानक एक तूफान उतर आया। सेक्टर–4 की व्यस्त सड़क पर नशे में धुत टैक्सी ड्राइवर ने रफ्तार की आंधी चलाते हुए एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। हादसे में एक महिला समेत पांच राहगीर घायल हो गए, जिनमें महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। भीड़भाड़ में बेकाबू हुई रफ्तार प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब सड़क पर वाहनों और पैदल राहगीरों की अच्छी–खासी आवाजाही थी। नशे की हालत में बेसुध ड्राइवर ने टैक्सी को तेज रफ्तार में दौड़ाते हुए 6–7 बाइक और स्कूटी को चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही वाहन एक–दूसरे से भिड़ते चले गए, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई।हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए टैक्सी को घेर लिया। ड्राइवर को बाहर निकालकर पकड़ लिया गया।

ईडी ने दिल्ली–एनसीआर में 10 ठिकानों पर मारी रेड

इंद्रजीत यादव से जुड़ी करोड़ों की अवैध कमाई का खुलासा

गुरुग्राम, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने 26–27 दिसंबर को दिल्ली, गुरुग्राम और रोहतक में कुल दस स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई इंद्रजीत सिंह यादव, उसके सहयोगी अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड तथा अन्य संबंधित संस्थाओं एवं व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई। यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत की जा रही है, जो इंद्रजीत सिंह यादव द्वारा अवैध उगाही, प्राइवेट फाइनेंसरों के जबरन लोन सेटलमेंट, हथियारों के बल पर धमकाने और ऐसी अवैध गतिविधियों से कमीशन कमाने से जुड़ी है। ईडी ने यह जांच हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज 15 से अधिक एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू की है। ये मामले आर्म्स एक्ट, 1959, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किए गए हैं। इन एफआईआर में आरोप है कि जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और मुख्य नियंत्रक इंद्रजीत सिंह यादव एक कुख्यात बाहुबली है, जो हत्या, उगाही, प्राइवेट फाइनेंसरों द्वारा दिए गए कर्ज का जबरन निपटान, धोखाधड़ी, ठगी, अवैध भूमि हड़पने और अन्य हिंसक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है।

ईडी के अनुसार, इंद्रजीत सिंह यादव

हरियाणा में दर्ज कई मामलों में वांछित है और वर्तमान में फरार चल रहा है। एजेंसी की जांच में यह भी सामने आया है कि वह विदेश, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अपने आपराधिक नेटवर्क का संचालन कर रहा था। जांच में यह खुलासा हुआ है कि अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और कुछ अन्य कॉर्पोरेट घरानों ने झज्जर के दिघल क्षेत्र में स्थित प्राइवेट फाइनेंसरों से बड़ी मात्रा में नकद ऋण लिया था, जिसके बदले सुरक्षा के तौर पर पोस्ट–डेटेड चेक जारी किए गए थे।ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि इंद्रजीत सिंह यादव ने एक बाहुबली और जबरन वसूली करने वाले के रूप में काम करते हुए इन उच्च–मूल्य वाले प्राइवेट लोन लेनदेन और वित्तीय विवादों का जबरन सेटलमेंट करवाया। ये सेटलमेंट सैकड़ों करोड़ रुपए के थे और कथित तौर पर धमकियों, डराने–धमकाने तथा विदेशों से संचालित संगठित अपराध सिंडिकेट की मदद से किए गए। इस पूरी प्रक्रिया में सशस्त्र सहयोगियों और स्थानीय गिरोहों का इस्तेमाल किया गया।जांच एजेंसी का आरोप है कि इन जबरन सेटलमेंट के बदले इंद्रजीत सिंह यादव ने संबंधित कॉर्पोरेट घरानों से कमीशन के रूप में सैकड़ों करोड़ रुपए की अवैध कमाई की। ईडी के मुताबिक, इन धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों से अर्जित धन का इस्तेमाल इंद्रजीत सिंह यादव ने महंगी अचल संपत्तियों, लग्जरी कारों की खरीद और ऐशो–आराम की जिंदगी जीने में किया। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी संपत्ति और खर्चों के बावजूद उसने आयकर विभाग के समक्ष बेहद कम आय दर्शाते हुए न्यूनतम आयकर रिटर्न दाखिल किया था, जिससे उसकी अवैध कमाई को छिपाने की मंशा स्पष्ट होती है।तलाशी और जब्ती अभियान के दौरान ईडी ने पांच लग्जरी कारें, बैंक लॉकर, 17 लाख रुपए नकद, कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और इंद्रजीत सिंह यादव व उसके सहयोगियों से जुड़ा अहम डिजिटल डेटा जब्त किया है।

सीएम योगी ने सुनी जनता की फरियाद, कहा– हर समस्या का समाधान होगा, सबकी मदद करेंगे

गोरखपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी सोमवार को जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

लोगों के प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए।

पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी।

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना को मिली गति

आठ माह में प्रदेश भर में जुड़े 9.83 लाख नए पेंशनर

लखनऊ,29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना वर्ष 2025 में सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। समाज कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत बीते आठ माह में प्रदेश भर में 9.83 लाख नए पात्र वृद्धजनों को जोड़ा गया है, जिससे कुल पेंशन लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 67.50 लाख तक पहुंच गई है।समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप वृद्धजनों को सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन देने की दिशा में यह योजना लगातार सशक्त हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर योजना में डिजिटल मॉनिटरिंग, आधार आधारित सत्यापन और सतत निगरानी की व्यवस्था लागू की गई है।

इससे पेंशन वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनी है तथा यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी सहायता सही पात्रों तक ही पहुंचे। 2024 में जहां राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना से 61लाख वृद्धजन लाभान्वित हो रहे थे, 2025 में यह संख्या बढ़कर 67.50 लाख हो गई है। लाभार्थियों में यह वृद्धि योगी सरकार की सामाजिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक संबल दिया जा रहा है।योजना की शुचिता बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा नियमित सत्यापन और समीक्षा की गई। 2024 में 1.77 लाख, जबकि 2025 में 3.32 लाख मृतक और अपात्र लाभार्थियों के नाम पेंशन सूची से हटाए गए।समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक अमरजीत सिंह ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र वृद्धजन पेंशन योजना से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से वर्ष 2025 में 9.83 लाख नए पात्र वृद्धजनों को योजना से जोड़ा गया, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 7.08 लाख थी। अब वृद्धावस्था पेंशन योजना को और अधिक सरल बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत पात्रों की पहचान और सत्यापन फैमिली आईडी 'एक परिवार एक पहचान' प्रणाली के माध्यम से स्वतः किया जाएगा। इससे कोई भी पात्र व्यक्ति 60 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही पेंशन राशि सीधे उसके बैंक खाते में प्राप्त कर सकेगा।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने की अपील, 5 जनवरी तक वृंदावन आने से करें परहेज

मथुरा,29 दिसंबर (एजेंसियां)। बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन की तरफ से भक्तों के लिए अपील जारी की गई है। इस अपील में निवेदन किया गया है कि नए साल के अवसर पर भीड़ अधिक हो सकती है, इसलिए यदि संभव हो तो 5 जनवरी तक वृंदावन आने से परहेज करें। बांके बिहारी मंदिर की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि नववर्ष के अवसर पर मंदिर और आसपास के क्षेत्र में बढ़ने वाले दर्शनार्थियों की भीड़ और होने वाली असुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए 29 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक यदि संभव हो तो वृंदावन आने से परहेज करें; अति आवश्यक होने पर ही यात्रा कार्यक्रम बनाएं। इसके साथ ही सभी बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों से अनुरोध है कि वे वृंदावन आने से पहले स्थिति का आंकलन जरूर कर लें। संभव हो तो इस दौरान यात्रा से परहेज करें। इसके साथ ही कहा गया है कि श्रद्धालु अपने साथ किसी भी प्रकार का बैग अथवा कीमती सामान न लाएं।

मंदिर में अनावश्यक समस्याओं से बचने के लिए निर्धारित प्रवेश और निकास मार्ग का ही प्रयोग करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर की जा रही घोषणाओं को ध्यानपूर्वक सुनने और उनका पालन करने की सलाह दी गई है।

मंदिर की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि मंदिर में आने-जाने का रास्ता और गेट अलग-अलग रहेंगे। अनावश्यक समस्याओं से बचने हेतु श्रद्धालु जूता, चप्पल पहनकर मंदिर की तरफ न आएं। जूता और चप्पल की व्यवस्था मंदिर की तरफ से मंदिर से जुड़ने वाले सभी मुख्य मार्गों पर की गई है।

गौतमबुद्ध नगर में घने कोहरे और शीतलहर का कहर, 1 जनवरी तक सभी स्कूल बंद

नोएडा,29 दिसंबर (एजेंसियां)। गौतमबुद्ध नगर में बढ़ते प्रदूषण, घने कोहरे और कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर के निर्देश पर बोर्ड से मान्यता प्राप्त जिले के सभी स्कूलों को चार दिनों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश रविवार देर रात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, जनपद में संचालित सभी मान्यता प्राप्त स्कूल (चाहे सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, यूपी बोर्ड या कोई भी बोर्ड हो) नर्सरी से 12वीं कक्षा तक 1 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय घने कोहरे, अत्यधिक ठंड और बच्चों के स्वास्थ्य

पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि परिषदीय, अशासकीय और राजकीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाएं और कर्मचारी यथावत विद्यालय में उपस्थित रहेंगे और अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रविवार देर रात आदेश जारी होने के कारण सोमवार सुबह स्थिति थोड़ी अव्यवस्थित रही।

कई निजी स्कूलों को समय पर सूचना नहीं मिल सकी, जिसके चलते कुछ स्कूल खुले रहे और बच्चों तथा शिक्षकों को सुबह स्कूल पहुंचने के बाद बंद होने की जानकारी दी गई।

कई अभिभावकों ने भी देर रात आदेश जारी होने पर सवाल उठाए और कहा कि यदि आदेश पहले जारी होता तो बच्चों को सुबह ठंड और कोहरे में स्कूल भेजने की नौबत नहीं आती।

गौरतलब है कि इन दिनों एनसीआर समेत गौतमबुद्ध नगर में तापमान लगातार गिर रहा है और सुबह के समय घना कोहरा छाया रहता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसे में जिला प्रशासन का यह निर्णय बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं ने रची विकास की कहानी

छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति से पिछड़े वर्ग के छात्रों की शिक्षा को मिला सहारा

लखनऊ,29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 में पिछड़ा वर्ग कल्याण को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण–तीनों क्षेत्रों में सरकार की योजनाएं न केवल निरंतर चलीं, बल्कि लाभार्थियों की संख्या और बजट के लिहाज से पहले से अधिक प्रभावी साबित हुईं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के आधिकारिक आंकड़े यह प्रमाणित करते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियां सीधे तौर पर समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग कल्याण महज योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, सम्मान और कौशल के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का मजबूत माध्यम बना है। योगी सरकार की यह नीति-आधारित और परिणाम-केंद्रित कार्यशैली ही उत्तर प्रदेश को सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में आगे ले जा रही है। 2025-26 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवधि में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 6 लाख 90 हजार 349 छात्रों को 147.75 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। वहीं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से 5 लाख 85 हजार 954 छात्रों को 175.54 करोड़ रुपये

प्रदान किए गए। इस तरह केवल 2025 में ही 12 लाख 76 हजार 303 विद्यार्थियों को 323.29 करोड़ रुपये की सीधी मदद मिली।

योगी सरकार ने नौ वर्षों में कुल 2 करोड़ 20 लाख 29 हजार 760 छात्रों को 13,858.62 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की। शादी अनुदान योजना है।23 दिसंबर तक पिछड़ा वर्ग की 72 हजार 296 बेटियों को इस योजना के तहत 144.59 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया। पूर्व वर्षों में भी यह योजना लगातार मजबूत होती रही। 2019-20 और 2024-25 में एक-एक लाख बेटियों को 200-200 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। नौ वर्षों में योगी सरकार ने शादी अनुदान योजना के तहत कुल 6 लाख 47 हजार 863 लाभार्थियों को 1,295.72 करोड़ रुपये की मदद पहुंचाई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुखी बनाने की रही है। 23 दिसंबर तक कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत 18,159 बालकों और 4,233 बालिकाओं, 22,392 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिस पर 19.18 करोड़ रुपये खर्च किए गए। बीते वर्षों में यह योजना लगातार विस्तार पाती रही। 2017-18 में जहां 9,431 युवाओं को प्रशिक्षण मिला था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 29,769 युवाओं तक पहुंच गई। नौ वर्षों में कुल 1 लाख 62 हजार 046 युवाओं को 154.56 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल रूप से प्रशिक्षित किया गया। इनमें ओ लेवल सर्टिफिकेट के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की संख्या एक लाख, 1139 रही, जबकि सीसीसी सर्टिफिकेट के प्रशिक्षणार्थियों की संख्या 60,907 रही। इस योजना के अंतर्गत अन्य पिछड़े वर्ग के इंटरमीडिएट पास बेरोजगार युवक और युवतियों को जिनके माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय एक लाख तक या उससे कम है को भारत सरकार की नीलिट से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करना है। इन सभी योजनाओं में लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से लाभ प्रदान किया गया, जिससे पारदर्शिता में वृद्धि हुई और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हो गई।

ग्रेटर नोएडा में घरेलू विवाद: पति ने पत्नी को चाकू मारकर की हत्या, फिर खुद लगाई फांसी

ग्रेटर नोएडा,29 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा से एक सनसनीखेज और हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। थाना बिसरख क्षेत्र अंतर्गत सरस्वती कुंज इलाके में घरेलू क्लेश के चलते एक पति ने पहले अपनी पत्नी की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी और उसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना 28 दिसंबर की बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान अनिल पुत्र जोगेंद्र पाल (35), निवासी सकरौली, जनपद एटा के रूप में हुई है। अनिल अपनी पत्नी अनीता (32) के साथ पिछले करीब एक महीने से सरस्वती कुंज, बिसरख में किराए के मकान में रह रहा था। अनिल एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था, जबकि

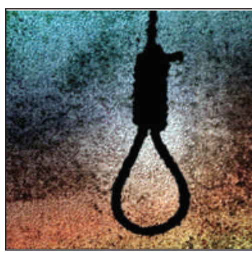

उसकी पत्नी अनीता आसपास के इलाकों में साफ-सफाई का काम करके परिवार का भरण-पोषण कर रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। रविवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि अनिल ने आपा खो दिया। गुस्से में आकर उसने पहले अनीता के साथ मारपीट की और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। अनीता की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी की हत्या करने के बाद अनिल ने भी घर के अंदर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी आसपास के लोगों को तब हुई, जब काफी देर तक घर से कोई हलचल नहीं हुई। इसके बाद, पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिसरख थाना पुलिस ने दरवाजा खोलकर देखा तो अंदर का दृश्य बेहद भयावह था। एक तरफ अनीता का खून से लथपथ शव पड़ा था, जबकि दूसरी ओर अनिल फंदे से लटका हुआ मिला।

पुलिस ने तत्काल फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कराया। आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए और दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में मामला घरेलू कलह का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

कोडीन कफ सिरप का गैर-चिकित्सीय उपयोग सिद्ध, जांच के घेरे में 700 करोड़ से अधिक की संदिग्ध आपूर्ति

लखनऊ,29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले पौने 9 वर्षों में अवैध नशे के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की है। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ताबड़तोड़ एक्शन ने अवैध नशे के सौदागरों की कमर तोड़ दी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) को कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं एनडीपीएस श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण तथा अवैध डायवर्जन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। सीएम योगी के निर्देश पर तीन महीने पहले अभियान शुरू किया गया। विभाग ने कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध डायवर्जन को लेकर देश का सबसे बड़ा क्रैकडाउन शुरू करने से पहले अंदरुनी गहन जांच शुरू की। इस दौरान झारखंड, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में विवेचना की गई और यूपी के सुपर स्टॉकिस्ट और होलसेलर के साथ उनके कारोबारी रिश्तों के सबूत जुटाए। इसके बाद प्रदेश में क्रैकडाउन शुरू हुआ, जिसने सिरप के अवैध डायवर्जन की परतें उधेड़ दीं। एसएसडीए की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस और एसटीएफ ने नशे के सौदागरों को दबोचने के लिए एक्शन शुरू किया। सीएम के निर्देश पर सिरप का नशे के रूप में इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एनडीपीएस और बीएनएस के तहत मुकदमे दर्ज किये गये। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा चलाने को सही ठहराते हुए 22 मामलों में आरोपियों की रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने 22 मामलों में आरोपियों द्वारा अरेस्ट स्टे की रिट याचिकाओं को भी खारिज कर दिया।

एफएसडीए ने पिछले तीन माह में कोडिनयुक्त कफ सिरप और एनडीपीएस श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण तथा अवैध डायवर्जन पर कुल 52 जनपदों में 332 से अधिक थोक औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों की जांच की। जांच के दौरान प्राप्त अभिलेखीय एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 36 जनपदों की कुल 161 फर्मों/संचालकों के विरुद्ध बीएनएस तथा एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई। वहीं, जिलाधिकारियों को गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के लिए पत्र लिखा ताकि अवैध नशे से अर्जित संपत्ति को जब्त किया जा सके।

सीएम योगी के निर्देश पर एफएसडीए ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की नशे के रूप में तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की, जो पूरे देश में सबसे बड़ा क्रैकडाउन है। एफएसडीए आयुक्त ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए जनपद स्तर पर कई टीमें बनाईं। टीमों की निगरानी के लिए मुख्यालय पर एक टीम बनाई गई। विभिन्न टीमें जांच के लिए विभिन्न प्रदेशों में गईं और गोपनीय तरीके से साक्ष्य जुटाए। टीम ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, ग्वालियर, मध्य प्रदेश से कोडीन फॉस्फेट का कोटा एवं उठान के विवरण को एकत्रित किया।

टीम ने कोडीनयुक्त कफ सिरप निर्माता फर्मों की जांच के लिए हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड का दौरा किया। यहां से सिरप के निर्माण और वितरण से संबंधित अभिलेख जुटाए। इसके बाद सिरप के क्रय-विक्रय अभिलेख के लिए रांची, दिल्ली और लखनऊ का रुख किया। इस दौरान पाया गया कि अधिकांश होलसेल के पास स्टॉक पहुंचने का सत्यापन नहीं है और रिटेल मेडिकल स्टोर के नाम पर कोई भी विक्रय बिल नहीं मिला, जबकि दिल्ली और रांची के सुपर स्टॉकिस्ट और इनसे जुड़े कुछ चिन्हित होलसेलर के नाम पर बिलिंग करके सिरप के साथ एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं की एक समानांतर वितरण श्रृंखला बनाई गई।

बाद में, पूरी चेन को कनेक्ट किया गया और फिर सिरप के अवैध डायवर्जन का मामला सामने आया। कई मामलों में फर्में विक्रय बिल प्रस्तुत करने में असफल रहीं, जबकि कुछ फर्मों द्वारा केवल कागजी अभिलेखों में सिरप का क्रय-विक्रय दर्शाया गया। प्रस्तुत विक्रय विवरणों में भी किसी भी फुटकर औषधि प्रतिष्ठान को कोडीनयुक्त कफ सिरप की वास्तविक आपूर्ति का सत्यापन नहीं हो सका, जिससे कथित आपूर्ति को अप्रमाणित पाया गया। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में कोडीनयुक्त कफ सिरप की आपूर्ति वास्तविक चिकित्सीय आवश्यकता से कई गुना अधिक पाई गई।

जांच में ऐबोट हेल्थ केयर द्वारा निर्मित फेन्सिडिल की 2.23 करोड़ से अधिक बोतलें, लैबोरेट फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित एस्कॉफ की 73 लाख से अधिक बोतलें तथा अन्य कंपनियों द्वारा निर्मित लगभग 25 लाख बोतलों की आपूर्ति दर्ज मिली, जिनका चिकित्सीय उपयोग प्रमाणित नहीं हो सका।

एफएसडीए ने सीएम और पुलिस को रिपोर्ट सौंपी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर पुलिस और एसटीएफ ने 79 अभियोग दर्ज किये। इसमें अब तक 85 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। वर्तमान में एक्शन चल रहा है। वहीं, मामले में गठित एसआईटी भी जांच कर रही है। जानकारों की मानें तो अगले माह एसआईटी जांच रिपोर्ट सीएम को सौंप सकती है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर एफएसडीए मुख्यालय द्वारा थोक औषधि विक्रय लाइसेंसिंग प्रणाली को और अधिक सख्त व पारदर्शी बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें थोक प्रतिष्ठान की जीओ टैगिंग, भंडारण क्षमता की पुष्टि और इनकी फोटोग्राफ कराने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, प्रतिष्ठान के टेक्निकल पर्सन के अनुभव प्रमाण पत्र को ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा सत्यापित करने का भी प्रस्ताव भेजा गया है। कोडीनयुक्त कफ सिरप के निर्माण, बल्क सप्लाई, वितरण एवं निगरानी के लिए भारत सरकार से आवश्यक अधिसूचना एवं दिशा-निर्देश जारी करने के लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

वेलिंगटन,29 दिसंबर (एजेंसियां) । न्यूजीलैंड क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी आलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 35 वर्षीय ब्रेसवेल ने आखिरी बार साल 2023 में न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट मैच खेला था। लगातार पसली (रिब) की गंभीर चोट से जूझ रहे ब्रेसवेल इस सीजन सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए भी मैदान से बाहर रहे, जिसके चलते उन्होंने यह कठिन फैसला लिया।

डग ब्रेसवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 2011 से 2023 के बीच 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उनके करियर का सबसे यादगार पल दिसंबर 2011 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ होबार्ट टेस्ट में आया, जो उनका महज तीसरा टेस्ट मैच था। इस मुकाबले में ब्रेसवेल ने 9 विकेट देकर 60 रन के शानदार आंकड़े दर्ज करते हुए न्यूजीलैंड को आस्ट्रेलिया में 26 साल बाद टेस्ट जीत दिलाई थी। यह आज तक आस्ट्रेलिया में न्यूजीलैंड की आखिरी टेस्ट जीत भी है।

तेज-मध्यम गति के गेंदबाज ब्रेसवेल ने टेस्ट क्रिकेट में 28 मैचों में 74 विकेट लिए, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में उन्होंने कुल 46 विकेट अपने नाम किए। संन्यास की घोषणा करते हुए ब्रेसवेल ने कहा कि क्रिकेट उनके जीवन का गर्वित हिस्सा रहा है और देश व घरेलू टीम के लिए खेलने का मौका मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात रही।

डग ब्रेसवेल एक प्रतिष्ठित क्रिकेट परिवार से आते हैं। उनके पिता ब्रेंडन और चाचा जान ब्रेसवेल न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि जान ब्रेसवेल कई बार राष्ट्रीय टीम के कोच भी रह चुके हैं। उनके अन्य चाचा डगलस और मार्क ने भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला है। ब्रेसवेल ने अपने कज़िन माइकल ब्रेसवेल के साथ दो वनडे और एक टेस्ट मैच खेला, जो आगामी भारत दौरे पर न्यूजीलैंड की वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। घरेलू क्रिकेट में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के अलावा ब्रेसवेल ने आईपीएल 2012 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), 20 2024 में जाबर्ग सुपर किंग्स और इसी साल ग्लोबल सुपर लीग में सेंट्रल स्टैग्स का प्रतिनिधित्व किया। डग ब्रेसवेल अपने करियर का अंत एक खास उपलब्धि के साथ कर रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 4000 से ज्यादा रन बनाए और 400 से अधिक विकेट लिए।

न्यूज़ ब्रीफ

एकलव्य कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के खिलाडियों ने मचाया धमाल

मुरादाबाद। हरिद्वार में 27 व 28 दिसम्बर को आयोजित हुई चतुर्थ एकलव्य कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद की ताइक्वांडो अकेडमी के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुरादाबाद की आरबीए ताइक्वांडो अकेडमी, खान ताइक्वांडो अकेडमी, रियल वारियर ताइक्वांडो अकेडमी और शिशु वाटिका अकेडमी ने मिलकर 6 स्वर्ण, 2 रजत, और 4 कांस्य पदक जीतकर अपना दबदबा बनाया और मुरादाबाद का नाम रोशन किया। हेड कोच तकी इमाम ने सोमवार को बताया कि एकलव्य कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद की शिवानी पाल, कार्तिक, शिवा राणा, दिव्यांशी रघुवंशी, आदित्य व प्रिया लोधी स्वर्ण पदक जीता। साकिब पाशा व आदर्श ठाकुर रजत पदक जीता, मनीष, दक्ष, सैयद मो हाशमी व अमन कांस्य पदक जीता। यह सभी विजेता खिलाडी 28 दिसंबर रात्रि मुरादाबाद पहुंच गए थे। इन सभी का एकेडमी में स्वागत अभिनंदन किया गया। हेड कोच तकी इमाम द्वारा विजेताओं खिलाड़ियों और मुरादाबाद के कोच अमन, नोमान, वासित, मोहसिन को बधाई दी।

एशेज सीरीज का सिडनी टेस्ट खेलेंगे उस्मान ख्वाजा, आस्ट्रेलियाई कोच ने लगाया अटकलों पर विराम

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अनुभवी बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड

(एससीजी) में खेलेंगे और यह उनका आखिरी टेस्ट मैच नहीं होगा। हाल के दिनों में मीडिया में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सिडनी टेस्ट ख्वाजा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। 39 वर्षीय ख्वाजा मौजूदा आस्ट्रेलियाई टीम के सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी हैं। टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए हाल के मैचों में उनका बल्लेबाजी क्रम बदला गया, जिसके बाद उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लगे थे। ट्रैविस हेड को ओपनर बनाए जाने के बाद ख्वाजा ने तीसरे एडिलेड टेस्ट में नंबर-4 और मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में नंबर-5 पर बल्लेबाज़ी की। हालांकि, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने इन सभी अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने ख्वाजा के भविष्य को लेकर उनसे कोई बातचीत नहीं की है। मैकडोनाल्ड ने सोमवार को मेलबर्न में मीडिया से कहा, मेरी तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं है कि वह सिडनी में अपना करियर खत्म करने जा रहे हैं। इस कैलेंडर वर्ष में उनका प्रदर्शन चयन के योग्य रहा है, इसलिए वह सिडनी टेस्ट में खेलेंगे। ख्वाजा ने भी अपने भविष्य को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। सिडनी टेस्ट से पहले वह परिवार के साथ समय बिताने के लिए क्वींसलैंड लौट गए हैं। यह टेस्ट मुकाबला 4 जनवरी से शुरू होगा। एशेज में अब तक का प्रदर्शन 87 टेस्ट मैच खेल चुके उस्मान ख्वाजा को इस एशेज सीरीज़ के पहले टेस्ट (पर्थ) में पीठ में ऐंठन की समस्या हुई थी, जिसके चलते वह ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए एडिलेड टेस्ट में 82 रन की अहम पारी खेली, जिससे आस्ट्रेलिया ने सीरीज़ दो मैच शेष रहते ही अपने नाम कर ली।

भूटान के सोनम येशे ने रचा इतिहास टी-20 क्रिकेट में 8 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

गेलेफू (भूटान)। भूटान के बाएं हाथ के स्पिनर सोनम येशे ने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। 22 वर्षीय सोनम येशे टी-20 क्रिकेट में 8 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज़ बन गए हैं। यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होंने म्यांमार के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हासिल की।

सोनम येशे ने गेलेफू में खेले गए इस मैच में 4 ओवर में महज 7 रन देकर 8 विकेट झटके, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल रहा। उनका इकोनामी रेट सिर्फ 1.75 का रहा। भूटान क्रिकेट ने इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा, यादगार स्पेल! सोनम येशे का 4 ओवर में 8/7 का अविश्वसनीय प्रदर्शन विश्व रिकार्ड बन गया। सोनम येशे की घातक गेंदबाज़ी के सामने म्यांमार की पूरी टीम 45 रन पर सिमट गई, जबकि वह 128 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। भूटान ने यह मुकाबला 82 रन के बड़े अंतर से जीत लिया।

अनुभव और युवा जोश के साथ मैदान में उतरेंगी एचआईएल जीसी और कलिंगा लांसर्स की टीमें

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां) । पुरुषों की हीरो हाकी इंडिया लीग (एचआईएल) एक बार फिर रोमांचक सीज़न के साथ वापसी कर रही है। आगामी 2026 सत्र से पहले एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम (एचआईएल जीसी) और वेदांता कलिंगा लांसर्स अपनी-अपनी मजबूत टीम संरचना के दम पर प्लेआफ में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। दोनों टीमों के पास अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ युवा भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है।

एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीमः संतुलन और अनुभव की ताकत

2026 सीज़न से पहले एचआईएल गवर्निंग काउंसिल ने यूपी रुद्रास फ्रेंचाइज़ी से संचालन अपने हाथ में लिया है, ताकि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए निरंतरता बनी रहे। टीम अपना अभियान 5 जनवरी को एसजी पाइपर्स के खिलाफ शुरू करेगी। टीम की कमान हार्दिक सिंह के हाथों में होगी। गोलकीपिंग विभाग में इंग्लैंड के जेम्स मज़ारेलो और भारत के प्रशांत कुमार चौहान जैसे भरोसेमंद विकल्प मौजूद हैं। डिफेंस में भारत के अनुभवी सुरेंद्र कुमार (178 अंतरराष्ट्रीय मैच) और न्यूज़ीलैंड के केन रसेल (200 से अधिक सीनियर कैप्स) अहम भूमिका निभाएंगे। इनके अलावा ग्रेट ब्रिटेन के जेम्स अल्बेरी, भारत के प्रसांत बर्ला, जसजीत सिंह कुलार, मोहम्मद हारिस और तालेम प्रियबर्ता बैकलाइन को मजबूती देंगे। मिडफील्ड में कप्तान हार्दिक सिंह के साथ मनमीत सिंह टीम की धुरी होंगे, जिन्होंने हाल ही में भारत में खेले गए एफआईएच हाकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप में छह गोल किए थे। इनके साथ राहुल यादव और आयरलैंड के अनुभवी मिडफील्डर डैराघ वाल्श भी मौजूद रहेंगे। आक्रमण पंक्ति में भारत के ललित कुमार उपाध्याय (67 अंतरराष्ट्रीय गोल) और ग्रेट ब्रिटेन के सैम वार्ड (216 अंतरराष्ट्रीय गोल) सबसे बड़े हथियार होंगे। इनके अलावा गुरजोत सिंह, सुदीप चिरमाको, अजीत यादव, बेल्जियम के तांगुई कोसिंस और न्यूज़ीलैंड के साइमन यार्स्टन टीम के आक्रमण को और धार देंगे। वेदांता कलिंगा लांसर्स: मजबूत डिफेंस और अंतरराष्ट्रीय अनुभव वेदांता कलिंगा लांसर्स पिछले सीज़न में छठे स्थान पर रही थी और इस बार टीम मजबूत डिफेंस के दम पर बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य लेकर उतरेगी। गोलपोस्ट की जिम्मेदारी भारत के नंबर-1 गोलकीपर कृष्णन बी पाठक और आस्ट्रेलिया के जेड स्नोडन संभालेंगे।

डिफेंस में बेल्जियम की स्टार तिकड़ी—आर्थर वैन डोरेन (सह-कप्तान), अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और एंटोनी कीना—टीम की सबसे बड़ी ताकत होगी। इनके साथ भारत के संजय (सह-कप्तान) अपने नेतृत्व और ड्रैगफ्लिकिंग कौशल से टीम को दिशा देंगे। सुनील पीबी, प्रताप लकड़ा और रोहित कुल्लू भी डिफेंस को और मजबूत करेंगे।

मिडफील्ड में आस्ट्रेलिया के युवा खिलाड़ी लियाम हेंडरसन और क्रेग माराइस के साथ भारत के रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अमित कुमार टोप्पो और रोसन कुजूर टीम को संतुलन देंगे। फारवर्ड लाइन में भारत के दिलप्रीत सिंह, बाबी सिंह धामी, अंगद बीर सिंह और गुरसाहिबजीत सिंह के साथ आस्ट्रेलिया के कूपर बर्न्स टीम की आक्रमण शक्ति बढ़ाएंगे। वेदांता कलिंगा लांसर्स अपना पहला मुकाबला 4 जनवरी 2026 को रांची रायल्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम (स्क्वाड)

जेम्स मज़ारेलो (ग्रेट ब्रिटेन), प्रशांत कुमार चौहान, जेम्स अल्बेरी (ग्रेट ब्रिटेन), जसजीत सिंह कुलार, मोहम्मद हारिस, सुरेंद्र कुमार, केन रसेल (न्यूज़ीलैंड), प्रसांत बर्ला, तालेम प्रियबर्ता, हार्दिक सिंह, मनमीत सिंह, राहुल यादव, डैराघ वाल्श (आयरलैंड), साइमन यार्स्टन (न्यूज़ीलैंड), अजीत यादव, सुदीप चिरमाको, सैम वार्ड (ग्रेट ब्रिटेन), तांगुई कोसिंस (बेल्जियम), गुरजोत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय।

वेदांता कलिंगा लांसर्स (स्क्वाड)

जेड स्नोडन (आस्ट्रेलिया), कृष्णन बी पाठक, सुनील पीबी, एंटोनी कीना (बेल्जियम), प्रताप लकड़ा, आर्थर वैन डोरेन (बेल्जियम), रोहित कुल्लू, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (बेल्जियम), संजय, क्रेग माराइस (आस्ट्रेलिया), रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अमित कुमार टोप्पो, लियाम हेंडरसन (आस्ट्रेलिया), रोसन कुजूर, गुरसाहिबजीत सिंह, कूपर बर्न्स (आस्ट्रेलिया), अंगद बीर सिंह, दीपक प्रधान, दिलप्रीत सिंह, बाबी सिंह धामी।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025 : रोनाल्डो को बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर अवार्ड, पीएसजी को मिले कई अवार्ड

दुबई,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सऊदी प्रो लीग क्लब में अल-नसर टीम की ओर से खेल रहे पुर्तगाल के स्टार फुटबाल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को ग्लोब साकर अवार्ड्स 2025 के दौरान बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर खुशी जताते हुए रोनाल्डो ने कहा कि इस खेल के प्रति उनकी दीवानगी बनी हुई है। उनका लक्ष्य अभी अपने करियर में 1,000 गोल दागना है।

यह अवार्ड सऊदी प्रो लीग क्लब में उनका प्रभाव दिखाता है क्योंकि उन्हें लगातार दूसरे साल ये समान मिला है। रोनाल्डो ने हाल ही में अल नसर की ओर से दो गोल दागकर अपने क्लब और पुर्तगाल की ओर से कुल गोल की संख्या 956 तक पहुँचा दी है। ऐसे में अब वह एक या दो साल में 1,000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। रोनाल्डो ने अवार्ड लेते समय कहा, बढ़ती उम्र में खेलना कठिन है पर मैं प्रेरित हू। मेरा जुनून अभी भी बना हुआ है और मैं खेल जारी रखना चाहता हू। चाहे मैं मध्य पूर्व में खेलूं या यूरोप में, मुझे हमेशा फुटबाल खेलना पसंद है। इस खिलाड़ी ने कहा कि उनका ध्यान अभी भी ट्राफी जीतने पर है और लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह पूरी मेहनत कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर वह फिट रहे तो 1000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। इस अवार्ड समारोह में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के खिलाड़ी छाये रहे। उसके खिलाड़ी उस्माने डेम्बेले को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी,वहीं एटाना बानमाटे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया । वहीं पीएसजी के ही लुइस एनरिके को सर्वश्रेष्ठ कोच, विटिंहा को सर्वश्रेष्ठ बेस्ट मिडफील्डर, लामिने यमाल को सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड व डेज़िरी डाउ को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर आफ द ईयर का अवार्ड मिला।

ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने दिया खेल का अद्भुत डेमोंस्ट्रेशन

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में चतुर्थ वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि शशिमोहन रस्तोगी व जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली द्वारा किया गया। थापा ताइक्वांडो एकेडमी के खिलाड़ियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए व ताइक्वांडो खेल का अद्भुत डेमोंस्ट्रेशन दिया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी थापा ताइक्वांडो एकेडमी के होनहार खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें झलक गुप्ता, पलक शर्मा, आदित्य सिंह और ऋषिता सैनी को इस वर्ष के सबसे ज्यादा पदक विजेता होने पर प्रोत्साहन दिया गया। जबकि आदित्य सिंह को इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने पर ट्राफी व उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ सहायक कोच में प्रियांशु रस्तोगी, वैष्णवी शर्मा, हाकैमिन हसीब व यशोदा थापा को भी उपहार देकर सम्मानित किया। थापा ताइक्वांडो एकेडमी के कोच केशव थापा ने बताया कि थापा ताइक्वांडो एकेडमी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करता है, जो खिलाड़ियों का अधिकार है। आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। इस अवसर पर अभिभावकों सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

आईसीसी ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट के लिए तैयार मेलबर्न पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां) । एशेज 2025-26 सीरीज के चौथे टेस्ट के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की पिच को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने असंतोषजनक' रेटिंग दी है। इस पिच को लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों ने भी कड़ी आलोचना की थी।

बाक्सिंग डे टेस्ट महज़ दो दिनों के भीतर समाप्त हो गया, जिसमें इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। यह पिछले 15 वर्षों में आस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत रही। हालांकि, इस हार के बावजूद आस्ट्रेलिया सीरीज़ में 3-1 से आगे है।

आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में असंतोषजनक' तीसरी श्रेणी मानी जाती है। आईसीसी के अनुसार, इस श्रेणी की पिच वह होती है जो बल्ले और गेंद के बीच संतुलित मुकाबला नहीं होने देती, और गेंदबाज़ों को जरूरत से ज्यादा मदद देती है, जिससे सीम या स्पिन दोनों के लिए अत्यधिक विकेट लेने के मौके बनते हैं।

गौरतलब है कि मेलबर्न की यही पिच पिछले तीन बाक्सिंग डे टेस्ट मुकाबलों में आईसीसी से बहुत अच्छी' रेटिंग हासिल कर चुकी थी, लेकिन इस बार वह मानकों पर खरी नहीं उतर सकी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के चीफ आफ क्रिकेट जेम्स आलसाप ने इस पर निराशा जताते हुए कहा, हमें उन दर्शकों के लिए निराशा हुई जिनके पास तीसरे और चौथे दिन के टिकट थे,साथ ही आस्ट्रेलिया और दुनिया भर में मौजूद उन लाखों प्रशंसकों के लिए भी, जो इस मुकाबले को देखने के लिए उत्साहित थे। पिच एमसीजी की परंपरागत पहचान, यानी बल्ले और गेंद के बीच संतुलन, नहीं दे सकी।

मैच के बाद पिच क्यूरेटर मैट पेज ने भी अपनी नाराज़गी और हैरानी जाहिर की।

उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह सदमे में था। मैंने कभी ऐसा टेस्ट मैच नहीं देखा और उम्मीद करता हूं कि आगे कभी ऐसा अनुभव न हो। दो दिनों तक जो कुछ हुआ, वह किसी रोलर-कोस्टर से कम नहीं था। मेलबर्न टेस्ट की पिच पर उठे इन सवालों के बाद अब क्रिकेट जगत में पिच की गुणवत्ता और टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर एक बार फिर बहस तेज़ हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने पर बोलीं स्मृति मंधाना-हर मैच की शुरुआत शून्य से होती है

तिरुवनंतपुरम,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वह यह मुकाम हासिल करने वाली दूसरी भारतीय और दुनिया की चौथी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने यह कीर्तिमान श्रीलंका के खिलाफ रविवार को पांच मैचों की सीरीज़ के चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में हासिल किया।

बाएं हाथ की इस बल्लेबाज़ ने इस उपलब्धि के साथ मिताली राज, सूजी बेट्स और चार्लोट एडवर्ड्स जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। भारतीय खिलाड़ियों में उनसे पहले केवल मिताली राज ही 10 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकी थीं।

तीनों फार्मेट में शानदार रिकार्ड

टेस्ट क्रिकेट में स्मृति मंधाना ने अब तक 7 मैचों की 12 पारियों में 629 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 57.18 का रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 3 अर्धशतक जड़े हैं। वनडे क्रिकेट में मंधाना ने 117 मैचों में 5,322 रन बनाए हैं। उनका औसत 48.38 का है और उनके नाम 14 शतक व 34 अर्धशतक दर्ज हैं। वह वनडे में छठी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज़ हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मंधाना ने 157 मैचों की 151 पारियों में 4,102 रन बनाए हैं। इस फार्मेट में उनका

औसत 29.94, स्ट्राइक रेट 124.22, एक शतक और 32 अर्धशतक हैं। वह टी-20द्ध में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज़ हैं।

चौथे टी-20 में शानदार पारी

श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 में मंधाना ने 48 गेंदों में 80 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 11 चौके और 3 छक्के लगाए। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 221/2 बनाया। जवाब में भारतीय महिला टीम ने लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए श्रीलंका को 30 रन से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने सीरीज़ में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली।

10 हजार रन पूरे करने के बाद स्मृति मंधाना ने कहा, क्रिकेट में हर बार आपको शून्य से शुरुआत करनी होती है। स्कोरबोर्ड हमेशा 0/0 से शुरू होता है। यह कभी मायने नहीं रखता कि आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज़ में क्या किया है। उन्होंने आगे कहा कि तीनों फार्मेट में उनकी मानसिकता अलग-अलग रहती है। उन्होंने कहा, टी-20 में आप खुद पर ज़्यादा सख्त नहीं हो सकते, क्योंकि यहां खेल की रफ्तार तेज़ होती है। कुछ दिन आपके होते हैं और कुछ दिन नहीं, लेकिन वनडे और टेस्ट में मैं खुद पर काफ़ी सख्त रहती हूं, क्योंकि वहां आपके पास समय होता है और जल्दी आउट होना मुझे गलत लगता है।

मंधाना ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतना रहा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस साल टीम ने उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन युवा टीम लगातार सुधार की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी टीम अभी युवा है और वर्क इन प्रोग्रेस है। जीत ज़रूरी है, लेकिन सिर्फ सफलता के बारे में सोचना सही नहीं। हार से भी सीख मिलती है।

भारत में क्विक कॉमर्स ने बदल दी खुदरा खरीदारी की तस्वीर

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)।

2025 में भारत के खुदरा परिदृश्य में बुनियादी बदलाव आया है। पारंपरिक ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स का एकीकरण अब योजनाबद्ध खरीदारी और तत्काल जरूरतों के बीच की दूरी लगभग समाप्त कर चुका है। शुरुआत में सिर्फ 10 मिनट में किराना पहुंचाने की पहल बहु-अरब डॉलर के उद्योग में बदल चुकी है। अब उपभोक्ता यह नहीं सोचते कि क्या यह पहुंचेगा बल्कि सवाल होता है कि कितने मिनट में पहुंचेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार क्विक कॉमर्स भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला खुदरा प्रारूप बन गया है। 150 से अधिक शहरों में इसका 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता आधार है। घरेलू आय में वृद्धि और सुविधा को

150 से अधिक शहरों में 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता

प्राथमिकता देने वाले शहरी वर्ग के लिए यह पसंदीदा खरीद माध्यम बन गया है।

अमेज़न और फ्लिपकार्ट ने एमेजान नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी सेवाओं की शुरुआत की है, जो 30 मिनट से कम में आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं। तेज आपूर्ति अब उद्योग का नया मानक बन चुकी है। डार्क स्टोर अब छोटे मोहल्ला केंद्रों से विकसित होकर 10,000-12,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले मेगापॉड्स में बदल गए हैं। इन बड़ी इकाइयों में 50,000 से अधिक वस्तुएँ स्टोर की जा सकती हैं, जिससे महंगी वस्तुएं भी मिनटों में पहुंचाई जा सकती हैं। 2026 में बाजार में और अधिक एकीकरण, श्रेणियों का विस्तार और नियामकीय संतुलन देखने को मिलेगा। शीर्ष कंपनियां अपनी स्थिति मजबूत करेंगी और तेज आपूर्ति की श्रेणी और बढ़ेगी।

जी राम जी से राज्यों को 17,000 करोड़ होगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नया कानून विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) लागू किया है। इसके तहत हर ग्रामीण परिवार को अब साल में 125 दिन काम की गारंटी मिलेगी, जो पहले 100 दिन थी। इससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। नए नियमों के अनुसार, सामान्य राज्यों में खर्च का वितरण केंद्र 60 फीसदी, राज्य में 40 फीसदी होगा। जबकि पूर्वोत्तर, हिमालयी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र सरकार 90 फीसदी खर्च उठाएगी। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव से राज्यों को कुल मिलाकर लगभग 17,000 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ होने की उम्मीद है। धारा 6 के तहत खेती के व्यस्त समय में राज्य सरकारें साल में अधिकतम 60 दिन काम को नियंत्रित कर सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो ने खराब मौसम की वजह से पूरे नेटवर्क में 80 उड़ानें रद्द कर दीं

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में घने कोहरे और ठंड का प्रकोप जारी है। कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई है, जिसका असर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) सहित कई अन्य एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित हुई है। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को विभिन्न हवाई अड्डों पर 'खराब मौसम' का हवाला देते हुए अपनी 80 उड़ानें रद्द कर दीं है। एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार मुंबई, बेंगलुरु, कोचीन, हैदराबाद, कोलकाता, अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, देहरादून, इंदौर, पटना और भोपाल जैसे दूसरे एयरपोर्ट से आने-जाने वाली फ्लाइट्स भी रद्द कर दी गई हैं। दरअसल, सर्दियों और घने कोहरे की चादर ने भारत के आसमान पर अपना साया डाल दिया, जिससे इंडिगो को अपने घरेलू नेटवर्क पर 80 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं और हजारों यात्रियों के ट्रैवल प्लान खराब हो गए। इंडिगो ने कोहरे और शीतलहर के कारण यात्रा परामर्श जारी किया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि दिल्ली और उत्तरी भारत के कई एयरपोर्ट पर अभी भी कोहरे की स्थिति बनी हुई है और विजिबिलिटी में फिलाहल पूरी तरह सुधार नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप फ्लाइट मूवमेंट पर पहले हुआ असर दोपहर तक जारी रहने की संभावना है और कुछ देरी हो सकती है।

केंद्र सरकार ने दो नई शिपबिल्डिंग योजनाएं लॉन्च कीं, योजनाओं पर होगा 44,700 करोड़ से अधिक का निवेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाने और भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दो अहम योजनाओं का ऐलान किया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ये योजनाएं हैं- शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम (एसबीएफएएस) और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस)। इन दोनों पर कुल 44,700 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। एसबीएफएस के तहत सरकार 24,736 करोड़ रुपए का कोष बनाएगी। इसके अंतर्गत जहाज निर्माण पर उसकी श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाएगी। छोटी, बड़ी और विशेष प्रकार की जहाजों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। सहायता चरणबद्ध माइलस्टोन के आधार पर दी जाएगी। अगले 10 वर्षों में एसबीएफएएस से लगभग 96,000 करोड़ रुपए के जहाज निर्माण प्रोजेक्ट्स को समर्थन मिलने की संभावना है। एसबीडीएस का बजट 19,989 करोड़ है। यह योजना नए ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर बनाने, मौजूदा शिपयार्ड का आधुनिकीकरण, और इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर में रिसर्च, डिजाइन और स्किल डेवलपमेंट पर केंद्रित है। ग्रीनफील्ड क्लस्टर को 100 फीसदी पूंजी सहायता और पुराने शिपयार्ड के विस्तार को 25 फीसदी सहायता दी जाएगी। नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन के माध्यम से योजनाओं में समन्वय और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही, जहाज स्क्रैप करने वाले मालिकों को 40 फीसदी क्रेडिट नोट देने की नई व्यवस्था से रिसाइक्लिंग और नए जहाज निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

वैश्विक बाजार में तांबे में रिकॉर्ड उछाल, भारत में भी जोरदार तेजी

नई दिल्ली। साल 2025 के अंत में ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में कॉपर (तांबा) ने निवेशकों और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है।

लंदन मेटल एक्सचेंज (एनएमई) पर कॉपर के दाम लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए। दिसंबर महीने में कॉपर की कीमतों में 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई, जो सिर्फ एक दिन की तेजी नहीं, बल्कि पूरे महीने की मजबूत रैली का नतीजा है। भारत में भी एमसीएक्स पर कॉपर के भाव 259.30 से 1,348 रुपए प्रति किलो तक पहुंचकर 7.9 फीसदी की तेजी के साथ अपर सर्किट पर लॉक हो गए। इसी तरह निकल में भी लगभग 8 फीसदी की तेजी देखी गई। हिंदुस्तान कॉपर और माधव कॉपर जैसे स्टॉक्स में 10 फीसदी से 29 फीसदी तक उछाल आया। साल 2025 में कॉपर ने 41.67 फीसदी की कुल बढ़त दर्ज की, जिससे यह साल का सबसे ज्यादा बढ़त देने वाला बेस मेटल बन गया। 2026 के लिए कॉपर का टारगेट 6 डॉलर प्रति पाउंड रखा गया है।

स्मार्ट और एडवांस तकनीक के साथ ड्रीम पीएम नेयो एयर प्यूरिफायर हुआ लॉन्च

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)।

वर्तमान में प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए तकनीक आधारित समाधानों की मांग बढ़ी है। इसी कड़ी में ड्रीम ने अपना नया एयर प्यूरिफायर पीएम नेयो बाजार में उतारा है, जो उन्नत फुल एरिया स्मार्ट प्यूरिफिकेशन सिस्टम से लैस है। कंपनी का दावा है कि यह उपकरण न केवल बाहरी प्रदूषण बल्कि घर के भीतर मौजूद हानिकारक गैसों और सूक्ष्म कणों को प्रभावी ढंग से साफ करने में सक्षम है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी लम्बे समय तक चलने वाली फॉर्मेल्डिहाइड रिमूवल क्षमता है।

इसमें कंपनी की विशेष एफसीओ केटेलिटिक फॉर्मेल्डिहाइड डिकॉम्पोजीशन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो हवा में मौजूद खतरनाक फॉर्मेल्डिहाइड को जल वाष्प (वाटर वेपर) और कार्बन डाइऑक्साइड में तोड़ देती है। इस प्रक्रिया का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी भी प्रकार का द्वितीयक प्रदूषण (सेकंडरी पल्यूशन) पैदा नहीं करती, जिससे फिल्टर की उम्र बढ़ जाती है और उसे बार-बार बदलने की जरूरत नहीं पड़ती।

कार्यक्षमता के मामले में यह प्यूरिफायर काफी शक्तिशाली है। यह प्रति घंटे 300 क्यूबिक मीटर क्लीन एयर आउटपुट (सीएडीआर) प्रदान कर सकता है। कंपनी के अनुसार, यह मात्र 20 मिनट में 100 स्क्वायर मीटर के कमरे को पूरी तरह प्यूरिफाई कर सकता है। इसकी 10 मीटर की एयरफ्लो दूरी इसे 157 स्क्वायर मीटर तक के बड़े क्षेत्र को कवर करने में सक्षम बनाती है। इसमें लगा सिस्टम फर्नीचर और भवन निर्माण सामग्री से निकलने वाले हानिकारक उत्सर्जन को भी 10-15 वर्षों तक लगातार हैंडल कर सकता है। डिवाइस में एक स्मार्ट डुअल एयर डक्ट दी गई है, जिसे यूजर अपनी जरूरत के अनुसार जेट और डिफ्यूजन एयरफ्लो मोड के बीच एडजस्ट कर सकते हैं।

हवा की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इसमें 6-स्टेज वाला प्यूरिफिकेशन प्रोसेस दिया गया है। यह प्रक्रिया हाई डेंसिटी हेयर मेश और डस्ट को फिल्टर करने से शुरू होकर 0.1 माइक्रोन जितने छोटे सूक्ष्म कणों को भी साफ कर देती है। इसके लिए इसमें एच13 ग्रेड फिल्टर, एक्टिवेटेड कार्बन लेयर और फॉर्मेल्डिहाइड डिकॉम्पोजीशन फिल्टर का संयोजन मिलता है। साथ ही, इसमें डुअल स्टर्लाइजेशन फीचर भी शामिल है जो बैक्टीरिया और कीटाणुओं को नष्ट करता है।स्मार्ट फीचर्स की बात करें तो ड्रीम पीएम नेयो में 7-इन-वन सेंसर लगा है, जो पीएम1,पीएम2.5,पीएम 10 तापमान, नमी और टीवीओसी लेवल को रियल टाइम में ट्रैक करता है। ये सभी जानकारियां इसके बिल्ट-इन कलर डिस्प्ले पर दिखाई देती हैं। इसमें लगा वेव रडार 5 मीटर की दूरी तक यूजर की मूवमेंट को भी पहचान सकता है, जिससे यह एयरफ्लो को खुद ब खुद एडजस्ट कर लेता है।

अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर

नई दिल्ली। 2025 में अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर के बीच 717 कंपनियों ने चैप्टर 7 या चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन के लिए आवेदन किया। यह 2024 की समान अवधि से लगभग 14 फीसदी अधिक है। चैप्टर 11 के तहत कंपनियां अपने कर्जों का पुनर्गठन करती हैं और संचालित रहती हैं, जबकि चैप्टर 7 में कंपनियां बंद हो जाती हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की लगातार बदलती टैरिफ नीतियों ने आयात पर निर्भर व्यवसायों पर भारी दबाव डाला है। कई कंपनियां सप्लाई चेन बाधाओं और बढ़ती लागत के कारण दिवालियापन की ओर बढ़ रही हैं। इसके साथ ही महंगाई और उच्च ब्याज दरें भी कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल रही हैं। दिवालियापन के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि निर्माण, विनिर्माण, परिवहन और रिटेल सेक्टर में देखी गई। कोविड-19 महामारी के बाद से पहली बार इस स्तर के बड़े दिवालियापन मामलों में 1 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाली कंपनियां शामिल हैं। एट होम और फॉरएवर 21 जैसी रिटेल कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। येल यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर के अनुसार, कंपनियां टैरिफ की लागत को ग्राहकों पर डालने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उनकी भी सीमाएं हैं। जो कंपनियां कीमत बढ़ाने में सफल नहीं होतीं, वे बंद होने की कगार पर पहुंच जाती हैं।

जनवरी से ऑस्ट्रेलिया सभी भारतीय निर्यात पर टैरिफ खत्म कर देगा : गोयल

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत एक जनवरी से ऑस्ट्रेलियाई टैरिफ लाइनों पर 100 फीसदी ड्यूटी जीरो हो जाएगी, जिससे ऑस्ट्रेलिया को भारतीय निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इस कदम से भारत के श्रम-गहन क्षेत्र के लिए नए मौके खुलेंगे, क्योंकि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की तीसरी सालगिरह मनाई है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'पिछले तीन सालों में इस समझौते से लगातार निर्यात वृद्धि, बेहतर बाजार पहुंच और मजबूत सप्लाई-चेन रेजिलिएंस मिली है, जिससे भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों और मजदूरों सभी को फायदा हुआ है। वाणिज्य मंत्री ने आगे लिखा कि पिछले तीन सालों में इस समझौते ने लगातार निर्यात वृद्धि, बेहतर बाजार पहुंच और मजबूत सप्लाई-चेन लचीलापन दिया है, जिससे भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों और मजदूरों सभी को फायदा हुआ है। उन्होंने बताया कि अप्रैल-नवंबर 2025 में रत्न और आभूषण का निर्यात 16 फीसदी बढ़ा। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स पर आपसी मान्यता समझौता (एमआरए) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे निर्बाध व्यापार संभव हुआ और निर्यातकों के लिए अनुपालन लागत कम हुई। गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) की बातचीत आगे बढ़ रही है, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए मेक इन इंडिया और विकसित भारत 2047 के विजन के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक में भारत की आर्थिक भागीदारी को मजबूत कर रहा है। इसके साथ मिलकर भारत और ऑस्ट्रेलिया साझा समृद्धि और भरोसेमंद व्यापार का भविष्य बना रहे हैं।

डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का आईपीओ 375 करोड़ के नए निर्गम और 43.28 लाख शेयर की बिक्री (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने, 'बेल कूलिंग टावर्स' में शेष 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने और सामान्य कॉर्पोरेट कामों में किया जाएगा। डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज पर्यावरण इंजीनियरिंग और तकनीकी समाधान प्रदान करने वाली कंपनी है। यह जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में औद्योगिक और नगरपालिका ग्राहकों को सेवाएं देती है।

हाजिर चांदी के भाव में मामूली गिरावट, चेन्नई और हैदराबाद में चांदी 2.75 लाख के करीब

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इस चमकीली धातु की कीमत में 100 रुपये से लेकर 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। कीमत में आई इस गिरावट के बावजूद चेन्नई और हैदराबाद में ये चमकीली धातु 2.75 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर के करीब बनी हुई है। देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 2,50,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,73,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली में चांदी की कीमत 100 रुपये की मामूली गिरावट के कारण 2,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,50,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,51,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,50,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 1,000 रुपये सस्ती होकर 2,73,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 1,100 रुपये कमजोर होकर 2,73,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। आपको बता दें कि रविवार को चेन्नई में चांदी की कीमत 2,75,000 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी।

इस साल घरेलू बाजार में अब तक चांदी की कीमतों में लगभग 170 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी ऑल टाइम हाई पर पहुंची हुई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 83.62 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि मजबूत औद्योगिक मांग, सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी और अंतराराष्ट्रीय बाजार मे इस चमकीली धातु की सप्लाई में लगातार कमी ने कीमत को काफी सपोर्ट किया है। औद्योगिक क्षेत्र में विशेष रूप से सोलर पैनल, ग्रीन एनर्जी से जुड़े उद्योगों में चांदी की मांग तेजी से बढ़ रही है। और तो और, सेफ इनवेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर चांदी में निवेश बढ़ा है। खासकर, सिल्वर ईटीएफ में लगातार इनफ्लो होता हुआ नजर आ रहा है। जानकारों का कहना है कि अगर बाजार की स्थिति में अचानक कोई बदलाव नहीं हुआ और चांदी की मांग में मजबूती बनी रही, तो आने वाले दिनों में इस कीमती धातु की कीमत 90 डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नगर निकाय चुनावों...

वर्तमान में 117 नगर पालिकाओं का कार्यकाल समाप्त हुए लगभग एक वर्ष बीत चुका है और वहां विशेष अधिकारियों का शासन चल रहा है। सरकार का मानना है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के आने से ही वार्ड स्तर पर विकास में तेजी आएगी।

फरवरी में समाप्त होगा GHMC का कार्यकाल

आगामी महीनों में कई बड़े नगर निगमों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। फरवरी 2026 में हैदराबाद महानगर पालिका (GHMC) का कार्यकाल पूरा होगा, जबकि मई में वरंगल, खम्मम और सिद्दीपेट जैसे प्रमुख शहरों के बोर्ड का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सरकार नगर निकाय चुनावों के साथ ही MPTC और ZPTC चुनाव भी एक साथ करा सकती है।

वार्डों के विभाजन और आरक्षण के निर्धारण के बाद जल्द ही चुनावी बिगुल बजने की संभावना है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण अवश्य कराएं।

राजनीतिक दलों ...

कहा कि नियत तारीख के बाद प्राप्त योगदान रिपोर्ट को नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और इसे किसी भी आधिकारिक उद्देश्य के लिए रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा।

पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) को निम्नलिखित वैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का निर्देश दिया गया है:

* जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29बी और 29सी के तहत योगदान रिपोर्ट दाखिल करना।
* ऑडिट किए गए वार्षिक खातों का विवरण प्रस्तुत करना।
* वैधानिक समय सीमा के भीतर पूर्ण चुनावी खर्च विवरण प्रस्तुत करना।

सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि यह निर्देश भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा देशभर में राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय खुलासे के मानदंडों के पालन में की जा रही देरी पर जताई गई चिंता के बाद जारी किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, रिपोर्ट में देरी करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29सी (3) और चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 85बी का सीधा उल्लंघन है।

हाल के दिनों में चुनाव आयोग ने कई राज्यों में नियमों का पालन न करने वाले दलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

यह कदम राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के आयोग के व्यापक अभियान का हिस्सा है।

पुतिन के घर पर...

आरोप लगाया है और कहा है कि अब चूंकि यूक्रेन ने आतंकवाद का रास्ता अपना लिया है, ऐसे में वह शांति वार्ता के रुख पर फिर से विचार करेगा। जेलेंस्की ने हमले के आरोप को खारिज कियाउधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के उन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया, जिसमें दावा किया गया है कि यूक्रेन ने नोवगोरोड में में पुतिन के आवास पर हमला करने की कोशिश की है। जेलेंस्की ने इन दावों को मनगढ़ंत झूठ करार दिया. उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन का पुतिन के किसी भी आवास पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मॉस्को ऐसे मनगढ़ंत आरोप इसलिए लगा रहा है ताकि वह कीव और अन्य सरकारी इमारतों पर अपने नए हमलों को जायज ठहरा सके। जेलेंस्की ने कहा कि यह शांति वार्ता में हो रही प्रगति में रोड़ा अटकाने की सोची-समझी साजिश हो सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मानव सेवा ही जीवन की सफलता

बावलिया बाबा की 113वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शेखावाटी, बुगाला ग्राम के वचन सिद्ध, देवतुल्य और राजयोग के स्वामी परमहंस पंडित श्री गणेश नारायण जी (बावलिया बाबा) की 113वीं पुण्यतिथि श्री गणेश फाउंडेशन एवं चिड़ावा नागरिक परिषद के तत्वावधान में अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाई गई। बेगमबाजार स्थित श्री खेमदास मठ में आयोजित इस कार्यक्रम में देर रात तक भक्ति की बयार बहती रही।

बिरला परिवार पर बाबा की कृपा और समाज सेवा का संदेश

परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी मनीष अग्रवाल ने शिरकत की। मठ के महंत डॉ. मनुदास स्वामी ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

मनीष अग्रवाल ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा, बिरला परिवार को बावलिया बाबा का जो दिव्य आशीर्वाद प्राप्त हुआ, उसका गौरवशाली परिणाम आज पूरा विश्व देख रहा है। बाबा का मूल उपदेश यही था कि मानव सेवा ही मनुष्य जीवन की वास्तविक सफलता है।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और मानद मंत्री विकास केशन का सम्मान शशिकांत अग्रवाल एवं शिशिर केडिया द्वारा किया गया।

भजन संध्या में भावविभोर हुए भक्त, हम दो श्याम प्रेमी की शानदार प्रस्तुति

ट्रस्टी विकास मोदी ने बताया कि पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हम दो श्याम प्रेमी संस्था द्वारा एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध गायक संजय दाहिमा और स्वाति दाहिमा ने अपने मधुर भजनों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। अर्धरात्रि तक चले इस संकीर्तन में भक्त बाबा की भक्ति में झूमते नजर आए।

2026 में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव और मराम रसोईफ का शुभारंभ

अमरनाथ केडिया ने आगामी योजनाओं की घोषणा करते हुए बताया कि श्री खेमदास मठ में बाबा का विशाल मंदिर बनकर तैयार है।

मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 19 से 23 जनवरी 2026 तक पांच दिवसीय भव्य आयोजन के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान देश के विद्वान पंडितों द्वारा पंचकुंडीय महायज्ञ संपन्न किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि यहाँ राम रसोई का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जहाँ प्रतिदिन प्रसाद तैयार कर मंदिरों में भोग लगाने के पश्चात सभी आगंतुक भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

इन गणमान्य जनों का रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम की सफलता में महंत डॉ. मनुदास स्वामी, सेवाराम जी महाराज (बापजी महाराज), अरुण डकोटिया, अमरनाथ केडिया, शशिकांत अग्रवाल, विकास मोदी, विशम्बरलाल केडिया, विनोद गोयल, आलोक भालोठिया, चंद्रप्रकाश केडिया और राजकुमार केडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही संयोजक मंडल के शिशिर केडिया, वेणुगोपाल भालोटिया, अमित मोदी, कृष्णा केडिया, विकास केडिया, विशाल केडिया, आशीष नेमानी, नरेंद्र जांगिड़, नरेंद्र जैन और मनीष शर्मा ने व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में महेश बैंक के चुनाव में संस्थापक पैनल की विजय पर संयोजक रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए पं. रमेशचन्द्र व्यास एवं लक्ष्मीनारायण व्यास ।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के चुनाव में 20 प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के आगामी चुनावों में कुल 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। नामांकन पत्र प्राप्त करने के लिए कुल 21 प्रत्याशियों ने आवेदन किया था, जिनमें से नाम वापसी की अंतिम तिथि पर कार्यकारिणी पद हेतु लक्ष्मी नारायण मूंदड़ा ने अपना नामांकन वापस ले लिया।

मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अध्यक्ष पद के लिए - अशोक कुमार बंसल और पुरुषोत्तम गुप्ता, उपाध्यक्ष पद के लिए मुकेश कुमार अग्रवाल और पंकज कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री पद के लिए कमल कुमार पटवारी, सहमंत्री पद के लिए सुनील कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष पद के लिए कमल ए. आहूजा मैदान में हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए- अजय अग्रवाल,अशोक गुप्ता, दिनेश कुमार, टी. सुनील कुमार, पंकज कुमार मित्तल, राज कुमार खुसरिया, रोहित कुमार अग्रवाल, एस. गौतमचंद जैन, सोमेश बंसल, तिलक नारायण, विजय कुमार अग्रवाल, विजय कुमार आहूजा, विवेक नारायण संघी मैदान में हैं।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के लिए दो-दो प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें से प्रत्येक पद पर एक-एक प्रत्याशी का चुनाव होगा। वहीं, कार्यकारिणी समिति के लिए 13 प्रत्याशी हैं, जिनमें से 11 सदस्यों का चयन किया जाएगा।

चुनाव रविवार, 4 जनवरी 2026 को वेज व्यंजन होटल, हिमायतनगर में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक संपन्न कराए जाएंगे।नामांकन प्रक्रिया के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंदलाल अग्रवाल के साथ अन्य चुनाव अधिकारी विनय जैन, शेष कुमार गोयल एवं राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

राजभाषा नीति के अनुपालन को कार्य संस्कृति बनाना अनुकरणीय प्रयास है : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 173वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने की। इस अवसर पर ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कॉरपोरेशन में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की स्थिति, परमाणु ऊर्जा विभाग के सुझावों और उनके अनुपालन की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से आगामी संसदीय राजभाषा समिति के प्रस्तावित निरीक्षण के संबंध में व्यापक चर्चा की गई। इस संदर्भ में निरीक्षण की तैयारियों, आवश्यक अभिलेखों की उपलब्धता तथा संसदीय समिति द्वारा पूर्व में दिए गए सुझावों के प्रभावी अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया गया। अध्यक्ष महोदय ने सभी संबंधित विभागों एवं कार्यालयों को समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, सभी आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा निरीक्षण की स्थिति की समीक्षा की गई तथा कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण एवं मसौदा-लेखन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने पर बल दिया गया। तिमाही प्रगति रिपोर्टों के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी बनाए रखने पर भी चर्चा की गई। परमाणु ऊर्जा विभाग से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी समीक्षाओं पर भी बैठक में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा इन समीक्षाओं के आलोक में आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर सहमति बनी। बैठक में राजभाषा चेतना माह के दौरान ईसीआईएल में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की समीक्षा की गई तथा इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेतागणों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर हिन्दी के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार में कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की गई।

इसी क्रम में, आगामी क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, इंदौर में ईसीआईएल की सहभागिता के संबंध में भी चर्चा की गई। सम्मेलन में अधिकाधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा ईसीआईएल की उपलब्धियों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने पर बल दिया गया। बैठक के अंत में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने सभी विभागों से राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग को और अधिक व्यापक, स्वाभाविक एवं प्रभावी बनाने हेतु निरंतर, समन्वित और सकारात्मक प्रयास करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी.कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 157वां विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

322 रोगियों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मुन्नूरूकापू (कापू) विद्यार्थी वसतिगृह के सहयोग से 157वें नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। काचीगुडा स्टेशन रोड स्थित मुन्नूरूकापू वसतिगृह में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई।

किम्स सनशाइन हॉस्पिटल और विशेषज्ञों द्वारा विशेष परामर्श

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल (बेगमपेट) के सहयोग से शिविर में जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी और हड्डी रोग विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएँ दीं। शिविर में ईसीजी (एउत्र), 2डी इको, बीएमडी (इचू), बीपी और आरबीएस (ठइड) जैसी महत्वपूर्ण जाँचें नि:शुल्क की गईं।

विशेषज्ञों की टीम में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रणय गोरे, ऑर्थोपेडिक डॉ. गायत्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ शुभांकर, मतीन, संगीता, मल्लेश्वरी और तकनीकी टीम से मोहन, अनिल, अलकेंदु एवं विपणन विभाग से उदय कुमार ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

नेत्र, दंत और फिजियोथेरेपी सेवाओं का व्यापक विस्तार

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल (दोमलगुडा) द्वारा 186 लोगों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 10 रोगियों में मोतियाबिंद की पहचान हुई और 79 लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए। डॉ. अखिल सुगंधी और डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी ने सामान्य स्वास्थ्य जांच की।दंत चिकित्सा के क्षेत्र में एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज ने परामर्श दिया, जबकि बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा फिजियोथेरेपी की सेवा प्रदान की गई। कुल मिलाकर 322 लाभार्थियों ने इस शिविर का लाभ उठाया।

स्वयंसेवकों और सहयोगी संस्थाओं का सराहनीय योगदान

शिविर को सफल बनाने में शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, विनय सी. अग्रवाल, निखिल राणासरिया और उर्मिला अग्रवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय भागीदार मुन्नूरूकापू वसतिगृह के डी. राघवेंद्र राव, ए. पांडुरंगा राव, एम. सूर्य प्रकाश और अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं को संभाला। इस अवसर पर अग्रणी महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदन अग्रवाल सहित अजय तुलस्यान, ऋषभ गर्ग, राधेश्याम बियानी, समाजसेवी गोपाल सिंह और पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने अपनी निस्वार्थ सेवाएं प्रदान कर शिविर को सफल बनाया।

वर्षीतप तपस्वियों की पावन हस्तिनापुर दर्शन यात्रा सम्पन्न

हुब्बल्ली आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

हुब्बल्ली, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान आदिनाथ के अक्षय तृतीया पारणा की पुण्यभूमि एवं जैन धर्म के प्रमुख तीर्थों में से एक पावन हस्तिनापुर तीर्थ के दर्शन कर वर्षीतप कर रहे तपस्वी बहनें एवं भाई हस्तिनापुर तीर्थ यात्रा समिति के सानिध्य में अपनी मंगलमय एवं सफल तीर्थ यात्रा पूर्ण कर सकुशल हुब्बल्ली पहुँचे। इस अवसर पर तीर्थ यात्रियों सहित संपूर्ण जैन समाज में हर्ष, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण व्याप्त रहा।

वर्षीतप जैन धर्म की अत्यंत कठिन, दीर्घकालीन एवं महान तपस्या मानी जाती है। इस तपस्या के अंतर्गत तपस्वीजन एक वर्ष से अधिक अवधि तक विशेष संयम, साधना, नियम एवं आत्मसंयम का पालन करते हुए आत्मशुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होते हैं। हस्तिनापुर जैसे पावन तीर्थ के दर्शन से तपस्वियों की साधना को नवीन ऊर्जा, दृढ़ता एवं आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त होती है।

तीर्थ यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जैन समाज एवं श्रद्धालुओं द्वारा तपस्वियों की साता, बियासना, ठहराव एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सेवाभाव के साथ संपन्न की गईं। प्रत्येक स्थान पर समाजजनों ने श्रद्धा, सम्मान एवं समर्पण भाव से तपस्वियों को आत्मीय सहयोग प्रदान किया।

हस्तिनापुर तीर्थ यात्रा समिति के संयोजक मदन तातेड़ ने बताया कि जब वर्षीतप कर रहे तपस्वियों ने हस्तिनापुर दर्शन की भावना व्यक्त की, तब समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से योजना बनाकर संपूर्ण यात्रा कार्यक्रम निर्धारित किया। इस पावन यात्रा हेतु 50 से अधिक तपस्वियों ने पंजीकरण करवाया, तथा यात्रा के प्रत्येक चरण में सुविधा, सुरक्षा एवं आध्यात्मिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा गया।

समिति के सह-संयोजक अशोक पालगोता ने बताया कि रेल यात्रा के दौरान तपस्वियों के पारणे एवं बियासना की व्यवस्थाओं हेतु विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा विशेष सेवाएँ प्रदान की गईं। सोलापुर में महेंद्र बागरेचा, अहमदनगर में निकिता मुणोत, मनमाड में दीपक मुणोत, दिल्ली में मनीष जैन, वापसी यात्रा में हैदराबाद में सुरेश बागरेचा, कुर्नूल में महेंद्र बागरेचा तथा बेल्लारी में प्रवीण गोठी द्वारा समर्पित भाव से व्यवस्थाएँ की गईं, जिससे तपस्वियों की साधना में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

समिति के सह-संयोजक प्रकाश चोरडिया ने जानकारी दी कि यात्रा के प्रथम चरण में तपस्वियों ने हस्तिनापुर स्थित समस्त तीर्थों के दर्शन-वंदन किए। इसके पश्चात द्वितीय चरण में आगरा तथा तृतीय चरण में दिल्ली का धार्मिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण भी संपन्न हुआ।

समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं तपस्वी जुगराज जैन ने बताया कि हस्तिनापुर तीर्थ पर सभी तपस्वियों की विधिवत सुख-साता पूछी गई तथा उनका सम्मान किया गया।

समिति के कार्यदर्शी सुभाष डंक ने कहा कि इस पावन तीर्थ यात्रा का सफल एवं मंगलमय संपन्न होना समाज के तपस्वियों की एकात्म भावना, सहयोग एवं समर्पण का साक्षात परिणाम है। यात्रा के प्रत्येक चरण में समयपालन, ठहराव, भोजन एवं धार्मिक अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे तपस्वियों को शांति, सुविधा एवं आध्यात्मिक अनुकूलता का अनुभव हुआ। उन्होंने विशेष कृतज्ञता भाव से तपस्वी बहन लक्ष्मी मदन तातेड़ द्वारा बियासना सहित दी गई निष्काम सेवाओं की भी सराहना की।

पावन तीर्थ यात्रा पूर्ण कर हुब्बल्ली आगमन पर हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर परिवारजनों एवं समाजजनों द्वारा तपस्वियों का पुष्पवर्षा, मंगल जयघोष एवं श्रद्धा-सुमनों के साथ भव्य, भावपूर्ण एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

हाल ही में खुले समरोन रेस्टोरेंट का दौरा पुष्पा जैन रत्न रमेश पी. तातेड़ एवं रेखा सुरेश चंदनमलजी बाफना ने किया। यह रेस्टोरेंट बेंगलुरु के राजाजीनगर, राम मंदिर क्षेत्र में स्थित है। इस रेस्टोरेंट की शुरुआत सिरोही निवासी राजेश कोठारी, निशांत तातेड़ एवं रोहित कोठारी ने संयुक्त रूप से की है। दौरे के दौरान अतिथियों ने रेस्टोरेंट की व्यवस्था, स्वाद एवं आकर्षक माहौल की खुलकर सराहना की और इसे एक उत्तम भोजन स्थल बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने रेस्टोरेंट के तीनों संचालकों को दिल से बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं व्यवसाय की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

महेश बैंक के नवनियुक्त चेयरमैन मुरली मनोहर पलोड का अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फ़ाउण्डेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दीपावली एवं नववर्ष मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा द्वारा दीपावली एवं नववर्ष मिलन समारोह का भव्य आयोजन एनपीए कॉलोनी स्थित श्याम कृपा परिसर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

इसके पश्चात शाखा अध्यक्ष अनिल गोयल ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए आगामी नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं दीं तथा समाज की एकता, सहयोग एवं सेवा भाव को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश प्रदान किया।इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, मानद मंत्री श्री विकास कुमार केशान एवं भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने समाज की वर्तमान एवं भावी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए शाखा को संगठनात्मक रूप से और अधिक सक्रिय बनाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में मुरलीनगर शाखा से दिनेश शहबाजपुरिया, महेंद्र सिग्नोडिया, दिनेश केडिया एवं उमेश अग्रवाल तथा बहादुरपुरा शाखा से अनिल कुमार केडिया, गौरव संघी, मुकेश गानेरीवाल, राकेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राकेश गानेरीवाल एवं नरेश अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही, जिससे आपसी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण और अधिक सशक्त हुआ।

समारोह के अंत में शाखा अध्यक्ष अनिल गोयल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सहयोगी मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण0 उपाध्यक्ष ललित कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री अनिल बंसल, संयुक्त मंत्री सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य राकेश कुमार जलान, परामर्शदाता श्याम सुंदर अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, राजेश जैलिया, नवीन अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा द्वारा धार्मिक पर्यटन सफलतापूर्वक संपन्न

वर्ष 2025 की विदाई एवं नववर्ष मंगलकामना हेतु आयोजित किया गया कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा द्वारा अंग्रेजी वर्ष 2025 की विदाई एवं आगामी अंग्रेजी नववर्ष के लिए शुभ-मंगल कामनाओं की प्रार्थना के उद्देश्य से एक धार्मिक पर्यटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शाखा मंत्री डॉ. मीता बजाज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस धार्मिक पर्यटन में शाखा की 30 महिला सदस्यों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। यात्रा का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मलकपेट से बस द्वारा किया गया।

प्रातः अल्पाहार के पश्चात सभी सदस्यों ने भोंगिर स्थित स्वर्णागिरी टेंपल में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात यात्रीगण यादगिरीगुट्टा पहुँचकर भगवान श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी जी के दर्शन-अर्चना में सम्मिलित हुए। मध्यान्ह में रुचिकर भोज की व्यवस्था की गई, जिसके उपरांत सभी महिला सदस्यों ने मनोरंजन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर आनंद उठाया। मनोरंजन गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सायंकालीन अल्पाहार के पश्चात यात्रा की सुखद वापसी मलकपेट की ओर हुई। सभी प्रतिभागी सदस्यों ने इस धार्मिक पर्यटन का भरपूर आनंद लिया।

इस धार्मिक पर्यटन को सुचारू एवं सफल बनाने में अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, उपाध्यक्ष स्वाति अग्रवाल, सह मंत्री वनिता अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य शीतल रुंगटा का विशेष सहयोग रहा, जिसके लिए शाखा की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

शाखा द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा समय-समय पर सदस्यों को फोन कॉल एवं समाचार पत्रों के माध्यम से सूचित की जाएगी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज काउंसलिंग कमिटी की 15वीं सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय में मैरिज काउंसलिंग कमिटी की पंद्रहवीं सभा आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य दुर्गा प्रसाद बंसल (अध्यक्ष), पुरुषोत्तम गुप्ता एवं सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे।

सभा के दौरान लोकल हैदराबाद से प्राप्त फाइलों पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सभी सदस्यों ने इन प्रकरणों पर शीघ्र, निष्पक्ष एवं संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

समिति का मुख्य उद्देश्य समाज में वैवाहिक जीवन के दौरान उत्पन्न होने वाले मतभेदों का संवाद एवं परामर्श के माध्यम से समाधान करना है। इस संदर्भ में समाज की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अपील की गई कि वे इस समिति की सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

यदि किसी परिवार में विवाह के पश्चात पति-पत्नी के संबंधों में मतभेद या समस्या उत्पन्न होती है, तो यह समिति काउंसलिंग के माध्यम से आपसी समझ, सामंजस्य एवं पुनः जुड़ाव के लिए प्रयास करती है। मैरिज काउंसलिंग कमिटी द्वारा प्रत्येक सोमवार प्रातः 11:30 बजे से 12:30 बजे तक अग्रवाल समाज के केंद्रीय कार्यालय में काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं।

पामेटम पार्क में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सुभाष अग्रवाल का 70वां जन्मदिन

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पामेटम फ्रेंड्स वॉकर्स एंड लाफिंग वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में पामेटम पार्क में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य सुभाष अग्रवाल के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और एसोसिएशन के सदस्यों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 104 वर्षीय रतनलाल जाजू उपस्थित होकर सुभाष अग्रवाल को आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष वी. विजय कुमार ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सुभाष अग्रवाल के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की और समाज के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया, जो आपसी भाईचारे का प्रतीक बना। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सचिव एम.के. नसीरुद्दीन इलियास, प्रदीप जाजू और मुत्यम रेड्डी के. ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी उपस्थित सदस्यों ने फूलों के हार से सुभाष अग्रवाल का सम्मान किया।

इस अवसर पर विनोद कुमार, अशोक कुमार अग्रवाल, मुख्य प्राण, मो. अकबर, सिकंदर खान गोरी, बी. पुरुषोत्तम नायडू, श्रीकांत गौड़ एन., सुरेश कुमार गोयल, जयपाल राव, एस.बी. शेख, शकील पाशा और रामेश्वर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से वॉकर्स ग्रुप के बीच आपसी जुड़ाव और मजबूत होता है।

बंडी संजय ने सांसदों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ देखी फिल्म अखंडा-2

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को हैदराबाद में एक विशेष आयोजन के तहत केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के नेतृत्व में फिल्म अखंडा 2 की स्क्रीनिंग रखी गई। इस अवसर पर उनके साथ कई वरिष्ठ नेता और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। फिल्म के निर्देशन और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में सांसदों के साथ-साथ हैदराबाद जिला गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने भी शिरकत की। बोयापाटी श्रीनू द्वारा निर्देशित इस फिल्म को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया।

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में आयोजित इस फिल्म प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने फिल्म के माध्यम से समाज में जा रहे संदेशों की सराहना की और इसे एक साथ बैठकर देखना कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता बढ़ाने का एक माध्यम बना।

निर्देशक बोयापाटी श्रीनू द्वारा निर्देशित अखंडा 2 की चर्चा करते हुए उपस्थित नेताओं ने फिल्म की मेकिंग और अभिनय की प्रशंसा की। इस मौके पर जिले के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने भी फिल्म का आनंद लिया और इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया।

पुण्य कर्म से ही मिलता है सेवा का अवसर : मीना चिंडालिया

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने संचालित नियमित अन्नदान केंद्र पर सेवा भाव का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर मीना चिंडालिया ने कहा कि पुण्य कर्मों के फलस्वरूप ही व्यक्ति को सेवा का अवसर प्राप्त होता है और सेवा से ही जीवन सार्थक बनता है।

श्रीमती मीना चिंडालिया ने राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के संयुक्त नेतृत्व में अन्नदान सेवा निरंतर, निस्वार्थ एवं निर्बाध रूप से जारी है, जो समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण का जीवंत उदाहरण है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की अलख जगा रहा है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,वंश अग्रवाल,अनिल अग्रवाल धरसुवाले,गोविंद राम पचेरिया, पन्नालाल, अरुण विजयवर्गीय,लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, पूजा संगी आदि उपस्थित थे।

रामबाग मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय कुश्ती चैंपियनशिप

प्रमोद केड़िया ने विजेताओं को किया सम्मानित

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 7वें वल्लभ भाई पटेल केसरी के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हुआ। यह चार दिवसीय प्रतियोगिता 25 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025 तक रामबाग मंदिर मैदान में आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य भर के पहलवानों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

इस खेल महाकुंभ में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केड़िया उपस्थित रहे। उनके साथ कार्यक्रम में गोरिगे राजू, नरगुडेम मल्लारेड्डी (भाजपा चेवेल्ला संसदीय संयोजक) और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।समारोह के समापन अवसर पर प्रमोद केड़िया ने विभिन्न श्रेणियों में विजयी रहे पहलवानों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखा गया, जहाँ अनुशासन और खेल भावना सर्वोपरि रही।उपस्थित जनसमूह और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रमोद केड़िया ने स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हर किसी का अच्छे स्वास्थ्य में होना अनिवार्य है, और यह केवल एक अनुशासित जीवनशैली और नियमित वर्कआउट (व्यायाम) से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

भागीरथी सेवा में छोटा सा सहयोग : रविंद्र शर्मा

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे भाव के साथ राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान सेवा में अपने भाव व्यक्त करते हुए रविंद्र शर्मा ने कहा कि सेवा के इस भागीरथी प्रवाह में मेरा योगदान तो ईश्वर की कृपा से मिला एक छोटा सा अवसर मात्र है।

उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान आत्मिक शांति प्रदान करता है और जब सेवा राधे-राधे भाव से जुड़ती है, तब वह साधना का रूप ले लेती है। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य समाज में करुणा, संस्कार और मानवता की भावना को सुदृढ़ कर रहा है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, महेश गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, महेश अग्रवाल, भगतराम गोयल, प्रतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, गौरव गोयल, उमाकांत गुप्ता, मनीष अग्रवाल एवं रवि शर्मा आदि उपस्थित थे।

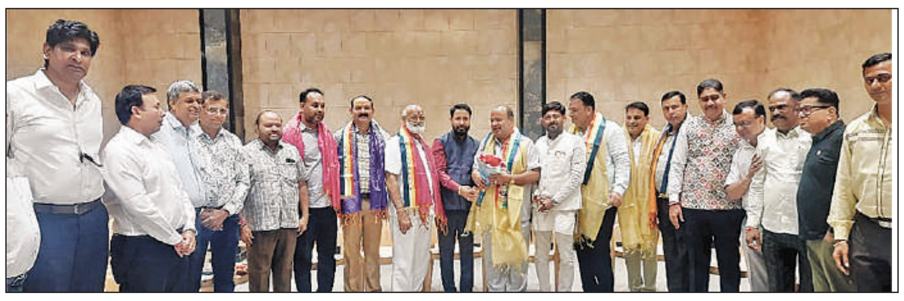

रामकोट स्थित जैन सेवा संघ भवन में महेश बैंक के चुनाव में विजयी संस्थापक पैनल के संयोजक रमेश कुमार बंग, वाइस चेयरमैन गोविन्दनारायण राठी, निदेशक अमित लड्डा, कैलाश मंत्री के साथ राधेश्याम सारडा, सीए कन्हैयालाल राठी व राज बंग का सम्मान करते हुए योगेश सिंघी, अध्यक्ष उमेश बागरेचा, अशोक संचेती, अविनाश भंडारी, अशोक सोनी, सज्जनराज गाँधी, मनोज तातेड, प्रवीण पाण्ड्या, आशीष भंसाली, हुक्मीचन्द कोचेटा एवं अन्य।

सेवा ही सच्ची साधना है : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा इंडो-अमेरिकन कैसर अस्पताल के सामने स्थित केबीआर पार्क में संचालित नियमित अन्नदान सेवा केंद्र पर मीडिया से संवाद करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि सेवा के बिना साधना अधूरी है और निस्वार्थ सेवा ही ईश्वर प्राप्ति का सरल मार्ग है।

उन्होंने कहा कि जब मन में करुणा, हृदय में संवेदना और हाथों में सेवा का भाव होता है, तब मानव जीवन सार्थक बनता है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस पुण्य कार्य में अपने सामर्थ्य अनुसार तन, मन और धन से सहयोग कर सेवा यज्ञ में सहभागी बनना चाहिए।रोहित अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान महादान है, जिससे न केवल भूख मिटती है बल्कि आत्मिक शांति और पुण्य की अनुभूति होती है। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर चलाया जा रहा यह अन्नदान सेवा कार्य मानवता, भक्ति और संस्कारों का दिव्य संगम है। इस अवसर पर उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल,रणधीर, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल जयप्रकाश सारडा, गौरव गोयल, गोपाल गोयल ग्रुप के अंदर उपस्थित थे।

कच्छी भवन में सुफ़ी संगीत की भव्य संध्या आयोजित

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित कच्छी भवन सभागृह में कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल-शांतिवन समिति द्वारा आयोजित सुफ़ी संगीत की रात कार्यक्रम भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

संस्था द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला एवं शांतिवन समिति के संयोजक हंसकुमार सायला ने बताया कि यह कार्यक्रम रविवार, 28 दिसंबर 2025 को सायं 5:30 बजे से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हैदराबाद के विख्यात कलाकार मेराज सुफी - मेट्रो म्यूजिक इवेंट्स एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत सुफी संगीत, लोक संगीत एवं डायरो ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। टीम के कलाकार हीरा बाबू, मनोजा एवं अली ने अपनी विशेष शैली में सुफी संगीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभागृह को आध्यात्मिक और संगीतमय वातावरण से भर दिया। शांतिवन समिति के संचालक हंसकुमार सायला ने पधारे सभी समाजबंधुओं, अतिथियों एवं सहयोगी दाताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हंसकुमार सायला, हितेन संगोई, महेन्द्र वोरा, नीता मालदे, भारती देढिया, गीता सायला, अतुल शाह, दिप्ती शाह आदि का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम संयोजक हितेन संगोई ने सभा में उपस्थित सहयोगी दाता परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन हितेन संगोई एवं महेन्द्र वोरा ने किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।उपाध्यक्ष केशवजीभाई छेडा, मंत्री पंकज सावला, सहमंत्री पराग मारू, कोषाध्यक्ष मनोज नागडा, सह-कोषाध्यक्ष लहेरचंद लोडाया, कार्यकारिणी सदस्य किर्तीकुमार कापडिया, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, राजीव मामणीया, ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी विपुल निसर, निलेश छेडा, राजीव मामणीया, जयंत गडा, प्रदीप संघवी, तथा प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की अध्यक्षा जया रमेश जागीरदार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नागडा गोत्र की कुलदेवी श्री अंबा, आसरा व चामुंडा माता की सामूहिक पेढ़ी सम्पन्न

कच्छी भवन में श्रद्धा व भक्ति के साथ हुआ आयोजन

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन सभागृह में नागडा गोत्र की कुलदेवी श्री अंबा माता, आसरा माता एवं चामुंडा माता की सामूहिक पेढ़ी एवं प्रसादी का आयोजन अत्यंत भव्यता एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में नागडा भाविक मंडल के प्रदीप नागडा एवं मनोज नागडा ने बताया कि नागडा गोत्र की कुलदेवी माताओं की सामूहिक पेढ़ी एवं प्रसादी के अंतर्गत विविध मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 9.00 बजे सामैया, 9.30 बजे माताजी की प्रतिमा की स्थापना की गई। इसके पश्चात माताजी की भव्य पहेड़ी एवं आरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर प्रसादी का लाभ लिया।इस वर्ष की पेढ़ी एवं स्वामीवात्सल्य का संपूर्ण आयोजन लाभार्थी परिवारों- लक्ष्मीबेन मोहनलाल कुंवरजीभाई नागडा, हीरबाई केशवजीभाई नागडा, भानुबेन शांतिलाल केशवजीभाई नागडा, प्रमिलाबेन अमृतलाल नागडा परिवार, फाल्गुनी जीतेन, जहान्वी सागर, जीज्ञा पारिन (ग्राम भोजाय, हाल हैदराबाद) द्वारा किया गया।समिति सदस्य रायचंद नागडा एवं रीतेश नागडा ने बताया कि धार्मिक आयोजन के दौरान माताजी ने हाजरी स्वीकार करते हुए आगे भी पेढ़ी एवं प्रसादी को यथावत जारी रखने का संदेश दिया तथा आगामी वर्ष सभी नागडा परिवारजनों के लिए सुख, शांति एवं सौभाग्यपूर्ण रहने का शुभाशीर्वाद प्रदान किया।इस अवसर पर योगेश गोसर एवं उनकी टीम द्वारा भक्ति की रमझट जमाई गई, जिससे उपस्थित भक्त ढोल की धुन पर गरबा करने को विवश हो गए। कार्यक्रम का संचालन रतीलाल छेडा ने किया, जबकि मुंबई से पधारे विधिकार अनिल शास्त्री ने विधि-विधान संपन्न कराए।पहेड़ी एवं प्रसादी के अवसर पर बड़ी संख्या में नागडा समाज के भाई-बहनों ने सहभागिता की। इस अवसर पर श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद के दिनेश गोसर, जागीरदार फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार, तथा रमणीकलाल नागडा, पूनम नागडा, मनोज नागडा, जयेश नागडा, पियुष नागडा, राजीव मामणिया, मनीष नागडा, प्रदीप नागडा, रायचंद नागडा, रीतेश नागडा, नवीन मारू, निलेश छेडा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सनतनगर में प्रधानमंत्री संसद खेल महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनतनगर क्षेत्र में प्रधानमंत्री संसद खेल महोत्सव के अंतर्गत खेल गतिविधियों को लेकर एक चर्चा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी दिनों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि खेल महोत्सव के अंतर्गत कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, धालीवाल एवं दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन खेल आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों में वरिष्ठ दयानंद, सपना गुप्ता, उपाध्यक्ष शीरीसेलम, डिवीजन अध्यक्ष नरेश, जनरल सेक्रेटरी सुधाकर सहित सत्यनारायण, बामनी, महेश, अश्विनी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने खेल महोत्सव को सफल बनाने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा आयोजन को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15822657L Hav Clk IM JITENDRA KUMAR of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is to be changed from UMARAWATI DEVI, DOB:05-06-1972 to UMAVATI DEVI, DOB:01-01-1960.

CHANGE OF NAME
I, Army No. 6945651K Hav SAROJ KUMAR JHA of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad that my daughter name is to be changed from ANKITA KUMARI to KUMARI ANKITA.

CHANGE OF NAME
I, KHACHAR KRISHNA BEN PRADIP KUMAR Spouse of Service No. 15823226L L/Nk DVRMT KHACHAR PRADIPKUMAR BHIKHUBHAI of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from KHACHAR KRISHNA BEN PRADIP KUMAR to KHACHAR KRISHNABEN PRADIPKUMAR vide affidavit dt:29-12-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

लोकतंत्र का सर्वोच्च प्रतीक हैं सदन, अधिकारी रहें पूरी तरह मुस्तैद : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को विधानसभा परिसर में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि विधानसभा और विधान परिषद लोकतंत्र के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर देना मुख्यमंत्री और मंत्रियों की नैतिक जिम्मेदारी है।सूचना प्रौद्योगिकी और विधायी मामलों के मंत्री दुद्दीला श्रीधर बाबू के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वर्तमान विधायी सत्र को अत्यंत लोकतांत्रिक और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि विधायकों का मुख्य उद्देश्य सदन में जनहित के मुद्दों को उठाना और सरकार से जवाबदेही मांगना होता है।उपमुख्यमंत्री ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सत्र के दौरान पूरी तरह सतर्क रहने और सटीक जानकारी के साथ उपलब्ध रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मंत्रियों को समय पर पूर्ण और सत्यापित जानकारी उपलब्ध कराई जाए।चूंकि सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण पूरे देश में देखा जाता है, इसलिए सरकार की कार्यक्षमता शासन और सदन दोनों जगह दिखनी चाहिए।आधिकारिक सत्यापन के बिना सदन की कार्यवाही से संबंधित जानकारी साझा करना मविशेषाधिकार हननफ माना जाएगा।विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य दोनों सदनों का संचालन इस तरह से करना है जिससे उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा बढ़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दैनिक मीडिया रिपोर्टों पर नज़र रखें और मशून्य कालफ के प्रश्नों, लंबित रिपोर्टों और पहले दिए गए आश्वासनों पर विस्तृत जानकारी तैयार रखें।बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, परिषद सचिव नरसिम्हा चार्युलु, विधानसभा सचिव तिरुपति, और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विकास राज, दाना किशोर, जयेश रंजन, रघुनंदन राव सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

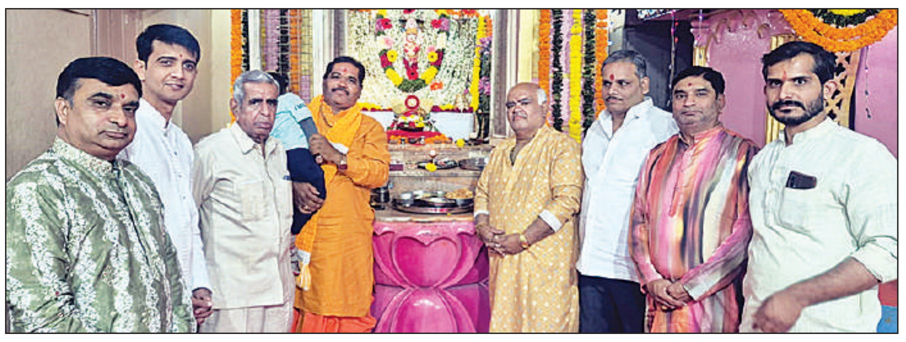

श्री महालक्ष्मी मंदिर, लाल डेरा में आयोजित अन्नकूट कार्यक्रम में बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ समाजजनों ने सहभागिता की। इस पावन अवसर पर भक्तों ने माता महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। अन्नकूट कार्यक्रम में रामदेव नगला, बीआरएस नेता नरेश व्यास, पंडित महेश चंद्र व्यास, घनश्याम दवे, संतोष भानु, टिंकू दवे, लखन व्यास एवं प्रवीण त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे और धार्मिक आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से ओतप्रोत रहा तथा सभी उपस्थित भक्तों ने सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

विधानसभा के शून्यकाल में सरकार पर बरसे बीआरएस विधायक

सिंचाई और बिजली के मुद्दे पर तीखी नोकझोंक

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को मशून्यकालफ में विपक्षी भारत राष्ट्र समिति के विधायकों ने सिंचाई, बिजली और अटके हुए फंड के मुद्दों पर कांग्रेस सरकार को जमकर घेरा। सदन में उस वक्त भारी हंगामा देखने को मिला जब सदस्यों ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही मांगी।

सदन में शोर-शराबा तब शुरू हुआ जब हुजुराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बह रहे चेक डैमों का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन चेक डैमों की तुलना मेदिगड्डा बैराज के स्तंभों से कर दी, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस विधायकों ने कौशिक रेड्डी के आरोपों को निराधार बताते हुए उनसे अपने शब्द वापस लेने की मांग की।

दुब्बक विधायक के. प्रभाकर रेड्डी ने किसानों की समस्याओं को सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि किसानों को खाद के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा उर्वरक के लिए पेश किए गए ऐप्स का उपयोग करना किसानों के लिए व्यावहारिक रूप से कठिन है।

वर्तमान में किसानों को केवल 8 से 9 घंटे ही बिजली मिल रही है। अधिकारियों का हवाला देते हुए विधायक ने कहा कि विभाग के पास ट्रांसफॉर्मर, केबल और बजट की भारी कमी है। उन्होंने चिंता जताई कि यदि बुवाई के समय यह हाल है, तो अप्रैल की गर्मी में स्थिति और भी भयावह होगी।

जनगाँव विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने हुस्नाबाद-जनगाँव मुख्य सड़क पर एक नहर के ऊपर बन रहे पुल का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि मात्र 90 लाख रुपये के बिल का भुगतान न होने के कारण निर्माण कार्य रुक गया है। उन्होंने कहा, ङ्खमैंने यह मुद्दा तीन बार सदन में उठाया और 6 मंत्रियों को पत्र लिखे, लेकिन दो साल से कोई लिखित जवाब नहीं मिला।ङ्ग

भोंगिर विधायक अनिल कुमार रेड्डी ने बसवापुरम जलाशय परियोजना की सुस्त रफ्तार पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि परियोजना का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, लेकिन तिम्मापुर के लिए पुनर्वास (ठठ) फंड की देरी से काम रुक गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शेष 100 करोड़ रुपये जल्द जारी नहीं किए गए, तो अब तक खर्च किए गए 1,500 करोड़ रुपये व्यर्थ चले जाएंगे।

श्री बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी महोत्सव आज

मंदिर को पुष्पों व जगमगाती रोशनी से सजाया गया

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री बालाजी मंदिर चारमीनार में आज मंगलवार, दि. 30 दिसंबर को वैकुंठ एकादशी महोत्सव भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मंदिर को अत्यंत भव्य रूप से पुष्पों एवं आकर्षक रोशनी से अलंकृत किया गया है, जिससे पूरा परिसर दिव्य आभा से जगमगा रहा है। महोत्सव की व्यवस्थाओं में श्रृंगारम कृष्णाचार्य स्वामी, रमनाचारी महाराज, प्रधान अर्चक श्रृंगारम रमनापापणा, आत्रेयाचार्यजी एवं गोविंदाचार्य सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

सेवा की मिसाल बने राधे राधे ग्रुप, जगन्नाथ मठ में हुआ आध्यात्मिक सम्मान

वृद्धाश्रम में कंबल वितरण कर निभाई मानव सेवा की भावना

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीतारामबाग स्थित पावन श्री जगन्नाथ मठ में शनिवार को सेवा, करुणा एवं मानव कल्याण से ओत-प्रोत वातावरण देखने को मिला, जब राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद के निस्वार्थ सेवा कार्यों से प्रभावित होकर मठ परिवार द्वारा ग्रुप के सदस्यों का भावपूर्ण एवं आध्यात्मिक सम्मान किया गया।

शीत ऋतु में वृद्धों के लिए कंबल वितरण सेवा

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल अपने सहयोगियों रोहित अग्रवाल, भाकरराम कुमावत एवं कमला देवी के साथ मठ द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में शीत ऋतु से बचाव हेतु कंबल वितरण सेवा के लिए पहुंचे। इस सेवा कार्य के दौरान वृद्धजनों के चेहरों पर संतोष, सुकून और आशीर्वाद की झलक देखने को मिली।

सेवा ही सच्ची साधना है : अच्युत रामानुजन स्वामी

इस अवसर पर मठाधिपति अच्युत रामानुजन स्वामी ने सभी सेवा कार्यकर्ताओं का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है और पीड़ित मानव की सेवा ही भगवान की प्रत्यक्ष आराधना है।

स्वामी जी ने आगे कहा कि जो संस्थाएं निरंतर सेवा भाव से कार्य करती हैं, वे समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करती हैं और युवाओं को संस्कार, करुणा एवं समर्पण की दिशा में प्रेरित करती हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री जगन्नाथ मठ (माधवराव झीरा), सीतारामबाग, हैदराबाद एक प्राचीन एवं श्रद्धा का प्रमुख केंद्र रहा है। यह मठ भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की भक्ति परंपरा को समर्पित है, जहां वर्षों से भजन, सत्संग, पूजा-अर्चना एवं वैदिक परंपराओं का विधिवत पालन किया जाता रहा है।मठ के अंतर्गत गुरुकुल, गौशाला एवं वृद्धाश्रम जैसे सेवा प्रकल्प समाज के सहयोग से निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। शिक्षा, संस्कार, गौसेवा एवं वृद्ध सेवा के माध्यम से यहां नर सेवा नारायण सेवा की भावना को जीवंत रखा गया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा की अर्ध-वार्षिक बैठक सम्पन्न

एसबीआई प्रशासनिक कार्यालय के तत्वावधान में हुई बैठक, वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता

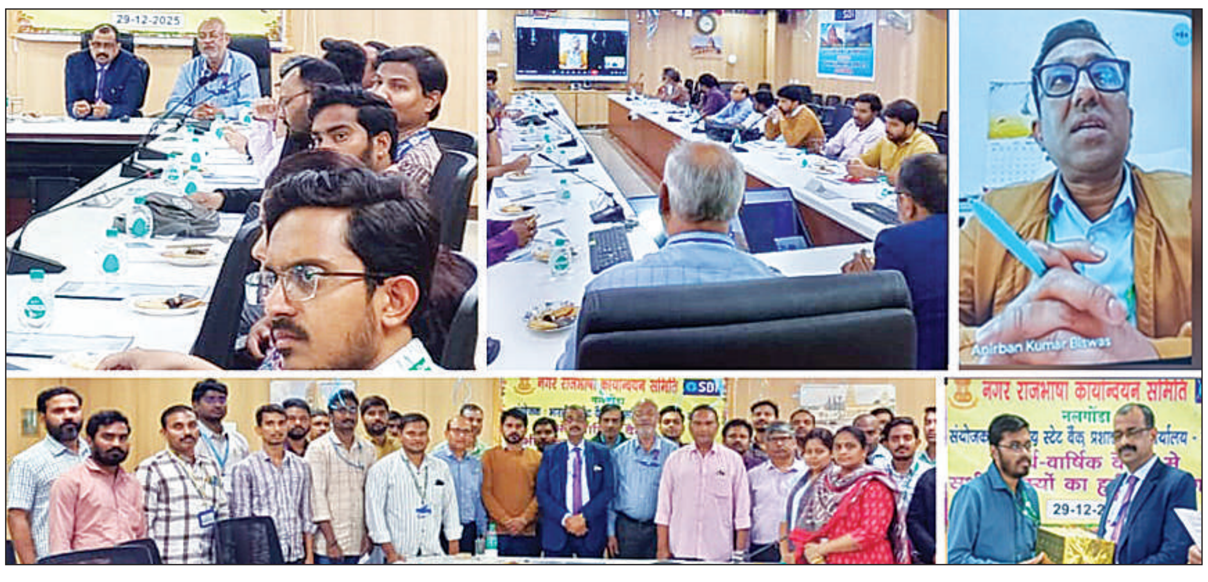

हैदराबाद, 29 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, नलगोंडा के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा की अर्ध-वार्षिक बैठक सोमवार दि. 29 दिसंबर 2025 को बिनोद कुमार सिन्हा, उप महाप्रबंधक की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थानों, उपक्रमों एवं केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता करते हुए समिति को मार्गदर्शन प्रदान किया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के बेहतर एवं प्रभावी कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह एवं राजभाषा के प्रति सकारात्मक भावना का संचार हुआ।

बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा के सदस्य-सचिव वाई. प्रसन्न कुमार द्वारा किया गया।

भारतीय खाद्य निगम की राजभाषा कर्मी सुश्री स्वाति पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री सुरेन्द्रकुमारजी अग्रवाल के पुण्यतिथि के अवसर पर
शशिकला अग्रवाल एवं दीपक अग्रवाल
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.